खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 02 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-90

यूनुस ने बंगाल की खाड़ी वाले क्षेत्र में निवेश के लिए चीन को बुलाया

बंगाल की खाड़ी पर ठोका बांग्लादेश का दावा

पाकिस्तान की राह पर चलते हुए बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने चीन को रिझाने के लिए भारत के खिलाफ एक बार फिर जहर उगला है। मोहम्मद यूनुस ने दावा किया है कि बंगाल की खाड़ी का अकेला मालिक बांग्लादेश है और भारत का इस इलाके से कोई लेना-देना नहीं है। यूनुस ने कहा है कि भारत के उत्तर पूर्वी राज्य (सेवेन सिस्टर्स) केवल जमीन के रास्ते से भारत से जुड़े हैं। यूनुस ने चीन को उत्तर पूर्व के राज्यों से सटे बांग्लादेश के इलाके में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है। यह साफ तौर पर भारत के लिए खतरे का संदेश है। यूनुस की इस शैतानियत पर भारत सरकार की कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

यूनुस की शैतानियत यहीं नहीं रुकी। उसने बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में चीन को आमंत्रित करते हुए कहा कि यह चीनी अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद होगा। चीन यहां आकर चीजें बनाए, उनका उत्पादन और बिक्री करे। यहां से चीन में ले जाए और उन्हें पूरी दुनिया म निर्यात करे। यूनुस ने भले ही समुद्र की बात की हो लेकिन उसका इशारा उस चिकन नेक कॉरिडोर की तरफ था, जो भारत के लिए बड़ी सुरक्षा चुनौती बताया जाता रहा है। चिकन नेक कॉरिडोर लगभग 20 किलोमीटर चौड़ा जमीन का वह हिस्सा है जो शेष भारत को उत्तर पूर्व के बाकी 8 राज्यों से जोड़ता है।

चिकन नेक यानि सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्व-पूर्ण है। यह पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी क्षेत्र को भारत के सात

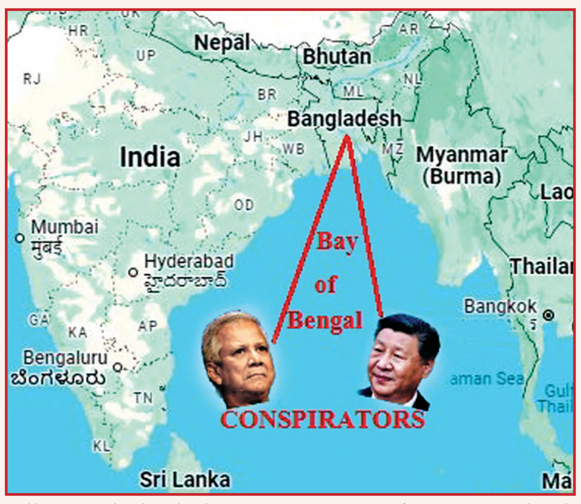

पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाला एकमात्र मार्ग है। इसकी चौड़ाई मात्र 22 किलोमीटर है और यह भूटान, नेपाल और बांग्लादेश से सटा हुआ है। अगर इस क्षेत्र में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है, तो पूरे पूर्वोत्तर भारत का बाकी देश से संपर्क टूट सकता है। इस

जिनपिंग का सहारा लेकर कुचक्र रच रहा यूनुस

वजह से आतंकियों के लिए यह क्षेत्र हमेशा से एक संवेदनशील लक्ष्य रहा है। रणनीतिकार मानते हैं कि युद्ध की स्थिति में यह हिस्सा उत्तर-पूर्व में सेना की गतिविधि को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इसके कट जाने से देश के बाकी हिस्सों का उत्तर पूर्व से सम्पर्क नहीं रह जाएगा। यूनुस ने चीन को अपना प्रस्ताव देकर अपने उस कुचक्र का खुलासा कर दिया कि वह भारत के इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पट्टी के पास चीन को लाना चाहता है। उसकी खुद की औकात नहीं है, इसलिए वह अब पाकिस्तान की तरह चीन का सहारा लेने की चालाकी में है। आप याद करिए, शाहीनबाग षडयंत्र में शामिल दिल्ली दंगे का सरगना शरजील इमाम भी इस हिस्से को भारत से अलग करने की धमकियां दे चुका है। उसने शाहीनबाग में कहा था कि चिकन नेक मुस्लिम बहुल इलाका है और उसे भारत से काट दिया जाएगा। शरजील इमाम ने 5 लाख मुस्लिमों को इकट्ठा करके असम और भारत को काट कर अलग कर देने और सेना न पहुंचने देने की बात कही थी। इसके बाद उसके खिलाफ केस दर्ज हुआ था। वह अभी में जेल में है। शरजील इमाम ही नहीं इस्लामी आतंकी भी इस जुगत में हैं कि वह चिकन नेक को काट कर भारत को तोड़ सकें। हाल ही में पश्चिम बंगाल पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसार-उल-इस्लाम बांग्लादेश के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इन लोगों का लक्ष्य पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी और पूर्वोत्तर के सात राज्यों को जोड़ने वाले चिकन नेक ▶10 पर

यूनुस का बयान अपमानजनक और निंदनीय: हिमंत

गुवाहाटी, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर राज्यों में से एक असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के चीन में किए गए बड़बोलेपन का कड़ा जवाब दिया है। हिमंत ने कहा कि बांग्लादेश में आम चुनाव की आहट से मोहम्मद यूनुस की घबराहट सामने आने लगी है, क्योंकि उनके अब कुछ दिन ही बचे हैं। यूनुस के हालिया बयान से उनका और उनकी पाकिस्तानी चाहत का असली चेहरा बेनकाब हो गया है। हिमंत सरमा ने कहा, यूनुस का बयान अपमानजनक और कड़ी निंदा के योग्य है।

हिमंत सरमा ने कहा, मोहम्मद यूनुस के ऐसे भड़काऊ बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यूनुस गहरे कुचक्र और दीर्घकालिक एजेंडा लेकर चल रहे हैं। भारत के रणनीतिक चिकन नेक गलियारे को लेकर यूनुस की मंशा जगजाहिर हुई है। सीएम सरमा ने यह भी कहा ऐसी साजिशों को देखते हुए चिकन नेक गलियारे के नीचे और उसके आसपास और अधिक मजबूत रेलवे और सड़क नेटवर्क विकसित करना जरूरी है।

सीएम सरमा ने पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाले वैकल्पिक सड़क मार्गों की तलाश और विकास को प्राथमिकता देने का आह्वान किया और कहा कि अब चिकन नेक कॉरिडोर पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

अब कानून बनने की दहलीज पर वक्फ संशोधन विधेयक

लोकसभा में आज पेश होगा वक्फ संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार वक्फ संशोधन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश करेगी। कार्य मंत्रणा समिति ने इसके लिए 8 घंटे का समय तय किया है। विधेयक को कल प्रश्न काल के तुरंत बाद पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के बाद बताया कि सरकार 2 अप्रैल को वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश करेगी। इस पर चर्चा के लिए 8 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। वहीं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आश्वासन दिया है कि सदन की सहमति होने पर इस समय को आगे बढ़ाया जा सकता है।

भाजपा ने अपने सभी सांसदों को जारी किया व्हिप

विधेयक का विरोध कर रहे विपक्ष पर निशाना साधते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि उनके बहाना बनाकर सदन से वाकआउट करने पर भी चर्चा जारी रहेगी। विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति में व्यापक विचार-विमर्श के बाद लाया गया है। सरकार चाहती है कि सभी चर्चा में भाग लें। लोग चाहते हैं कि राजनीतिक दल विधेयक पर अपना मत रखें। बहस ऐतिहासिक होने वाली है। स्पष्ट है कि संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में मोदी सरकार वक्फ संशोधन बिल लाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। यह बिल कल 2 अप्रैल को लोकसभा में पेश किया जाएगा। आज मंगलवार को संसद की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में वक्फ बिल को संसद में पेश करने को लेकर हरी झंडी मिल गई है।

वक्फ बिल के पेश होने के चलते ही, सत्त-ाधारी एनडीए गठबंधन का नेतृत्व कर रही भाजपा ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। सांसदों से सदन में पूरे वक्त मौजूद रहने को कहा गया है। इसके अलावा भाजपा ने अपने सहयोगी दलों से भी उनके सभी सांसदों को संसद में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी करने का अनुरोध किया है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि कल प्रश्न कल के तुरंत बाद लोकसभा में वक्फ बिल को विचार एवं पारित किए जाने के लिए संसद में रखा जाएगा। उन्होंने बताया है कि इस बिल के लिए 8 घंटे की चर्चा तय की गई है। ▶10 पर

वक्फ विधेयक के दोनों सदनों से पारित होने में कोई बाधा नहीं

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने वक्फ संशोधन बिल बुधवार को लोकसभा में पेश करने की तैयारी पूरी कर ली है। 2 अप्रैल को यह बिल लोकसभा में पेश किया जाएगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इस बिल को 8 अप्रैल 2024 को लोकसभा में पेश किया था।

तब विपक्ष के भारी हंगामे के बाद इस बिल को जेपीसी को भेज दिया गया। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अगुवाई में जेपीसी ने इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया। इसके बाद बिल को कैबिनेट की भी मंजूरी मिल चुकी है। हालांकि संसद में इसे पास कराना सरकार के लिए काफी चुनौती भरा कदम होगा। लोकसभा में सांसदों की मौजूदा संख्या 542 है। भाजपा के पास सबसे ज्यादा नंबर 240 का है। भाजपा के सहयोगी दलों को भी जोड़ लिया जाए तो एनडीए सांसदों की संख्या 294 होती है। लोकसभा में बिल को पास कराने के लिए बहुमत का आंकड़ा 272 चाहिए। ऐसे में अगर भाजपा को सहयोगी दलों का साथ मिलता है ▶10 पर

व्यापक समझौते पर भारत और चिली में होगी वार्ता

सुरक्षा परिषद में भारत को मिले स्थायी सदस्यता: चिली

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और चिली ने तय किया है कि दोनों देश व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक फॉन्ट भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को चिली के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिहाज से कई अहम मुद्दों पर बात हुई। बोरिक पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। अपने इस दौरे में वे भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संभावनाओं को तलाशेंगे, जिनमें व्यापार और रक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं।

दोनों देशों के बीच शीर्ष नेतृत्व स्तर की बातचीत के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हमारी टीमों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बातचीत की शुरुआत की है। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में साझीदारी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। पीएम मोदी ने लैटिन अमेरिका में चिली को भारत का महत्वपूर्ण

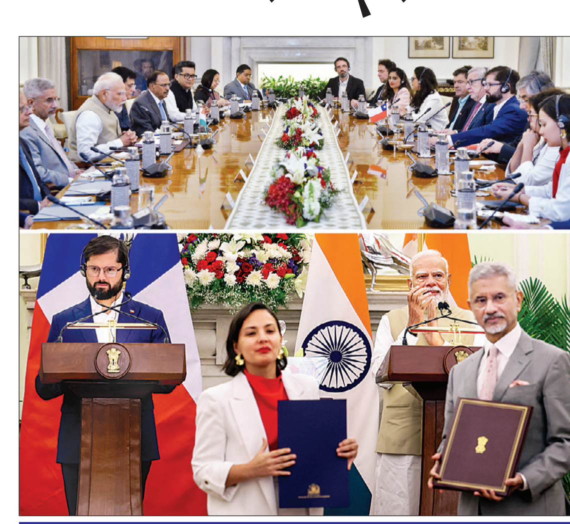

ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष, रक्षा और खनिज क्षेत्र में साझेदारी संभव

साझीदार बताया और कहा कि भारत, चिली को अंटार्कटिका के प्रवेश द्वार के तौर पर देखता है। भारत, चिली के साथ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अक्षय ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में अपना सकारात्मक अनुभव साझा करने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति बोरिक का यह पहला भारत दौरा है और उनका भारत के साथ रिश्तों को मजबूत करने का समर्पण अद्भुत है। आज की बातचीत में हमने खाद्य सुरक्षा के मामले में एक दूसरे की क्षमताओं को मजबूत करने पर भी बात की। चिली में स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत विश्वसनीय साझेदार है। ये बेहद खुशी की बात है कि चिली में योग को अपनाया जा रहा है। चिली में 4 नवंबर को योग दिवस घोषित किया जाना, हमारे लिए प्रेरणा की बात है। हमने चिली में आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के मुद्दे पर भी बात की। रक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच बढ़ते आपसी विश्वास का प्रतीक है। ▶10 पर

फॉन्ट ने मोदी से पूछा तिरंगे में अशोक चक्र का अर्थ

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हैदराबाद हाउस में मुलाकात के दरम्यान भारतीय ध्वज में अशोक चक्र के बारे में पूछा। हैदराबाद हाउस में चर्चा कक्ष में जाते समय चिली के राष्ट्रपति भारतीय ध्वज के पास रुके और प्रधानमंत्री मोदी से अशोक चक्र का मतलब पूछा। पीएम मोदी ने अशोक चक्र के ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संदर्भों के बारे में उन्हें विस्तार से समझाया। पीएम मोदी ने तिरंगे के तीन रंगों के सांकेतिक अर्थों के बारे में भी चिली के राष्ट्रपति को बताया।

गुजरात के बनासकांठा हादसे में 18 की मौत

सीएम भूपेंद्र पटेल ने जताया दुख, मुआवजे का ऐलान

बनासकांठा , 01 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के बनासकांठा में मंगलवार को हुए हादसे पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया है। इसके साथ ही सीएम पटेल ने इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को 4 लाख और घायलों को 50,000 रुपए के मुआवजे की घोषणा की। गुजरात के बनासकांठा में एक पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों की मौत हो गई। जबकि, कई घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने इस दुखद हादसे पर दुख जाहिर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, डीसा में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से श्रमिकों की मौत की घटना हृदय विदारक है। इस दुःख की घड़ी में मेरी हार्दिक संवेदनाएं मृतकों के परिजनों के साथ हैं। ▶10 पर

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी पर सीएम योगी का बड़ा बयान

मैं हूं योगी... हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री पद पर दावेदारी को लेकर चल रही चर्चाओं और योगी आदित्यनाथ का नाम लिए जाने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ साफ कहा, मैं योगी हूं। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति में धर्म का मिलन गलत नहीं है। ये हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों के लिए सीमित कर देते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर कहा, मैं दिल से, कर्म से और धर्म से योगी हूं। राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। मैं मुख्यमंत्री पद पर उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करने के लिए हूं और मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मेरी पार्टी भाजपा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं निभा रहा हूं। प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर योगी ने इसका खंडन किया। उन्होंने कहा, मैं कब तक राजनीति में रहूंगा इसकी समय सीमा है। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। उल्लेखनीय है कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं काफी तेज हैं और योगी को उनके समर्थकों के द्वारा प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। ये चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के 30 मार्च को संघ मुख्यालय जाने के बाद और तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं में सीएम योगी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति में धर्म का मिलन गलत नहीं है। ये हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों के लिए सीमित कर देते हैं और राजनीति को कुछ लोगों के लिए छोड़ देते हैं। इससे समस्याएं उत्पन्न होती हैं। राजनीति का उद्देश्य स्वार्थों की पूर्ति करना नहीं है बल्कि समाज की भलाई करना है। इसी तरह धर्म का उद्देश्य भी परमार्थ होता है। जब धर्म का प्रयोग स्वार्थ की पूर्ति के लिए होता है तो मुश्किल आती है लेकिन परमार्थ का उद्देश्य होने पर धर्म प्रगति के मार्ग खोलता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाषा को लेकर हो रही सस्ती राजनीति की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में नेता भाषा विवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, वहां धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। भाषा विवाद से निजी राजनीतिक लाभ तो लिया जा सकता है, लेकिन यह युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर बाधा बन सकता है। मुख्यमंत्री योगी से पूछा गया कि क्या उनका इशारा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की ओर है? इस पर सीएम योगी ने कहा, वे जो भी हैं, वे ऐसा कर रहे हैं। उनके पास कोई अन्य मुद्दा नहीं है। वे अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए भावनाओं को भड़का रहे हैं। यही कारण है कि उन राज्यों में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। संकीर्ण राजनीति युवाओं के करियर को प्रभावित कर सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बंगाली या मराठी जैसी भाषाएं राष्ट्रीय एकता की आधारशिला बन सकती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार अपने छात्रों को तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बंगाली और मराठी जैसी भाषाएं सिखा रही है। क्या इससे उत्तर प्रदेश किसी भी तरह से छोटा लगता है? ▶10 पर

रवि लामिछाने ने संभाली पार्टी की कमान सांसद पद बहाल करने की मांग

काठमांडू,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

सहकारी घोटाले में करीब तीन महीने तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद रिहा हुए पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने ने मंगलवार को एक बार फिर से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष पद की कमान संभाल ली है। उन्होंने स्पीकर से मुलाकात करके सांसद पर पुनर्बहाली की मांग की है। सहकारी घोटाले में गिरफ्तारी के बाद उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद पांच अलग-अलग जिला अदालतों से जमानत मिलने के बाद रवि लामिछाने अपनी पार्टी के अध्यक्ष पद पर फिर से बहाल हुए हैं।

अध्यक्ष पद की कमान संभालने के बाद मीडिया से बातचीत में रवि लामिछाने ने बताया कि वर्तमान सत्तारूढ़ गठबंधन की तरफ से षडयंत्र के तहत उन्हें फंसाया गया था। उन्होंने बताया कि तमाम षडयंत्र के बाद भी उनकी सबसे बड़ी जीत हुई है। रवि लामिछाने ने कहा कि उनकी पार्टी को तोड़ने के अनेक प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं और सांसदों ने उनके प्रति विश्वास दिखाते हुए सत्ता पक्ष के षडयंत्र को नाकाम कर दिया।

प्रधानमंत्री की ओर से सोमवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को नहीं बुलाए जाने पर रवि लामिछाने ने बताया कि कांग्रेस और एमाले उनकी पार्टी को बेवजह बदनाम करने के लिए राजशाही का पक्षधर होने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने बड़े दल के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि लोकतंत्र का मतलब देउवा तंत्र और ओली तंत्र नहीं होता है। रवि लामिछाने का स्पष्ट कहना था कि उनकी पार्टी लोकतंत्र में विश्वास करती है, लेकिन ओली तंत्र और देउवा तंत्र के आगे वो नहीं झुकने वाले हैं।

पार्टी की कमान संभालने के साथ ही रवि लामिछाने ने पार्टी के बड़े नेताओं और सांसदों को लेकर प्रतिनिधि सभा के स्पीकर से मुलाकात की।

न्यूज ब्रीफ

खालिदा जिया का बांग्लादेश के भविष्य के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने देश के बेहतर भविष्य और मुल्क में जम्हूरियत की स्थापना के लिए सभी से एकजुट होने का आह्वान किया। खालिदा जिया ने यह अपील ईद-उल-फितर और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ढाका में मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व अन्य से सोमवार को लंदन से वर्चुअली संबोधन में की। खालिदा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को ईद और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने लोकतंत्र की स्थापना के लिए आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कार्यक्रम गुलशन स्थित उनके कार्यालय में आयोजित किया गया। पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान भी लंदन से इसमें वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने स्वागत भाषण दिया। खालिदा जिया ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी सदस्यों का बलिदान और संघर्ष व्यर्थ नहीं गया है और व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने सभी से लोगों के मताधिकार को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने देशवासियों को ईद की शुभकामनाएं भी दीं। लंबे समय बाद सभी को देखकर वह भावुक हो गईं। उल्लेखनीय है कि वयोवृद्ध नेता खालिदा कई माह से लंदन में अपने बेटे के घर पर हैं। वह इलाज कराने लंदन गई थीं।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के बरखान जिले में भूकंप से कांपी धरती

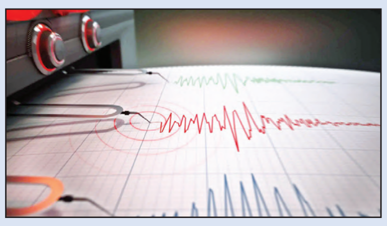

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में भूकंप आने के कुछ घंटों बाद सुबह बलूचिस्तान के बरखान जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 रही और यह 12 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप का केंद्र बरखान से 59 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित रहा। इसमें कहा गया कि इससे पहले ईद के दिन भी शाम 4 बजे के आसपास कराची के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि कराची में आए भूकंप की तीव्रता 4.7 थी और इसका केंद्र शहर से 75 किलोमीटर उत्तर में स्थित था। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन भूकंप के झटकों के बाद लोग घबरा गए। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 4.6 थी और भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के उथल से 65 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मोदी-ओली के बीच बैंकाक में होगी मुलाकात

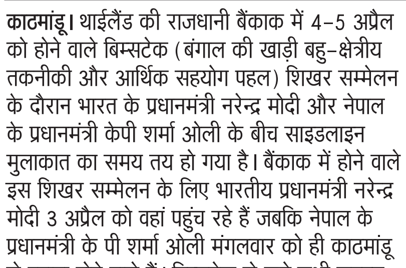

काठमांडू। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में 4-5 अप्रैल को होने वाले बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच साइडलाइन मुलाकात का समय तय हो गया है। बैंकाक में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 अप्रैल को वहां पहुंच रहे हैं जबकि नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली मंगलवार को ही काठमांडू से रवाना होने वाले हैं। बिम्सटेक से जुड़े सभी सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुखों के लिए थाईलैंड के प्रधानमंत्री के तरफ से 3 अप्रैल को राजकीय भोज का आयोजन किया गया है। यहां पर सभी के बीच अनौपचारिक मुलाकात होने वाली है। थाईलैंड में नेपाल के राजदूत धन बहादुर वली ने बताया कि नेपाल के प्रधानमंत्री ओली और भारत के प्रधानमंत्री मोदी के बीच 4 अप्रैल की सुबह साइडलाइन मुलाकात तय हुई है। उन्होंने बताया कि चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की बैंकाक यात्रा सिर्फ 24 घंटे के लिए है इसलिए उनकी व्यस्तता के कारण अंतिम समय में मुलाकात का समय आगे पीछे हो सकता है। भारतीय प्रधानमंत्री के साथ ओली की यह दूसरी साइडलाइन मुलाकात हो रही है। इससे पहले सितंबर 2024 में अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान दोनों के बीच साइडलाइन मुलाकात हुई थी। इसके बाद अब बैंकाक में यह मुलाकात होने जा रही है। प्रधानमंत्री बनने के आठ महीने के बाद भी ओली की अब तक भारत का औपचारिक भ्रमण नहीं हो पाया है।

सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर ने स्पेसएक्स को कहा शुक्रिया, बोले- धरती के माहौल में ढलने की कर रहे कोशिश

स्पेस से लौटने पर सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस

अंतरिक्ष में 286 दिन बिताने के बाद पृथ्वी पर लौटे सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर

ह्यूस्टन,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

नासा के अनुभवी अंतरिक्ष यात्री, सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर महज आठ दिनों के मिशन के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन वो 286 दिनों बाद धरती पर लौटे। 18 मार्च को स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन यान के जरिए उनकी सफल वापसी हुई। दोनों अंतरिक्ष यात्री ने मार्च महीने की शुरुआत में धरती पर वापस आने के बाद पहली बार टेक्सास के ह्यूस्टन में जॉनसन स्पेस सेंटर से सार्वजनिक रूप से मिशन के अनुभवों को साझा किया।

लंबे अंतराल के बाद पृथ्वी पर लौटने के बाद सुनीता विलियम्स ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, मैं सबसे पहले अपने पति और अपने पालतू कुत्तों को गले लगाना चाहती थी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले उन्होंने अपने घर में एक ग्रिल्ड चीज सैंडविच का आनंद लिया, जो उनके पिता की याद दिलाता है।

पृथ्वी पर सकुशल वापसी पर बुच विल्मोर ने कहा, हम इस देश के आभारी हैं, जिन्होंने हमारे लिए प्रार्थना की और हमारे साथ शामिल रहे। वहीं सुनीती ने कहा, हमें नहीं पता था कि धरती पर क्या हो रहा है। लेकिन लोगों की प्रतिक्रियाओं से सम्मानित और विनम्र महसूस कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम जो कर रहे हैं, वह भी महत्वपूर्ण है, टीमें हमें पुनर्वास में मदद कर रही हैं और नई चुनौतियों के लिए तैयार कर रही हैं।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने आईएसएस पर बिताए समय को अनमोल वैज्ञानिक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण प्रयोग किए। उन्होंने कहा कि यह मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष अभियानों की सूची में छठे सबसे लंबे मिशन के रूप में दर्ज हुआ है। हालांकि, सबसे लंबी अवधि का रिकॉर्ड नासा के ही अंतरिक्ष यात्री फ्रैंक रूबियो के नाम है, जिन्होंने 371 दिनों तक अंतरिक्ष में रहकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था।

286 दिनों तक अंतरिक्ष में यात्रियों को क्यों रुकना पड़ा इस सवाल के जवाब में विलियम्स और विलमोर ने कहा कि नासा और बोइंग द्वारा विकसित स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में तकनीकी दिक्कतों के चलते उन्हें अंतरिक्ष स्टेशन पर ही रुकना पड़ा। उनका मिशन मात्र आठ दिनों के लिए था, लेकिन स्टारलाइनर के प्रणोदन प्रणाली में आई समस्याओं के कारण नासा ने उनकी वापसी को बार-बार टाल दिया। अंततः जब यह निर्णय लिया गया कि उनके लिए स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन से वापसी अधिक सुरक्षित होगी, तो उनकी वापसी संभव हो पाई। हालांकि नासा और बोइंग की आगामी योजनास्टारलाइनर यान की असफलताओं की विस्तृत जांच जारी है। उन्होंने बताया कि नासा और स्पेसएक्स की नई उड़ानें यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार की जा रही हैं कि भविष्य में इस तरह की तकनीकी परेशानियां दोबारा न हों। अंतरिक्ष में लंबी अवधि बिताने के प्रभाव को लेकर सुनीता और बुच ने कहा कि 286 दिनों तक भारहीनता में रहने के बाद दोनों अंतरिक्ष यात्री ह्यूस्टन स्थित जॉनसन स्पेस सेंटर में पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। इस दौरान, वे अपनी मांसपेशियों और हड्डियों को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल ढालने के लिए विशेष व्यायाम कर रहे हैं ताकि धरती के माहौल में खुद को बेहतर ढंग से ढाल सकें।

एक सवाल कि आईएसएस में उनके फंसे रहने के लिए कौन जिम्मेदार है, पर बुच विल्मोर ने कहा, हम सभी जिम्मेदार हैं। हमें आगे की ओर देखना चाहिए, हम बैठकर किसी को दोष नहीं दे सकते। उन्होंने आगे कहा कि हम समस्याओं को ठीक करने जा रहे हैं। वहीं, बुच के जवाब को आगे बढ़ाते हुए निक हेग ने कहा कि हमारा ध्यान मिशन पर था, वहां राजनीति के लिए कोई जगह नहीं थी। सुनीता और बुच के साथी निक हेग ने कहा कि हम सभी ने अंतरिक्ष स्टेशन पर कई मिशन किए हैं। हम अभी अंतरिक्ष स्टेशन के स्वर्णिम युग में हैं। उन्होंने आगे कहा, जब मैं मानव अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य के बारे में सोचता हूँ तो मैं वास्तव में आशावादी हो जाता हूं। उन्होंने कहा कि यह मिशन हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य, राष्ट्रीय फोकस था।

हाफिज,मसूद अजहर के करीबियों की हत्या के पीछे का सच सामने आया

करांची,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में बैठकर भारत विरोधी गतिविधियों में लगे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे लोगों के कई करीबियों की हत्या हो गई है। इसके लिए कई बार आरोप लगे कि हत्या करने वालों को भारत का संरक्षण प्राप्त है। हालांकि इस तरह के आरोपों को भारत नकारता रहा है। अब एक रिपोर्ट आई जो कुछ अलग ही कहानी बयां कर रही है।

इस बीच रिपोर्ट है कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश और लश्कर के बीच मतभेद गहरा गए हैं। इस बारे में एक डिटेल रिपोर्ट प्रकाशित की है। वेबसाइट ने खुफिया सूत्रों के हवाले से लिखा है कि दोनों संगठनों के सरगनाओं के बीच बातचीत से पता चला है कि आतंकी हमलों की योजना को लेकर उनकी सोच अलग-अलग है। इस वजह से दोनों एक साथ काम नहीं करना चाहते। पाकिस्तानी सेना ने इनके बीच सुलह कराने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही। अब पाकिस्तान जैश के आतंकियों को जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के लिए सुरक्षित रास्ता दे रहा है। इन दोनों संगठनों के बीच यह कलह इतनी बढ़ गई है कि वे एक दूसरे के सरगनाओं को निशाना बना रहे हैं।

अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक 2021 से अब तक 20 से 33 आतंकवादी मारे गए हैं। ये आतंकी लश्कर, जैश और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के थे। ये कुछ नाम हैं- 2023 में शाहिद लतीफ, जो 2016 के पठानकोट हमले का मास्टरमाइंड माना जाता था, को सियालकोट में मारा गया। इसी तरह में अबू कताल जैसे आतंकी कराची में मारे गए। पाकिस्तान की सरकार इन हत्याओं को आधिकारिक तौर पर आतंकवादियों की मौत के रूप में स्वीकार नहीं करती। कई मामलों में मारे गए आतंकवादियों को वह स्थानीय मौलवी या आम नागरिक के रूप में पेश करती है। इसलिए, सही आंकड़ा बताना मुश्किल है, लेकिन खबरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि पिछले चार-पांच सालों में कम से कम दो दर्जन से ज्यादा भारत विरोधी आतंकी पाकिस्तान में मारे गए हैं।

ब्रूसेल्स में एयरपोर्ट पर हुई हड़ताल

ब्रूसेल्स में एयरपोर्ट पर हुई हड़ताल के बाद सभी उड़ाने रद्द होने से परेशान नजर आये यात्री।

चीन की सेना ने ताइवान को घेरकर संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया

बीजिंग,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

चीन की सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया है। इसमें सेना, नौसेना और रॉकेट बल शामिल हैं। इसे ताइवान की स्वतंत्रता के खिलाफ सख्त चेतावनी माना जा रहा है। चीन की सेना के पूर्वी थियेटर कमांड के आधिकारिक वीचैट सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी गई है। चीन ने कुछ दिनों से द्वीप के खिलाफ अपना राजनीतिक और सैन्य दबाव तेज किया है। बीजिंग लंबे समय से ताइवान को अपना हिस्सा बताता आ रहा है।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीन के शांदोंग विमान वाहक समूह ने सोमवार को द्वीप के प्रतिक्रिया क्षेत्र में प्रवेश किया। जवाब में सैन्य विमान और जहाज भेजे गए और भूमि-आधारित मिसाइल प्रणालियों को सक्रिय किया गया। बयान में कहा गया, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने ताइवान और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियों को बढ़ा दिया है। सुखद यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसके साथ है।

संयुक्त युद्धाभ्यास की घोषणा के बाद चीन की सेना ने लगातार कई वीडियो जारी किए। इनमें चीन के युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों को ताइवान को घेरते हुए ताइपे को ऊपर से निशाना बनाते हुए और सैन्य वाहनों को शहर की सड़कों पर गश्त करते दिखाया गया है।

चीन की सेना ने एक पोस्टर का वीडियो भी जारी किया है। इसका शीर्षक क्लोजिंग इन है। चीन की सेना के पूर्वी थियेटर कमांड ने वीचैट पेज पर शेल शीर्षक से एक वीडियो जारी किया। इसमें ताइवान के राष्ट्रपति लाइ चिंग-ते को एक हरे रंग के कार्टून बग के रूप में दिखाया गया है। चीन की सेना ने ताइवान के राष्ट्रपति को परजीवी कहा है। वीचैट पेज पर ताइवान के राष्ट्रपति लाइ द्वीप को खोखला कर रहे हैं। चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता झू फेंगलियान ने कहा कि यह संयुक्त अभ्यास लाइ चिंग-ते के बड़े पैमाने पर स्वतंत्रता उकसावे के लिए एक कठोर सजा है। यही नहीं, चीन ने ताइवान को मिलाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

पाकिस्तान में शुरू होगी अफगान शरणार्थियों को स्वदेश भेजने की प्रक्रिया

इस्लामाबाद,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे अफगान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी की प्रक्रिया शुरू होगी। इन लोगों के स्वैच्छिक वापसी के लिए 31 मार्च की समय सीमा समाप्त हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा गृह विभाग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अफगान शरणार्थियों को से अफगानिस्तान वापस भेजा जाएगा।

इसका विवरण देते हुए कहा गया कि संघीय सरकार ने पिछले सप्ताह तालिबान सरकार के अनुरोध के बावजूद समय सीमा में किसी भी तरह के विस्तार के खिलाफ फैसला किया था। सरकार ने विदेशी नागरिकों से संबंधित विदेशी राष्ट्रीय सुरक्षा सेल के डैशबोर्ड को अपडेट करने के लिए 27 मार्च तक प्रांतीय सरकार से खैबर पख्तूनख्वा में अफगान छात्रों का रिकॉर्ड भी मांगा था।

अवैध रूप से रह रहे अफगान शरणार्थियों को निष्कासित करने की नीति मुल्क में बढ़ते आतंकवादी हमलों के बीच सुरक्षा स्थिति को बेहतर बनाने के प्रयासों के हिस्से के रूप में आई है। इस्लामाबाद ने बार-बार अफगान क्षेत्र से संचालित आतंकवादी समूहों को दोषी ठहराया है। रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि अब तक पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे 878,972 अफगान अपने देश लौट चुके हैं। इस बीच, मानवाधिकार निगरानी संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान से देश में रह रहे अवैध अप्रवासियों और अफगान नागरिकों के निष्कासन के संबंध में अपनी अपारदर्शी अवैध विदेशी प्रत्यावर्तन योजना को वापस लेने का आग्रह किया है। पेशावर में किसी भी अन्य शहर की तुलना में सबसे अधिक संख्या में अफगान नागरिक रहते हैं। उनमें से हजारों लोग अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं जबकि अन्य पिछले कई दशकों से शहर में नौकरी कर रहे हैं। वे स्थानीय आबादी के साथ कई शहरी, उपनगरीय और ग्रामीण इलाकों में रह रहे हैं।

हांगकांग और तिब्बत को लेकर अमेरिका पर भड़का चीन, करने लगा अपनी तैयारी

बीजिंग/वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने हाल ही में हांगकांग और तिब्बत को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। इससे गुस्साए चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिका ने इस रिपोर्ट में हांगकांग की स्वायत्तता खत्म करने पर चीन की आलोचना की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने तिब्बत में अमेरिकी राजनयिकों की पहुंच सीमित करने को लेकर चीनी अधिकारियों पर निशाना साधा है। इन आरोपों के साथ ही उन्होंने नए प्रतिबंधों की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी विदेश विभाग की हांगकांग नीति अधिनियम रिपोर्ट 2025 में कहा गया है कि चीन ने हांगकांग की स्वायत्तता को पूरी तरह कुचल दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने चीन पर नाराजगी जाहिर की और उन्होंने दो ट्वीट्स के जरिए अपनी बात रखी। पहले ट्वीट में उन्होंने कहा, 'मैं उन चीनी अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगा रहा हूं, जो तिब्बत क्षेत्रों में पहुंच को सीमित करने के लिए जिम्मेदार हैं। चीन को हमारे राजनयिकों और अन्य लोगों को तिब्बत में वैसी ही पहुंच देनी चाहिए, जैसी उनके राजनयिकों को अमेरिका में मिलती है।' दूसरे ट्वीट में उन्होंने हांगकांग पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा, 'नवीनतम हांगकांग नीति अधिनियम रिपोर्ट से पता चलता है कि चीन ने हांगकांग के लोगों से किए वादे तोड़े हैं। हम छह व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, जो हांगकांग की स्वायत्तता को कमजोर करने, लोगों की आजादी छीनने और अमेरिकी धरती पर कार्यकर्ताओं के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दमन में शामिल हैं। यह स्पष्ट है कि अमेरिका ने चीन पर दबाव बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। चीन ने इस रिपोर्ट और प्रतिबंधों पर कड़ा ऐतराज जताया। सरकार के मुखपत्र की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में चीनी दूतावास ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, 'हम अमेरिका की नई हांगकांग रिपोर्ट और छह चीनी अधिकारियों पर लगाए गए प्रतिबंधों की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और इसका विरोध करते हैं।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विकसित भारत के लिए नवोन्मेषी, अनुकूलनीय व सभी के लिए सुलभ वित्तीय तंत्र की जरूरत: मुर्मू

मुंबई , 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी के समीप पहुंच रहा है, 'विकसित भारत 2047' का मिशन एक ऐसे वित्तीय इकोसिस्टम की मांग करता है जो नवोन्मेषी, अनुकूलनीय और सभी के लिए सुलभ हो।

श्रीमती मुर्म ने यहां भारतीय रिजर्व बैंक की 90 वर्षगांठ के समापन समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि आगे का मार्ग नई जटिलताएं और चुनौतियां पेश करेगा। उन्होंने स्थिरता, नवाचार और समावेशिता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ रिजर्व बैंक के शक्ति का एक स्तंभ बने रहने का विश्वास जताते हुये कहा कि यह विश्वास को मजबूत करेगा और देश को समृद्धि और वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाएगा। एक मजबूत बैंकिंग प्रणाली सुनिश्चित करने, वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देने और हमारे वित्तीय इकोसिस्टम में विश्वास की रक्षा करते हुए मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में रिजर्व बैंक विकसित भारत की यात्रा में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि रिजर्व बैंक ने भारत को डिजिटल भुगतान में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश के भुगतान ढांचे को लगातार आधुनिक बनाकर, इसने यह सुनिश्चित किया है कि डिजिटल लेनदेन न केवल सहज और कुशल हों, बल्कि सुरक्षित भी हों। यूप-ीआई जैसे नवाचारों से वित्तीय क्षेत्र तक पहुंच में आयी क्रांति से तत्काल, कम लागत वाले लेनदेन संभव हुए हैं और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। भुगतान के अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक ने एक जीवंत फिन-टेक इकोसिस्टम विकसित किया है।

उन्होंने कहा कि आमजन का उनकी जेब में रखे नोटों पर छपे भारतीय रिजर्व बैंक के नाम के अलावा कोई सीधा संपर्क नही होता है, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से बैंकों और अन्य माध्यमों से उनके सभी वित्तीय लेन-देन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ही नियंत्रित होते हैं और वे सहज रूप से इसके द्वारा संचालित वित्तीय प्रणाली में अपना पूर्ण विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वास ही भारतीय रिजर्व बैंक की नौ दशकों की सबसे बड़ी उपलब्धि है। रिजर्व बैंक ने मूल्य स्थिरता, विकास और वित्तीय स्थिरता के अपने अधिदेश को दृढ़ता से बनाए रखते हुए यह विश्वास अर्जित किया है। रिजर्व बैंक ने हमारे आगे बढ़ते राष्ट्र की उभरती जरूरतों को पूरा करने के अनुरूप स्वयं को ढाला है।

राष्ट्रपति ने कहा कि 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण से लेकर कोविड-19 महामारी तक प्रमुख चुनौतियों के प्रति त्वरित प्रतिक्रियाएं रिजर्व बैंक की अनुकूलनशीलता को दर्शाती हैं। रिजर्व बैंक ने तेजी से वैश्वीकृत हो रहे विश्व में, प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्तियों के समक्ष देश की वित्तीय प्रणाली की सुदृढ़ता को सुनिश्चित किया हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्रीय बैंक के रूप में रिजर्व बैंक देश की अविश्वसनीय विकास गाथा का केंद्र है। रिजर्व बैंक आजादी से पहले देश की भीषण गरीबी से जूझने से लेकर विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने तक की यात्रा का साक्षी हैं। केन्द्रीय बैंक देश के महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक है।

इस अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इस कार्यक्रम में सरकार, वित्तीय क्षेत्र नियामक संस्थानों, उद्योग, शिक्षाविदों, रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों और रिजर्व बैंक के पूर्व और वर्तमान वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्तीय प्रणाली में सुधार लाने और भारत की आर्थिक प्रगति में सक्रिय और जोरदार योगदान देने के लिए रिजर्व बैंक की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विनियमन और नवाचार के बीच संतुलन बनाने में रिजर्व बैंक का सहयोगात्मक दृष्टिकोण न केवल ग्लोबल साउथ के लिए बल्कि डिजिटल भुगतान जैसे क्षेत्रों में विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी आशा की किरण है।

दो मालगाड़ियों की टक्कर में लोको पायलट समेत 3 की मौत

साहिबगंज, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
झारखंड के साहिबगंज में एक बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। यहां दो मालगाड़ियों की जोरदार टक्कर हुई, जिसके चलते लोको पायलट समेत 3 लोगों की मौत हो गई। हादसे में सीआईएसएफ के चार जवानों के घायल होने की भी खबर है। एक ट्रेन बरहेट में खड़ी थी, तभी कोयले से लदी मालगाड़ी के तेजी से खड़ी ट्रेन में टक्कर मारने पर हादसा हो गया। टक्कर के बाद उन ट्रेनों के इंजनों में भीषण आग भी लग गई।

जानकारी के मुताबिक, फरक्खा के लालमटिया जा रही मालगाड़ी बरहेट में खड़ी थी, तभी लालमटिया से कोयला लेकर फरक्का जा रही मालगाड़ी ने उसमें टक्कर मार दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया कि मालगाड़ी की टक्कर इतनी ज्यादा जोरदार थी कि दोनों के ही इंजनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में जिन 2 लोको पायलट की मौत हुई है उनमें से अंबुज महतो बोकारो के रहने वाले थे। वहीं बीएस पॉल बंगाल के रहने वाले थे। घायलों का बरहेट सदर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। दोनों ट्रेनों में टक्कर के बाद कोयला लदी मालगाड़ी में आग लग गई। वहीं कई बोगियां पटरी से उतर गई।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुट गई। राहत और बचाव कार्य जारी है। ट्रेन हादसे की यह घटना साहिबगंज जिले के बरहेट एमजीआर लाइन पर हुई है। झारखंड के गोड्डा जिले के ललमटिया से पश्चिम बंगाल के फरक्का एनटीपीसी के लिए ट्रेन जा रही थी। हादसा जिस लाइन में हुआ है वहां ललमटिया से फरक्का तक कोयला लेकर माल गाड़ियां चलती हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

280 लोगों से मानहानि का केस खारिज

कोलकाता, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में 2013 में दायर मानहानि के मामले को खारिज कर दिया। यह मामला पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के एक शैक्षणिक संस्थान के अधीक्षक द्वारा 280 से अधिक लोगों के खिलाफ दायर किया गया था, जिन्होंने मुख्यमंत्री को उनके खिलाफ सामूहिक याचिका भेजी थी। न्यायमूर्ति अजय कुमार गुप्ता ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि यह याचिका सार्वजनिक हित से जुड़ी हुई थी और इसे मानहानि की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

बर्धमान जिले के एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के अधीक्षक के खिलाफ 287 व्यक्तियों ने मुख्यमंत्री को एक सामूहिक याचिका भेजी थी। इसमें अधीक्षक पर अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप लगाए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की थी। इसके जवाब में अधीक्षक ने आरोप लगाया कि इस सामूहिक शिकायत से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है और उन्होंने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट, बर्धमान में आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस याचिका का उद्देश्य केवल संस्थान और छात्रों के हितों की रक्षा करना था, न कि किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना। न्यायमूर्ति अजय कुमार गुप्ता ने कहा, अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ कानूनन और अच्छे विश्वास में किसी प्राधिकरण को शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो इसे मानहानि नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में 280 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह व्यक्तिगत बदले की भावना से प्रेरित नहीं था, बल्कि समाज के व्यापक हित में था।

न्यायमूर्ति गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि याचिका को याचिकाकर्ताओं के कानूनी और प्राकृतिक अधिकारों के तहत उचित अधिकारियों को गोपनीय रूप से प्रस्तुत किया गया था। यह सामूहिक याचिका संस्थान और उसके छात्रों की सुरक्षा के लिए है, अदालत ने कहा कि इसे दुर्भावना या सार्वजनिक या समाज में प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के रूप में नहीं समझा जा सकता है।

अमित शाह से मिले सपा के बागी विधायक

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से समाजव-ादी पार्टी के तीन बागी विधायकों विनोद चतुर्वेदी, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह ने मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सपा का साथ छोड़ने की वजहों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, भविष्य की राजनीति के बारे में भी चर्चा की। सपा के बागी विधायकों की इस मुलाकात के बाद सियासी गलियारों में प्रदेश में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर फिर से अटकलें शुरू हो गई हैं।

सपा से बगावत करने वाले विधायक बीते दिनों भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से मिलते रहे हैं, हालांकि उन्हें पार्टी में शामिल करने अथवा कोई अहम जिम्मेदारी देने को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इससे बागी विधायक अपने भविष्य को लेकर चिंतित भी हैं। मंगलवार को भाजपा के राज्यसभा सांसद संजय सेठ के साथ तीनों बागी विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री से मिलकर अपनी चिंताओं से अवगत कराया। बता दें कि सपा ने भी अपने बागी विधायकों की सदस्यता खत्म कराने के लिए अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। वहीं विधायकों की बगावत के बाद लोकसभा चुनाव में इसका खास असर देखने को नहीं मिला। चुनाव में भाजपा को मिली शिकस्त के बाद बागी विधायकों की उपयोगिता पर भी सवाल उठने लगे थे।

आतंकियों से फिर शुरू हुई मुठभेड़, एक मारा गया

जम्मू, 01 अप्रैल (ब्यूरो)।
हीरानगर के सन्याल गांव में रात भर सैनिकों पर गोलियां दाग कर भागे और फिर सन्याल से 30 किमी दूर जुथाना में चार सैनिकों को मारने वाले तीन आतंकियों से फिर से मुठभेड़ शुरू हुई। सुरक्षाबलों ने कुछ ही देर में एक आतंकी को मार गिराया।

कठुआ जिले में बीती रात सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई सुरक्षा बलों ने आतंकियों को घेर लिया बाद में सुरक्षा बलों ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कठुआ में पिछले एक हफ्ते से अधिक समय से आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन जारी है। जम्मू कश्मीर पुलिस के अनुसार कठुआ के बिलावर इलाके में बीती देर रात सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई।

इसके बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया। कठुआ में सोमवार को सुरक्षाबलों ने आतंकियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी।

जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के डीआईजी शिव कुमार शर्मा के मुताबिक इलाके में आतंकियों को खत्म करने के लिए अभियान अभी भी जारी है। इस बीच पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस आतंकवादियों के सफाए तक अपना अभियान जारी रखेगी। अधिकारियों ने बताया कि माना जा रहा है कि तीनों आतंकवादी उस समूह से हैं, जिसका 23 मार्च को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास नर्सरी इलाके में सुरक्षा बलों के साथ पहली बार आमना-सामना हुआ था। सभी आतंकवादी भागने में सफल रहे थे।

चार दिन बाद, सुरक्षा बलों ने कठुआ के सान्याल बेल्ट के एक वन क्षेत्र में उनसे मुठभेड़ की, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए और बाकी भागने में सफल रहे। इस गोलीबारी के दौरान चार पुलिसकर्मी भी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। जंगल में छिपे आतंकवादियों के अपने ठिकाने बदलने के बाद, सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ने के लिए एक बहु-एजेंसी अभियान शुरू किया है। सोमवार की सुबह हवाई निगरानी और खोजी कुत्तों की तैनाती के साथ तलाशी अभियान तेज कर दिया गया, जो रात में एक नई मुठभेड़ में परिणत हुआ। सूत्रों ने सोमवार देर रात बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि जंगलों में छिपे तीन आतंकवादी भाग न सकें, रात भर घेराबंदी की गई।

पुलिस डीआईजी शिव कुमार शर्मा ने कहा कि सेना हमारे साथ है और सभी लोग एक टीम के रूप में मिलकर तलाशी अभियान चला रहे हैं। हमारे पास अंतरराष्ट्रीय सीमा है और लोग बहुत सतर्क हैं और हमें जानकारी देते हैं, जिस पर हम कार्रवाई करते हैं।

इसके अलावा डीआईजी शर्मा ने कहा कि बल दुखी जरूर हैं क्योंकि उन्होंने कठुआ मुठभेड़ में अपने चार जवान खो दिए हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जवानों की ट्रेनिंग बहुत अच्छी है और उनका मनोबल वाकई बहुत ऊंचा है। अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र को हाई अलर्ट पर रखा है तथा संभावित खतरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी है। इससे पहले कठुआ क्षेत्र में आतंकवाद निरोधी अभियान सफियां के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस के चार जवान शहीद हो गए, जबकि दो आतंकवादी भी मारे गए।

उत्तराखंड में बदले गए कई जगहों के नाम

मियांवाला का नाम रामजीवाला, गाजीवाली होगा आर्यनगर

देहरादून, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल और उधम सिंह नगर जिलों में मौजूद कई जगहों के नाम बदलने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नामकरण जनभावना और भारतीय संस्कृति और विरासत के तहत किया जा रहा है। जिससे लोग भारतीय संस्कृति और इसके संरक्षण में योगदान देने वाले महापुरुषों से प्रेरणा ले सकें।

भगवानपुर ब्लॉक के औरंगजेबपुर का नाम बदलकर शिवाजी नगर कर दिया गया है। वहीं बहादराबाद ब्लॉक के गाजीवाली का नाम आर्य नगर हो गया है। चांदपुर काना ज्योतिबाफुले नगर, नारसन ब्लॉक के मोहम्मदपुर जट का नाम मो-हनपुर जट कर दिया गया है। साथ ही, खानपुर कुर्सली का नाम बदलकर आंबेडकर नगर, खानपुर ब्लॉक के इदरीशपुर का नाम नंदपुर हो गया है। खानपुर का नाम कृष्णपुर और अकबरपुर फाजल-पुर का नाम विजयनगर कर दिया गया है।

अब बात देहरादून जिले की करें तो यहां पर भी कई जगहों के नामों में बदलाव किया गया है। सबसे पहले तो देहरादून नगर निगम के मियांवाला का नाम रामजीवाला किया गया है। साथ ही विकासनगर ब्लॉक का पीरवाला का नाम केसरी नगर हो गया है। चांदपुर खुर्द का नाम पृथ्वीराज नगर हो चुका है। सहसपुर ब्लॉक के अब्दुल्लापुर का नाम दक्षनगर हो गया है।

नैनीताल में नवाबी रोड का नाम बदलकर अटल मार्ग किया गया है। पनचक्की में आईटीआई मार्ग का नाम गुरु गोवलकर मार्ग हो गया है। वहीं बात अब अगर ऊधम सिंह नगर जिले की करें तो यहां पर नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी का नाम कौशल्या पुरी हो गया है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता यह सुनिश्चित करेगी कि मुस्लिम बहनें हलाला और शिद्दत जैसी बुरी प्रथाओं का शिकार न हों और महिलाओं को उत्तराधिकार और संपत्ति के अधिकार में किसी भी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ नहीं है।

इसका उद्देश्य समाज की कुरीतियों को खत्म करके समरसता और समानता स्थापित करना है। इस संहिता में किसी भी धर्म की मान्यताओं को खत्म नहीं किया गया है।

चुनाव आयोग का राजनीतिक दलों के साथ सबसे बड़ा 'जुड़ाव अभियान'

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
चुनाव आयोग (ईसी) ने 'जुड़ाव' अभियान के तहत पूरे देश में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी' (सीईओ) के स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ 4719 बैठकें आयोजित कीं जिसमें राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

यह जानकारी मंगलवार को निर्वाचन आयोग ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

विज्ञप्ति के अनुसार, 25 दिनों की अवधि में और 31 मार्च 2025 तक, कुल 4,719 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें सीईओ द्वारा 40 बैठकें, डीईओ द्वारा 800 बैठकें और ईआरओ द्वारा 3,879 बैठकें शामिल हैं, जिसमें पूरे देश के राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

सरकारी संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड के दावे का मामला

ब्यौरा भेजने में कोताही कर रहा जिला प्रशासन

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
शासन ने जिलों से इन अवैध वक्फ संपत्तियों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। अब तक जिलों से ब्यौरे न मिल पाने से संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। स्थानीय जिला प्रशासन वक्फ के तौर पर दर्ज सरकारी संपत्तियों का विस्तृत ब्योरा मुख्यालय को नहीं भेज रहा है। पूरे प्रदेश में यही स्थिति है। इस पर शासन ने सख्त रुख अपनाया है। रिमाइंडर भेजने के बावजूद मामले में तेजी नहीं दिखाई जा रही है। इसलिए अब कार्रवाई की तैयारी है। प्रदेश में कुल 57792 सरकारी संपत्तियां हैं, जो वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में अवैध रूप से वक्फ संपत्तियों के रूप में दर्ज हैं। इनका कुल रकबा 11712 एकड़ है। नियमानुसार, इन संपत्तियों को वक्फ (दान) किया ही नहीं जा सकता था। ये संपत्तियां करीब-करीब सभी जिलों में हैं। हालांकि, वक्फ के नाम पर सबसे ज्यादा शाहजहांपुर, रामपुर, अयोध्या, जौनपुर व बरेली में सरकारी संपत्तियां कब्जाई गई हैं।

शासन ने जिलों से इन अवैध वक्फ संपत्तियों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। मसलन, ये संपत्तियां संबंधित जिले में किस लोकेशन पर हैं। इनके उपयोग की प्रकृति क्या है। अवैध कब्जेदारों के नाम क्या हैं। साथ ही गलत ढंग से खतौनी में नाम दर्ज करवाने के पीछे किन सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों का हाथ रहा है, जिनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

शासन के उच्चपदस्थ अधिकारी ने कहा, सूचना मांगे दो माह से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अब तक प्रतापगढ़ समेत सिर्फ दो जिलों ने ही सूचना भेजी है। पर, इन दोनों जिलों ने सभी सूचनाओं के जवाब में शून्य लिखकर भेज दिया है। यानी उनके यहां इस तरह की कोई संपत्ति ही नहीं है। लेकिन, शासन के पास पुख्ता जानकारी है कि इन दो जिलों से आई सूचना सही नहीं है। इसलिए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने पर भी विचार चल रहा है।

बंगाल में पटाखा विस्फोट में एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत

कोलकाता, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के एक घर में पटाखा विस्फोट में तीन बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये।

पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि हादसे में मारे गये सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य थे। पुलिस ने सोमवार रात हुए विस्फोट की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

विस्फोट एक बानिक परिवार के घर में हुआ, जो सालों से पटाखा निर्माण का काम करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, घर में कुल 11 सदस्य रहते थे, जिनमें से चार सदस्य अब भी लापता हैं।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से रसोई गैस सिलिंडर में विस्फोट के कारण आग लगने के संकेत मिले हैं।

अभिनेत्री के अलावा बेहतरीन पेंटर भी हैं मुनमुन सेन

जैमिनी रॉय से सीखी थी चित्रकारी

किसी ने सही कहा है, 'एक कलाकार के अंदर, सौ कलाकार होते हैं...'। ये लाइन सुचित्रा सेन और दीबानाथ सेन के घर 28 मार्च 1954 को जन्मीं बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री मुनमुन सेन पर ठीक बैठती है। ठीक इसलिए क्योंकि वह न केवल मंझी हुई अभिनेत्री हैं, बल्कि बेहतरीन चित्रकार भी हैं, और यह गुर उन्होंने जैमिनी रॉय से सीखा था।

मुनमुन सेन का जन्म कोलकाता में बंगाली अभिनेत्री सुचित्रा सेन और दीबानाथ सेन के घर हुआ था। उनके पिता की गिनती कोलकाता के सबसे धनी व्यापारियों में की जाती थी। मुनमुन का बचपन जितना शाही था, शादी के बाद और भी शाही बन गया।

कलाकार मां के गुण उनमें थे और वह अदाकारी में रुचि रखती थीं। हालांकि, यह काफी कम लोगों को पता है कि मुनमुन एक बेहतरीन चित्रकार भी हैं और उन्होंने बचपन में देश के महानतम कलाकारों में से एक जैमिनी रॉय से चित्रकारी सीखी थी। मुनमुन को पेंटिंग और प्राचीन वस्तुओं का संग्रह करना पसंद है और उनकी इसी पसंद ने उन्हें कैनवास पर रंगों के छींटे देने के लिए मजबूर कर दिया।

पुरानी चीजों को संभालकर अपने घरों में रखने वाली अभिनेत्री आज भी कई पेंटिंग को अपने घर में सहेजकर रखा है।मुनमुन बतौर शिक्षिका स्कूल में पढ़ा भी चुकी हैं। वह अंग्रेजी विषय के साथ बच्चों को चित्रकारी भी सिखाया करती थीं।मुनमुन सेन की पहली फिल्म मां बनने के बाद आई थी। उन्होंने 1984 में आई फिल्म 'अंदर बाहर' से करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में उनके साथ अनिल कपूर और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिकाओं में थे।

एक्शन फिल्म 'अंदर बहार' का निर्देशन राज एन. सिप्पी ने किया और निर्माण रोमू सिप्पी ने किया था। यह फिल्म 1982 की हॉलीवुड फिल्म '48 ऑवर्स' का रीमेक है। मुनमुन सेन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ के साथ फिल्म में डैनी डेन्जोंगपा और गुलशन ग्रोवर भी हैं।फिल्म का संगीत आर.डी. बर्मन ने तैयार किया था। गीत गुलशन बावरा ने लिखे थे। शैलेन्द्र सिंह, सुरेश वाडकर और आशा भोसले ने गीतों को आवाज दी थी।

पहली ही फिल्म में बोल्ड सीन देकर छाने वाली अभिनेत्री के खूब चर्चे हुए। मुनमुन हिंदी के साथ ही बांग्ला, कन्नड़, तमिल, मलयालम, मराठी समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह कई टीवी शोज में भी काम कर चुकी हैं।

कपिल शर्मा का फैंस को तोहफा

फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 का पोस्टर रिलीज

दूल्हा बन हंसाने को तैयार कॉमेडी किंग

कॉमेडियन से एक्टर बने कपिल शर्मा ने आज ईद के मौके पर अपने फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। कपिल शर्मा ने अपनी मोस्ट अवेटेड कॉमेडी ड्रामा किस किस को प्यार करूं 2 से अपना लुक शेयर कर दिया है। फिल्म के नए पोस्टर में कपिल शर्मा दूल्हेराजा बने दिख रहे हैं।

दूल्हे के लुक में कपिल शर्मा हैरान-परेशान दिख रहे हैं। वहीं, कपिल घूंघट ओढ़े अपनी दुल्हनिया के साथ दिख रहे हैं। किस किस को करूं 2 में कपिल की दुल्हनिया कौन बनने जा रही है, यह तो घूंघट उठने के बाद ही पता चलेगा।कपिल शर्मा और मनजोत सिंह स्टारर फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 एक शानदार कॉमेडी फिल्म होने जा रही है। फिल्म के पहले भाग में कपिल ने अपने दर्शकों खूब हंसाया था। अब फिल्म के दूसरे पार्ट में उनके फर्स्ट लुक ने शोर मचा दिया है। अब फैंस को उम्मीद है कि कपिल धीरे-धीरे फिल्म से जुड़ी अपडेट दे सकते हैं। फिल्म का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। रतन जैन, गणेश जैन, अब्बास-मस्तान वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के अब्बास-मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के कोलैब से फिल्म किस किस को प्यार करूं 2 को प्रोड्यूस कर रहे हैं।किस किस को प्यार करूं 2 से आए कपिल शर्मा के फर्स्ट लुक पर उनके फैंस के रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं। एक फैन ने लिखा है, क्या इस फिल्म में की एक ही पत्नी होगी?।

दूसरा फैन लिखता है, आपकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार है कपिल पाजी। तीसरा फैन लिखता है, वाह अब और भी मजा आने वाला है। एक फैन ने पूछा है, कपिल जी इस फिल्म में आप कितनी शादियां करने जा रहे हैं। कपिल के नटखट फैन ने पूछा है- घूंघट में कौन हैं? फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट का एलान नहीं किया है।

सरदार 2 से कार्थी की पहली झलक दिखी, देश को बड़े खतरे से बचाने निकले अभिनेता

साउथ स्टार कार्ति की मच अवेटेड फिल्म सरदार 2 के मेकर्स ने ईद मौके पर फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। मेकर्स ने सफल जासूसी फिल्म के अगले भाग का आज फर्स्ट लुक और टीजर वीडियो जारी कर दिया गया है। इस फिल्म के जरिए कार्ति एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने आ रहे हैं। सरदार 2 के मेकर्स ने के मौके पर कार्ति के फैंस का दिन बना दिया है। मेकर्स ने फिल्म का एक टीजर वीडियो जारी किया है, जिसे प्रोलॉग वीडियो बताया है। लगभग तीन मिनट लंबे इस वीडियो में कार्ति जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरूआत में चीनी सेना दिखती चीनी सेना एक व्यक्ति से पूछती है कि क्या डेलीगेट अभी भी अंदर है? व्यक्ति कहता है हां, दरवाजा बंद हुए एक घंटा हो चुका है। जिसके बाद सेना दरवाजे को तोड़ने का प्रयास करने लगती है। वहीं दरवाजे के अंदर तलवारों से युद्ध चल रहा है। जिसमें एक पर सबसे पहले कार्ति की झलक दिखती है।उसके बाद कार्ति दरवाजे के अंदर तलवार लेकर एक्शन करते नजर आते हैं। काफी एक्शन के बाद एक व्यक्ति कार्ति से पूछता है तुम कौन शैतान हो और मुझसे क्या चाहते हो? इसके बाद वो व्यक्ति कार्ति के ऊपर हमला करता है, वो उससे बच जाते हैं। इसके बाद कार्ति का पूरा लुक सामने आता है और वो व्यक्ति कार्ति को देखकर कहता है सरदार। बाद में वो व्यक्ति सरदार से कहता है कि तुम्हारे देश की ओर एक बड़ी प्रलय आ रही है। जिसे कोई नहीं रोक पाया है। पूरी की खुफिया एजेंसियां उसके पीछे पड़ी हैं। ब्लैक डैगर आ रहा है। इसके साथ ही एसजे सूर्या के किरदार की दमदार तरीके से एंट्री होती है। वहीं सरदार उस व्यक्ति से कहता है कि हमारे देश में एक कहावत है कि जब युद्ध हम पर हावी होता है, हम की परवाह नहीं करते। इसके बाद कार्ति उस व्यक्ति को मार देता है। फिल्म में एसजे सूर्या खूंखार विलेन ब्लैक डैगर के किरदार में हैं। इस वीडियो से ये पता चलता है कि फिल्म की कहानी जासूस सरदार के ब्लैक डैगर को हराने और देश को बचाने के मिशन इर्द-गिर्द घूमेगी।इस टीजर वीडियो से पहले मेकर्स ने सरदार 2 का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें कार्ति हाथों में तलवार लिए काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे थे। इस फर्स्ट लुक को देखकर ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए थे। लेकिन इसके कुछ ही देर बाद मेकर्स लगभग तीन मिनट लंबा प्रोलॉग वीडियो जारी कर दिया। जिसके बाद फैंस अब फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

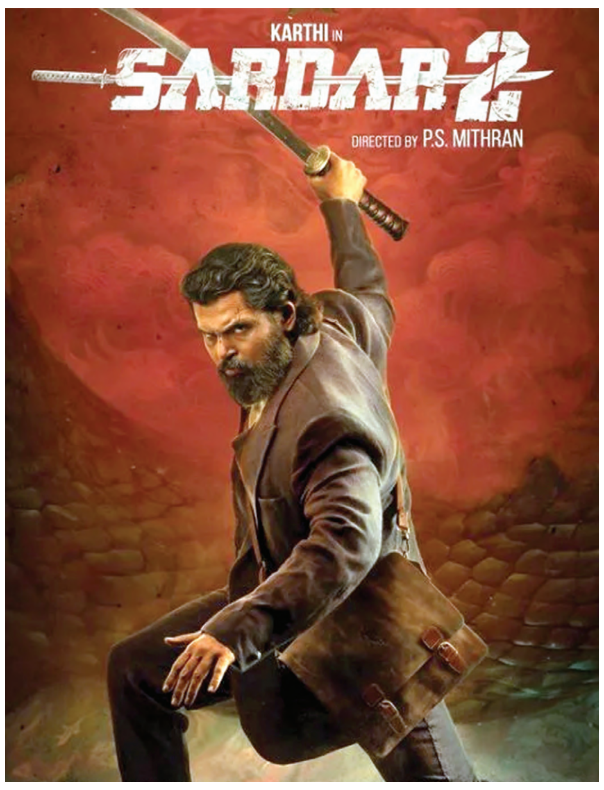

सीमाओं से आगे निकलकर चुनौती भरी भूमिका निभाना करता है उत्साहित : हेली शाह

हाल ही में रिलीज हुई सीरीज ज्यादा मत उड़ में कर रहीं लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री हेली शाह का कहना है कि अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना उन्हें और अधिक उत्साहित करता है।ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण ज्यादा मत उड़ चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कर रहे युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।उन्होंने बताया, एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती जो एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं।शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इनकार करती है।अपने पहले निभाए गए पारंपरिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और हमेशा का सामना करने के लिए तैयार रहती हैं।उन्होंने कहा, ज्यादा मत उड़ में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा है, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इनकार करती है। वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी होती है मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है।हेली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 8वीं कक्षा में शो गुलाल से की थी। इसके बाद वह 2011 के शो दीया और बाती हम में नजर आईं।इसके उन्होंने अलक्ष्मी - हमारी सुपर बहू में अलक्ष्मी का किरदार निभाया। बाद में वह खेलती है जिंदगी आंख मिचौली में अमी के किरदार में दिखी थीं। इसके बाद वह सोनी पल के शो खुशियों की गुल्लक आशी में नजर आईं।स्वरागिनी में हेली ने स्वरा माहेश्वरी का किरदार निभाया था। में शाह झलक दिखला जा के सीजन 9 में दिखी थीं। अभिनेत्री को बाद में देवांशी, सूफियाना प्यार मेरा, ये रिश्ते हैं प्यार के और इश्क में मरजावां 2 जैसे कई अन्य शो में देखा गया।

नेपाल की खूबसूरत हसीना अदिति बुधाथोकी पर चढ़ा हॉटनेस का खुमार

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा अपने लेटेस्ट ग्लैमरस और हॉट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में अदिति ने पर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में वो एथनिक लुक में कहर बरपा रही हैं।एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी नेपाल की मशहूर एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही अक्सर तबाही मचाती मचाता रहता है।अब हाल ही में ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं।अदिति ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका लुक इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है।कानों में झुमके, बालों को कर्ली लुक में ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने कातिल निगाहों से पोज देती सोशल मीडिया पर खंजर चलाती हुई नजर आ रही हैं।अदिति बुधाथोकी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

सर्व सौभाग्यदायिनी माँ विंध्यवासिनी

माँ विंध्यवासिनी सर्व सौभाग्य को प्रदान करने वाली परम कल्याणकारी सौभाग्यस्वरुपा देवी के रुप में पूजनीय है इनकी आराधना का फल अतुलनीय माना गया है। माँ विंध्यवासिनी का दरबार परम जाग्रत शक्तिपीठों में से एक है। कहा जाता है कि मातेश्वरी विंध्यवासिनी के इस दरबार में जो भी श्रद्धालु श्रद्धा एवं भक्ति पूर्वक मां के दर्शन करता है,वह मां कल्याणी देवी विंध्यवासिनी की कृपा से परम कल्याण का भागी बन कर दुर्लभ मुक्ति को प्राप्त करता है। कलिकाल में इनकी आराधना हर एक के लिए अनिवार्य बताई गई है। साधक जनों का मानना है कि किसी भी साधना को शुरू करने से पूर्व यदि मां विंध्यवासिनी की आराधना भक्ति व उनका आशीर्वाद प्राप्त नहीं किया तो उसका पूर्णरूपेण फल प्राप्त नहीं होता है। यही कारण है किसी भी देवी व देवता की कृपा प्राप्त करने से पूर्व इनकी कृपा व आशीर्वाद प्राप्त करना सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। शक्तिपीठों में शिरोमणि मां का यह दरबार ऊंचे स्थान पर लाल ध्वजा फहराता बड़ा ही मनोहारी व भव्य है। विंध्याचल में यह देवी तीनों रूपों में विराजमान यहां देवी के तीन प्रमुख मंदिर हैं पहला विंध्यवासिनी जिन्हें भक्तजन कौशिकी देवी के नाम से भी पुकारते हैं, दूसरा मंदिर मातेश्वरी महाकाली और तीसरा अष्टभुजा मंदिर है अर्थात यहां देवी के तीन रूपों के दर्शन का सौभाग्य भक्तों को प्राप्त होता है।

अनेक पुराणों में विंध्य क्षेत्र का शब्दों में वर्णन किया गया है। देश के प्रमुख 108 शक्तिपीठों में इस पीठ की गणना होती है। जगत का कल्याण करने वाले भगवान विन्ध्येश्वर महादेव का मंदिर भी विंध्याचल क्षेत्र में ही है ।विंध्याचल की पहाड़ियों में कल कल धुन में नृत्य करती माँ गंगा के पवित्र पावन में यह स्थान जगत माता की ओर से भक्तजनों को अद्धितीय भेंट है। यहां का सौंदर्य बरबस ही आगंतुकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। त्रिकोण यंत्र पर स्थित विंध्याचल निवासिनी देवी की तीन रूपों महालक्ष्मी, महाकाली तथा महासरस्वती के रुप में पूजा होती है। त्रिकोण यात्रा के रूप विंध्य पर्वत की यात्रा समस्त मनोरथ को पूर्ण करनेवाली यात्रा कहीं गई है। यहाँ पर स्थित विंध्यवासिनी माता मधु तथा कैटभ नामक महादैत्यों का नाश करने वाली देवी के रूप में भी पूजित है। कहा जाता है कि जो मनुष्य इस स्थान पर तपस्या करता है, उसे उसकी तपस्या फल शीघ्र प्राप्त होता है। यही कारण है कि विभिन्न देवी-देवताओं के साधक, उपासक सबसे पहले माँ विंध्यवासिनी की ही साधना करते हैं। मां का यह दरबार आदि अनादि से रहित माना गया है। अर्थात इस क्षेत्र का अस्तित्व सदैव जागृत रहता है। इनका स्मरण समस्त संकल्पों की सिद्धि सुंदर स्वरूप प्रदान करने वाला कहा गया है। ब्रह्म जी इनकी शक्ति से ही सृष्टि उत्पन्न करते हैं, विष्णु जी पालन, और शंकर जी संहार। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है, कि यहां तीन किलोमीटर के दायरे में तीन प्रमुख देवियां विराजमान हैं। ऐसा माना जाता है कि तीनों देवियों दर्शन किए बिना विंध्याचल की यात्रा अधूरी मानी जाती है। तीनों के केन्द्र में मां विंध्यवासिनी का वास है। गंगा नदी के पावन तट पर स्थित मां विंध्यवासिनी का दरबार पुरातन काल से परम पूजनीय है यह मंदिर बस्ती के मध्य एक ऊंचे सुनहरे स्थान पर है। मंदिर में भगवती सुन्दर स्वरूप में विराजमान है मन्दिर के पश्चिम भाग में एक सुनहरा आंगन है, जिसके समीप मां की एक सुंदर मूर्ति है। समीप ही दूसरे मंडप में खपरेश्वर महादेव विराजमान है।

यहीं दक्षिण दिशा में माता महाकाली की मूर्ति है, और उत्तर दिशा में धर्म ध्वजा देवी विराजमान विंध्याचल क्षेत्र में ही माता सीता के चरण चिन्ह के दर्शन होते है। यहाँ के काली खोह नामक स्थान पर माँ काली के परम भक्त भैरव बाबा का मन्दिर है। कुछ ही दूरी पर अष्टभुजा देवी के दर्शन होते हैं, खासतौर से अष्टभुजा देवी की पूजा भक्तजन माता सरस्वती रूप में करते हैं। विंध्यवासिनी माता की महिमा अपरंपार है। कहा जाता है, द्वापर युग में जब देवकी और वासुदेव की कन्या को कंस ने पत्थर पर पटका तो यह देवी अदृश्य होकर आकाश में अष्टभुजा के रूप में प्रकट हुई तथा उसके बाद विंध्याचल पर्वत पर विराजमान होकर हुई। योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की बहिन अर्थात् कृष्णानुजा कही जाने वाली इस देवी की कृपा जिस पर हो जाए वह सहज में ही योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की कृपा का पात्र बन जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी द्वारा स्थापित माता मंगला देवी का मंदिर भी इसी क्षेत्र है। हनुमान मंदिर, शीतला मंदिर, सतसागर सहित अनेक महातीर्थ यहां की पावन भूमि पर स्थित है।

माँ पीताम्बरी के परम उपासक सत्य साधक श्री विजेंद्र पांडे गुरु कहते हैं, कि इनकी आराधना के बिना कोई भी साधना सफल नहीं होती है। इसलिए किसी भी देवी या देवता को अपना मानने से पूर्व या उसके बाद सर्वप्रथम माँ विंध्यवासिनी की 31 दिन तक उनके पावन मंत्रों से साधना करनी चाहिए इनकी साधना के बाद साधक का जीवन अपने इष्ट के प्रति अचल निष्ठा को प्राप्त होता है। शुम्भ और निशुम्भ दैत्यों का वध करने वाली माता विन्ध्यवासिनी का पूजन, चरित्र श्रवण, सर्वसौभाग्य को प्रदान करने वाला कहा गया है।

श्रीमद्देवी भागवत महापुराण के दशम स्कंध में माता विंध्यवासिनी का बड़ा ही सुंदर वर्णन आता है। योगेश्वर भगवान श्री नारायण ने अपने श्री मुख से श्री नारद जी को विंध्यवासिनी देवी के चरित्र का वर्णन सुनाया। पापों का शमन वाली माँ विंध्यवासिनी मनु की आराध्या देवी भी कही गई हैं। इन्ही की कृपा से मनु ने अपने राज्य को निष्कंटक चलाकर दुर्लभ मुक्ति को प्राप्त किया। माँ विंध्यवासिनी के साथ-साथ विंध्याचल पर्वत का भी देवी भागवत में वर्णन आता है। कहा जाता है कि एक बार विंध्य पर्वत मन में यह अहंकार उत्पन्न हो गया था, कि वह सुमेर गिरी के प्रताप को अपने बल से धूमिल कर देगा। क्योंकि सूर्य सभी ग्रह नक्षत्र समूहों से युक्त होकर सुमेरु पर्वत की सदा परिक्रमा करते रहते हैं, सुमेरु के कारण मेरा प्रताप फीका पड़ गया है, अहंकार में विंध्य पर्वत ने अपने शिखरों को बढ़ाकर सूर्य का मार्ग अवरुद्ध कर दिया इससे तीनों लोकों में हाहाकार मच गया। सभी देवगण भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

भगवान शिव ने इस समस्या के निदान के लिए सभी देवताओं को विष्णु की शरण में भेजा और देवताओं द्वारा भगवान के विभिन्न अवतारों की सुंदर स्तुति की। महायज्ञस्वरूपधारी, मत्स्यरूपधारी, कूर्मरूपधारी, वराहरूपधारी, नृसिंहरूपधारी, वामनरूपधारी, परशुरामरूपधारी, श्रीरामरूपधारी, श्रीकृष्णरूपधारी, बौद्धरूपधारी, कल्किरूपधारी सहित प्रभु के अनेक स्वरूपों की देवताओं द्वारा श्रद्धा व भक्ति के साथ स्तुति की गई। स्तुति से प्रसन्न भगवान विष्णु ने देवताओं को अगस्त्य ऋषि की शरण में भेजा तथा कि महर्षि अगस्त्य ही विंध्य पर्वत के अहंकार को नष्ट करके समस्त विघ्नों को दूर करेंगे। इस प्रकार अगस्त जी के पास पहुंचकर देवताओं ने श्रद्धापूर्वक उनसे प्रार्थना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर अगस्त्य ऋषि ने विंध्य पर्वत का अहम और वहम दूर किया। सूर्य भगवान का मार्ग हुआ। पर्वत की वृद्धि को रोककर स्वयं अगस्त्य ऋषि ने अपनी तपस्या पुनः आरम्भ की। देवी ने अपने अनेक स्वरूपों के साथ इस पर्वत पर अपना बसेरा किया मनु ने इस देवी की आराधना की और जगत में विंध्य पर्वत पर स्थित यह देवी मां विंध्यवासिनी के नाम से हुई। इनका स्मरण, चिंतन एवं इनका दर्शन समस्त सिद्धियों को प्रदान करने वाला कहा गया है।

– रमाकांत पंत

नवरात्रि अलग-अलग प्रसाद से माता होगी प्रसन्न

नवरात्रि का पर्व देवी शक्ति मां दुर्गा की उपासना का उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी शक्ति के नौ अलग-अलग रूप की पूजा-आराधना की जाती है। एक वर्ष में चार बार नवरात्र आते हैं चैत्र, आषाढ़, माघ और शारदीय नवरात्र। इनमें और अश्विन यानि शारदीय नवरात्रि को ही मुख्य माना गया है। इसके अलावा आषाढ़ और माघ गुप्त नवरात्रि होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा तिथि से ही नया हिंदू वर्ष प्रारंभ हो जाता हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 मार्च को शाम 4:27 पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 30 मार्च को दोपहर 12:49 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार इस साल चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से शुरू होगी और इसका 06 अप्रैल को होगा। तिथि मतांतर से इस बार चैत्र नवरात्रि आठ दिनों के रहेंगे। खास बात यह है कि महापर्व के दौरान चार दिन रवियोग तथा तीन दिन सर्वार्थसिद्धि योग का संयोग रहेगा।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था। ऐसे में माता के भक्त पूरे 9 दिनों तक माता की पूजा-अर्चना करके मां को प्रसन्न करना चाहते हैं। क्या आप जानते हैं इन नौ दिनों में हर दिन माता को अलग-अलग चीजों का भोग लगाने का विधान बताया गया है। नवरात्र की 9 देवियां अलग-अलग 9 शक्तियों का प्रतीक मानी जाती हैं। अगर आप भी इन नौ दिनों में माता को प्रसन्न करके अपनी हर मुराद झट पूरी कर लेना चाहते हैं तो नवरात्रि में हर दिन के हिसाब से माता को लगाएं उनकी पसंद का भोग।

चैत्र नवरात्रि की तिथियां

30 मार्च - नवरात्रि प्रतिपदा- मां शैलपुत्री पूजा और घटस्थापना

31 मार्च - नवरात्रि द्वितीया- मां ब्रह्मचारिणी पूजा तृतीया- मां चंद्रघंटा पूजा

01 अप्रैल - चतुर्थी- मां कुष्मांडा पूजा

02 अप्रैल - नवरात्रि पंचमी- मां स्कंदमाता पूजा

03 अप्रैल - नवरात्रि षष्ठी- मां कात्यायनी पूजा

04 अप्रैल - नवरात्रि सप्तमी- मां कालरात्रि पूजा

05 अप्रैल - नवरात्रि अष्टमी- मां महागौरी

06 अप्रैल - नवरात्रि नवमी- मां सिद्धिदात्री , रामनवमी

किस दिन किस माता को लगाया जाता है किस चीज का भोग।

पहला दिन- मां शैलपुत्री

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। मां शैलपुत्री को आरोग्य की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि कोई व्यक्ति नवरात्रि के दिन गाय के शुद्ध देसी घी का भोग माता को लगाता है तो मां शैलपुत्री की कृपा से व्यक्ति को निरोग और खुश रहने का वरदान मिलता है।

दूसरा दिन- मां ब्रह्मचारिणी

जो लोग मां ब्रह्मचारिणी से अपने लिए का वरदान चाहते हैं उन्हें नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर का भोग लगाना चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर का भोग लगाने से माना जाता है कि व्यक्ति को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

तीसरा दिन- मां चंद्रघंटा

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा को दूध दूध से बनी चीज़ों का भोग लगाया जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन के हर दुख समाप्त जाते हैं।

चौथा दिन- मां कूष्मांडा

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। मां कूष्मांडा को मालपुए का भोग लगाने की परंपरा है। ऐसा भी कहा है कि इस दिन ब्राह्मणों को मालपुए खिलाने चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि का विकास होता है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

पांचवां दिन- मां स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवे दिन स्कंदमाता की पूजा होती है। नवरात्र के दिन मां स्कंदमाता को केले का भोग लगाया जाता है। स्कंदमाता की पूजा करने से आजीवन आरोग्य रहने का वरदान मिलता है।

छठां दिन- मां कात्यायनी

नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाने से आकर्षण का आशीर्वाद मिलता है।

सातवां दिन- मां कालरात्रि

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजी की जाती है। इस दिन माता को गुड़ का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि गुड़ का भोग लगाने से आकस्मिक संकट से रक्षा होती है।

आठवें दिन- मां महागौरी

नवरात्रि के आठवें दिन महागौरी की पूजा की जाती है। इस दिन लोग कन्या पूजन भी करते हैं। इस दिन महागौरी की पूजा करते समय माता को नारियल का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से संतान से जुड़ी समस्याएं दूर होती

नौवां दिन- मां सिद्धिदात्री

नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। इस दिन माता को तिल का भोग लगाते हैं। जिन लोगों को आकस्मिक मृत्यु का भय होता है वो मां सिद्धिदात्री की पूजा करते हैं।

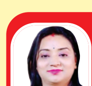

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

मां पार्वती ने क्यों लिया स्कंदमाता का रूप?

इस बार नवरात्र की चतुर्थी और पंचमी तिथि की पूजा एक ही दिन की जाएगी। इनके स्वरूप की करें, तो भगवान स्कंद बालरूप में माता की गोद में बैठे हुए हैं। देवी की चार भुजाएं हैं, जिसमें से दाहिनी ऊपरी भुजा में भगवान स्कंद को गोद में पकड़े हैं और दाहिनी निचली भुजा में कमल पकड़ा हुआ है। माता स्कंद को गौरी, माहेश्वरी, पार्वती और उमा के से भी जाना जाता है। नवरात्र के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा-अर्चना द्वारा उनकी कृपा प्राप्त की जाती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि स्कंदमाता की विधिवत रूप से पूजा-अर्चना करने से निसंतान व्यक्ति को संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। तो चलिए पढ़ते हैं की उपासना के मंत्र।

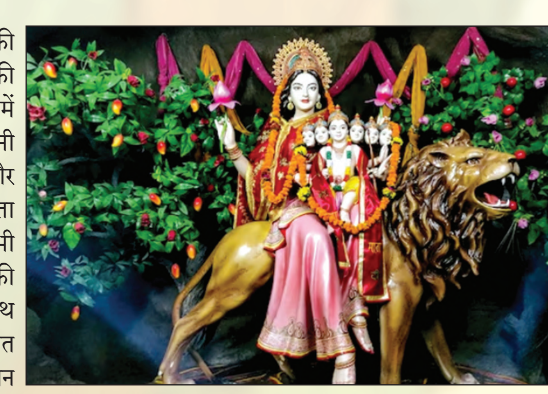

क्यों लिया स्कंदमाता का रूप

प्राचीन कथा के अनुसार तारकासुर नामक एक राक्षस को ब्रह्मा जी से यह वरदान प्राप्त था कि उनकी मृत्यु केवल शिव जी की संतान के हाथों ही होगी। तारकासुर का आतंक अत्यधिक बढ़ गया था। इस में मां पार्वती ने स्कंदमाता का रूप धारण किया और अपने पुत्र स्कंद अर्थात कार्तिकेय को युद्ध के लिए तैयार करने लगी। स्कंदमाता से युद्ध की शिक्षा प्राप्त करने के बाद कार्तिकेय जी ने तारकासुर का संहार किया।

मां स्कंदमाता के मंत्र

स्कंदमाता का ध्यान - वंदे वांछित कामार्थे
सिंहरूढ़ा चतुर्भुजा स्कंदमाता यशस्वनीम्।।
धवलवर्णा विशुद्ध चक्रस्थितों पंचम दुर्गा त्रिनेत्रम्।
अभय पद्म युग्म करां दक्षिण उरू पुत्रधराम् भजेम्।।
पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानांलकार भूषिताम्।
मंजीर, हार, केयूर, किंकिणि रत्नकुण्डल धारिणीम्।।
प्रफुल्ल वंदना पल्लवांधरा कांत कपोला पीन पयोधराम्।
कमनीया लावण्या चारू त्रिवली नितम्बनीम्।।
देवी स्कंदमाता कवच-
ऐं बीजालिंका देवी पदयुग्मधरापरा।
हृदयम् सा देवी कार्तिकेययुता।।
श्री हीं हुं ऐं देवी पर्वस्या पातु सर्वदा।
सर्वाङ्ग में सदा पातु स्कन्दमाता पुत्रप्रदा।।
वाणवाणामृते हुं फट् बीज समन्विता।
उत्तरस्या तथाग्ने च वारुणे नैऋतेअवतु।।
इन्द्राणी भैरवी चैवासिताङ्गी च संहारिणी।
सर्वदा पातु मां देवी चान्यान्यासु हि दिक्षु वै।।

कन्या पूजन में दें ये उपहार, माता रानी देंगी सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

हिंदू धर्म में कन्याओं को मां दुर्गा का ही स्वरूप माना गया है। यही कारण है कि नवरात्र की अष्टमी व नवमी तिथि पर घर पर कन्याओं को आमंत्रित करके उन्हें भोजन करवाया जाता है और कुछ-न-कुछ उपहार या धन दिया जाता माना जाता है कि ऐसा करने से साधक को मां दुर्गा का आशीर्वाद मिलता है।

दे सकते हैं ये चीजें

आप कन्याओं को शृंगार का सामान जैसे चूड़ी, बिंदी, लाल रंग की चुनरी आदि दे सकते हैं। कंजक के दौरान आप कन्याओं को पढ़ाई-लिखाई से संबंधित सामान जैसे पेंसिल, आदि दे सकते हैं। इसी के साथ कन्याओं को धार्मिक पुस्तकें और धन आदि भी दिया जा सकता है। इन सभी चीजों को कन्या पूजन में देने से माता रानी प्रसन्न होती हैं और साधक पर अपनी दया दृष्टि बनाए रखती हैं।

न दें ऐसे उपहार

कुछ ऐसी चीजें बताई गई हैं, जिन्हें भूल से भी कन्या पूजन के दौरान कंजक को नहीं देना चाहिए, वरना माता रानी नाराज हो सकती हैं। घर आई कन्याओं को कभी भी कांच से बनी चीजें या फिर नुकीली चीजें नहीं देनी चाहिए।

इसी के साथ कंजक को काले वस्त्र या काले के रुमाल आदि भी न दें। ऐसा करना अशुभ माना जाता है। साथ ही छोटी कन्याओं को स्टील के बर्तन या प्लास्टिक की चीजें जैसे लंच बॉक्स आदि उपहार के रूप में देना भी शुभ नहीं माना जाता।

विदा करने से पहले करें ये काम

घर से कन्याओं को करने से पहले उनके पैर छूएं और आशीर्वाद लें। इसके बाद कन्याओं को माता रानी के जयकारे लगाते हुए विदा करें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि कन्याओं को विदा करने के तुरंत बाद घर की साफ-सफाई न करें। अगर आप इस सब बातों का ध्यान हैं, तो इससे आपको कन्या पूजन का पूर्ण फल मिलता है।

कल से इन राशियों के जीवन में होगा नया सवेरा, खुशियों से भर जाएगा जीवन

अप्रैल महीना सभी राशियों के लिए शानदार रहने वाला है। इस महीने में चैत्र के दौरान कई ग्रह अपनी चाल बदलेंगे। इसके साथ ही मंगल देव राशि परिवर्तन करेंगे। इसके बाद सूर्य देव मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। 03 अप्रैल को खरमास समाप्त होगा। इससे पहले ग्रहों के राजकुमार बुध देव भी अपनी चाल बदलेंगे। बुध देव की स्थिति से कई राशि के जातकों के जीवन में नया सवेरा होगा। इन राशि के जातकों को कारोबार में विशेष लाभ होगा। साथ ही रुका हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है।

कन्या राशि – व्यापार के दाता बुध देव कन्या राशि के जातकों को शुभ फल देते हैं। बुध देव कृपा से कन्या राशि के जातक कारोबार में बेहतर करते हैं। इस राशि के जातक स्वर्ण, वस्त्र और रसायन क्षेत्र से जुड़े कारोबारी को दोगुना लाभ हो सकता है। कारोबार में तेजी से नए पार्टनर भी मिल सकते हैं। आप कई कारोबार को एक साथ जोड़कर अच्छी कमाई कर हैं। बुध देव की अवश्य ही कृपा बरसेगी। जॉब करने वाले लोगों को भी मनमुताबिक सफलता मिल सकती है। हालांकि, आपको अपनी स्किल में निखार लाना होगा। भगवान गणेश की पूजा करें। साथ ही गौमाता को हर बुधवार और गुरुवार के दिन हरा चारा खिलाएं।

कुंभ राशि – बुध देव कृपा कुंभ राशि के जातकों पर भी बरसेगी। वर्तमान समय में शुक्र देव और शनिदेव की असीम कृपा से कुंभ राशि के जातकों को बिजनेस में अपार सफलता मिल रही है। वहीं, जॉब में प्रमोशन मिल सकता है। वेतन में भी बढ़ोतरी हो सकती है। नए को शुरू करने की प्लानिंग कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए घर के बड़े लोगों की अवश्य ही सलाह लें। भावनाओं में बहकर कोई फैसले न लें। विशेष विद्या के माध्यम से भी भूमि या भवन की खरीदारी कर सकते हैं। हर सोमवार और शनिवार के दिन देवों के महादेव की पूजा करें।

मीन राशि – शुक्र देव हमेशा मीन राशि के जातकों को शुभ फल देते हैं। इस राशि में कई ग्रह विराजमान हैं। इसके चलते लक्ष्मी नारायण योग भी बन रहा है। लक्ष्मी नारायण योग बनने से मीन राशि के जातकों को लाभ मिलेगा। अचानक से धन होगा। फ्यूचर की प्लानिंग कर सकते हैं। अटके या रुके काम बन सकते हैं। कारोबार में गति आ सकती है। करियर को नया आयाम मिल सकता है। जॉब में नया ऑफर मिल सकता है। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। दूरदर्शी होकर जीवन के फैसले लें। शुक्र देव की से भाग्योदय होगा। वहीं, बुध देव की मेहरबानी से आप किसी बड़े काम को करने में सफल होंगे।

संपादकीय

संघ के संस्कारों का सवाल

यह आरएसएस का शताब्दी-वर्ष है। करीब 24 साल बाद भारत के प्रधानमंत्री संघ मुख्यालय गए। पहले वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी संघ मुख्यालय गए थे। अब मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी नागपुर मुख्यालय गए। भाजपा के दोनों ही प्रधानमंत्री आरएसएस प्रचारक थे, उनकी राजनीतिक-सामाजिक-वैचारिक जड़ें संघ से ही जुड़ी थीं, लिहाजा संघ की शरण में जाना स्वाभाविक है। ऐसी व्याख्याएं गलत और भ्रामक हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को कोई चुनौती है या भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कोई विरोधाभास हैं अथवा संघ भाजपा से कुछ मुद्दों पर नाराज है, लिहाजा संबंधों में तनाव है। भाजपा संघ का ही एक मातृ संगठन है, लिहाजा निर्देश और संस्कार संघवाले ही हैं। उन्हें चुनौती नहीं दी जा सकती या उनका विरोध करने का दुस्साहस संभव नहीं है। संघ और भाजपा के संबंध एक विराट परिवार सरीखे हैं। वे आपस में विमर्श करते हैं और फिर एक साझा निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। करीब 90 फीसदी नेता और कार्यकर्ता आरएसएस की पृष्ठभूमि के होते हैं, जो बाद में भाजपा के लिए काम करते हैं। आरएसएस में करीब 60 लाख स्वयंसेवक हैं। उन्हीं में से प्रचारक बनते हैं। जिन्हें भाजपा में भेजा जाता है, वहां वे सांसद, मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बन सकते हैं। 1951 में जब 'जनसंघ' का गठन किया गया था, तब पार्टी प्रमुख डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अटल बिहारी वाजपेयी, सुंदर सिंह भंडारी, दीन दयाल उपाध्याय सरीखे चेहरों को आरएसएस से ही मांगा था। दरअसल आज हम संघ के स्तुतिगान के पक्ष में नहीं हैं और न ही इतिहास बताना चाहते हैं। कुछ संवेदनशील और राष्ट्रीय चेतना के स्तर के मुद्दे हैं, जो संघ के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बंधुत्व, हिंदुत्व, एकता-अखंडता, सेवा-संस्कार और सामाजिकता के बिल्कुल विलोम हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में संघ को महान, अक्षय और आधुनिक 'वटवृक्ष' माना है, लेकिन दूसरी तरफ झारखंड के हजारीबाग में भाजपा सांसद मनीष जायसवाल ने सरेआम तलवारें, लाठियां और डंडे कार्यकर्ताओं और समर्थकों में बांटे हैं। दरअसल बहुसंख्यक सांप्रदायिकता बेहद खतरनाक और हिंसक होती है, लिहाजा सांसद का यह कारनामा अक्षम्य है। दलील दी गई कि ये 'राम नवमी' त्योहार के उपलक्ष्य में बांटे गए हैं। प्रभु श्रीराम के नाम पर किसी पर्व या समारोह के लिए 'हथियार' कब बांटे गए हैं? क्या सनातन की भी ऐसी कोई परंपरा है? एक संकेत मिलता है कि भाजपा सांसद ने 'राम नवमी' की शोभा-यात्रा के दौरान किसी संभावित उपद्रव या हमले के मद्देनजर अपनी फौज तैयार की है। हजारीबाग में ही 'मंगला जुलूस' पर पथराव किया गया था। ऐसे पथराव बंगाल, बेंगलुरु, कानपुर, अलीगढ़ आदि शहरों में भी होते रहे हैं। क्या देश भर में भाजपा की ऐसी फौज तैयार और तैनात की जा सकती है? क्या आरएसएस के बुनियादी संस्कार और विचार यही हैं? सरेआम तलवारें बांटी गईं और नेतृत्व बिल्कुल खामोश है। क्या उसी की खामोश सहमति रही है? अब यह नाजुक दौर है, जब संघ और भाजपा नेतृत्व को देश के सामने साफ करना चाहिए कि क्या उनका विचार और संस्कार हिंदू बनाम मुसलमान का ही है?

पहले वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी संघ मुख्यालय गए थे। अब मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी नागपुर मुख्यालय गए। भाजपा के दोनों ही प्रधानमंत्री आरएसएस प्रचारक थे, उनकी राजनीतिक-सामाजिक-वैचारिक जड़ें संघ से ही जुड़ी थीं, लिहाजा संघ की शरण में जाना स्वाभाविक है। ऐसी व्याख्याएं गलत और भ्रामक हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को कोई चुनौती है या भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कोई विरोधाभास हैं अथवा संघ भाजपा से कुछ मुद्दों पर नाराज है, लिहाजा संबंधों में तनाव है। भाजपा संघ का ही एक मातृ संगठन है, लिहाजा निर्देश और संस्कार संघवाले ही हैं। उन्हें चुनौती नहीं दी जा सकती या उनका विरोध करने का दुस्साहस संभव नहीं है। संघ और भाजपा के संबंध एक विराट परिवार सरीखे हैं। वे आपस में विमर्श करते हैं और फिर एक साझा निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। करीब 90 फीसदी नेता और कार्यकर्ता आरएसएस की पृष्ठभूमि के होते हैं, जो बाद में भाजपा के लिए काम करते हैं। आरएसएस में करीब 60 लाख स्वयंसेवक हैं। उन्हीं में से प्रचारक बनते हैं। जिन्हें भाजपा में भेजा जाता है, वहां वे सांसद, मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बन सकते हैं। 1951 में जब 'जनसंघ' का गठन किया गया था, तब पार्टी प्रमुख डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अटल बिहारी वाजपेयी, सुंदर सिंह भंडारी, दीन दयाल उपाध्याय सरीखे चेहरों को आरएसएस से ही मांगा था। दरअसल आज हम संघ के स्तुतिगान के पक्ष में नहीं हैं और न ही इतिहास बताना चाहते हैं। कुछ संवेदनशील और राष्ट्रीय चेतना के स्तर के मुद्दे हैं, जो संघ के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बंधुत्व, हिंदुत्व, एकता-अखंडता, सेवा-संस्कार और सामाजिकता के बिल्कुल विलोम हैं।

कांग्रेस मुस्लिमों को धर्म आधारित आरक्षण देने का तुश्टिकरण से जुड़ा खेल निरंतर खेलती आ रही है

मुस्लिम आरक्षण का खेल खेलती कांग्रेस

प्रमोद भार्गव

भाजपा सांसदों ने इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस पर संविधान बदलने का आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जो संवैधानिक पद पर बैठे हैं, कह रहे हैं कि पार्टी संविधान बदलकर मुस्लिमों को आरक्षण देगी। दरअसल कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री डीके षिवकुमार ने कहा है कि मुस्लिमों का ठेकों में चार प्रतिषत आरक्षण बरकरार रखने के लिए जरूरत पड़ी तो संविधान में भी बदलाव करेंगे। रिजिजू ने इस मुद्दे को बारी-बारी से संसद के दोनों सदनों में उठाया। इसे लेकर भारी हंगामा हुआ। इस मुद्दे का समर्थन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि 'कांग्रेस बाबा साहब आंबेडकर के संविधान को बदलना चाहती है, क्योंकि इसमें साफ लिखा है कि धर्म के आधार पर किसी को भी आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता है।

कर्नाटक में मुसलमानों को सार्वजनिक ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर संसद में भारी हंगामा हुआ। भाजपा सांसदों ने इस मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस पर संविधान बदलने का आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जो संवैधानिक पद पर बैठे हैं, कह रहे हैं कि पार्टी संविधान बदलकर मुस्लिमों को आरक्षण देगी। दरअसल कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में उपमुख्यमंत्री डीके षिवकुमार ने कहा है कि मुस्लिमों का ठेकों में चार प्रतिषत आरक्षण बरकरार रखने के लिए जरूरत पड़ी तो संविधान में भी बदलाव करेंगे। रिजिजू ने इस मुद्दे को बारी-बारी से संसद के दोनों सदनों में उठाया। इसे लेकर भारी हंगामा हुआ। इस मुद्दे का समर्थन करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि 'कांग्रेस बाबा साहब आंबेडकर के संविधान को बदलना चाहती है, क्योंकि इसमें साफ लिखा है कि धर्म के आधार पर किसी को भी आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता है। परंतु कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ऐसा करने जा रही है। संविधान बदलने का बयान संवैधानिक पद पर बैठे ऐसे व्यक्ति ने दिया है, जिसे हल्के से नहीं लिया जा सकता है।' यही नहीं कर्नाटक में कांग्रेस के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार ने ओबीसी, एससी और एसटी के युवाओं का हक मारकर मुसलमानों को 4.5 प्रतिषत आरक्षण देने का काम किया था। जबकि हमारे संविधान में धर्म आधारित आरक्षण की कोई जगह नहीं है। अतएव इस तरह के प्रयास संविधान निर्माताओं की देषहित से जुड़ी इच्छाओं के विरुद्ध हैं। बावजूद कांग्रेस मुस्लिमों को धर्म आधारित आरक्षण देने का तुश्टिकरण से जुड़ा खेल निरंतर खेलती आ रही है। कांग्रेस की सोच हमेशा से तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति की रही है। 2004 से 2010 के बीच में कांग्रेस ने चार बार आंध्रप्रदेष में मुस्लिम आरक्षण लागू करने की कोशिश की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वे अपने मंसूबे पूरे नहीं कर पाए? दरअसल यह कांग्रेस का 'पायलट प्रोजेक्ट' था, जिसे कांग्रेस पूरे देश में आजमाना चाहती थी। अल्पसंख्यक बनाम मुस्लिमों को पिछड़ों, दलित और आदिवासियों के संविधान में निर्धारित कोटा के अंतर्गत 4.5 प्रतिशत आरक्षण देने की केंद्र सरकार की मंशा हमेषा रही है। लेकिन न्यायालय के हस्तक्षेप के चलते इस

मंषा को पलीता लगता रहा है। इस आरक्षण को लेकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के बाद देष की सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए आंध्रप्रदेष उच्च न्यायालय के फैसले के विरुद्ध दायर आपील को खरीज कर दिया था। केंद्र सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश चाहती थी। इस मंशा के विपरीत कोर्ट ने सरकार से यह और स्पष्ट करने को कहा था कि वह बताए की उसने किस आधार पर अल्पसंख्यकों को 4.5 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया? कोर्ट ने यह भी कहा था कि क्या इस तरह कोटे में उप कोटा आरक्षित करने का सिलसिला चलता रहेगा? दरअसल आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने धर्म के आधार पर' आरक्षण का लाभ संविधान के विरुद्ध बताया था। दिसम्बर 2011 के बाद से शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन केंद्र सरकार ने कुटिल चतुराई से ओबीसी के कोटे में खासतौर से मुस्लिमों को लुभाने के लिए 4.5 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान कर दिया था। इसे आंध्र उच्च न्यायालय ने अस्वीकारते हुए साफ किया था कि कोटा के अंतर्गत उप कोटा दिए जाने का प्रावधान अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए दिया गया है। इसे कानूनी रूप देते हुए कहा गया है कि 'अल्पसंख्यकों से संबंधित' और 'अल्पसंखयकों के लिए' जैसे वाक्यों का जो प्रयोग किया गया है वह असंगत है, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। इस फैसले का व्यापक असर होना तय था। क्योंकि यह प्रावधान आईआईटी जैसे केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में भी लागू हो गया था। बहरहाल न्यायालय के फैसले के बाद कांग्रेस का मुस्लिमों को लुभाने वाले नुस्खे पर पानी फिर गया था। वंचित समुदाय वह चाहे अल्पसंख्यक हों अथवा गरीब सवर्ण, उनको बेहतरी के उचित अवसर देना लाजिमी है, क्योंकि किसी भी बदहाली की सूरत, अल्पसंख्यक अथवा जातिवादी चश्मे से नहीं सुधारी जा सकती? खाद्य की उपलब्धता से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं, उनको हासिल करना मौजूदा दौर में केवल पूंजी और शिक्षा से ही संभव है। ऐसे में आरक्षण के सरोकारों के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अपरिहार्य योग्यता के दायरे में न आ पाने के कारण उपेक्षित ही रहेंगे। अलबत्ता आरक्षण का सारा लाभ वे बटोर ले जाएंगे जो आर्थिक रूप से पहले से ही सक्षम हैं और जिनके बच्चे पब्लिक स्कूलों से पढ़े हैं। इसलिए इस संदर्भ में मुसलमानों और भाषायी अल्पसंख्यकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की वकालात करने वाली रंगनाथ मिश्र आयोग की रिर्पाट के भी कोई बुनियादी मायने नहीं रह गए थे? यह रिपोर्ट भी मुसलमानों को संवैधानिक प्रावधानों में आरक्षण जैसे विकल्प खोलने के लिए तैयार कराई गई थी। संविधान के अनुच्छेद 15 के अनुसार धर्म, जाति, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर राष्ट्र किसी भी नागरिक के साथ पक्षपात नहीं कर सकता। इस दृष्टि से संविधान में विरोधाभास भी हैं। संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950 जिसे प्रेसिडेंशियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में अन्य धर्म समुदायों के दलित और हिंदू दलितों के बीच एक स्पष्ट विभाजक रेखा है, जो समता और सामाजिक न्याय में भेद करती है। इसी तारतम्य में पिछले पचास सालों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान संघर्षरत रहते हुए हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते चले आ रहे हैं। रंगनाथ मिश्र की रिपोर्ट इसी भेद को दूर करने की पैरवी करती है। वर्तमान समय में मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई और बौद्ध ही अल्पसंख्यक दायरे में आते हैं। जबकि जैन, बहाई और कुछ दूसरे धर्म-समुदाय भी अल्पसंख्यक दर्जा हासिल करना चाहते हैं। लेकिन जैन समुदाय केन्द्र द्वारा अधिसूचित सूची में नहीं है। इसमें भाषाई अल्पसंख्यकों को अधिसूचित किया गया है, धार्मिक अल्पसंख्यकों को नहीं। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक माना गया है।

दृष्टि कोण

शहरी विकास के लिए चेतावनी है यह भूकंप

म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के ताकतवर भूकंप ने 1700 से भी ज्यादा लोगों की जान ले ली और 2500 से भी ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप के प्रभाव में आकर जिस तरह से बहुमंजिला इमारतें ढहीं, सडक़ें, पुल और बांध टूटे, बिजली और इंटरनेट सेवाएं ठप हो गईं, यह प्रकृति की एक ऐसी नजीर है, जो बढ़ते शहरीकरण के लिए चेतावनी है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आए कुछ पलों के झटकों ने ही दुनिया के इस सुंदर शहर को थर्रा दिया। इसी बीच अमेरिका की भूगर्भीय सर्वेक्षण एजेंसी ने आशंका जताई है कि मरने वालों की संख्या 10 हजार से भी अधिक पहुंच सकती है। इस भूकंप के झटके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिम बंगाल में भी अनुभव किए गए। चीन, वियतनाम, ताइवान, लाओस और श्रीलंका में भी भूकंप की तरंगें अनुभव की गईं। याद रहे भारत के भुज में 24 साल पहले आया भूकंप भी 7.7 तीव्रता का था, जिसमें 20 हजार लोगों की मौतें हुई थीं और डेढ़ लाख लोग घायल हुए थे। तीन लाख से ज्यादा घरों को नुकसान हुआ था। म्यांमार का भूकंप काफी उथला था। इस भूकंप का केंद्र भूमि के 10 किमी नीचे था। भूकंप के केंद्र वाला म्यांमार का क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र के रूप में पूर्व से ही चिन्हित है। बावजूद यहां आवास और उद्योगों के लिए आलीशान अट्टालिकाएं खड़ी की जा रही हैं। भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराने का परिणाम इस भूकंप को माना जा रहा है। दिल्ली राजधानी क्षेत्र में 17 फरवरी 2025 की सुबह 5.36 बजे रिक्टर स्केल पर चार तीव्रता वाले भूकंप के झटके और धमाकों जैसी अवाजें सुनी गई थीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र दिल्ली के धौलाकुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किमी की गहराई में था। इस कारण इसकी तीव्रता भूगर्भ में ही कमजोर पड़ गई और सतह पर नहीं आने पाई। बिहार में भी भूकंप के झटके अनुभव किए गए। इसका केंद्र धरती की सतह से 10 किमी नीचे था। इसलिए असर केवल अनुभव हुआ। बावजूद भविष्य में भूकंप का यह संकेत दिल्ली के लिए विनाश की चेतावनी है। क्योंकि दिल्ली, हरिद्वार और महेंद्रगढ़, देहरादून के ऐसे पठारनुमा टीले पर बसा हुआ है, जहां से भूकंप की भ्रंश रेखा गुजरती है। अतएव यहां हमेशा भूकंप का खतरा बना रहता है। यह संकट इसलिए भी है क्योंकि यमुना नदी के मैदानी क्षेत्र में भूमि की परत नरम है। हालांकि इस भूकंप को विवर्तनिक परत (टेक्टोनिक्स प्लेट) में किसी बदलाव के कारण आना नहीं माना गया था। इसके आने का कारण स्थानीय भूगर्भीय विविधता को माना जा रहा है। याद रहे हिमालय के उत्तरी तलहटी में स्थित चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र शिगात्से के निकट तिंगरी काउंटी में 7 जनवरी 2025 को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 126 लोग मारे गए थे। पड़ोसी देश नेपाल और भारत में भी इसके झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र तिंगरी काउंटी में था, जो हिमालय की चोटी माउंट एवरेस्ट क्षेत्र का उत्तरी द्वार माना जाता है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने इस भूकंप की तीव्रता 7.1 आंकी थी। भूकंप से तिब्बत में किसी बांध या जालाशय को हानि नहीं पहुंची थी, गौरतलब है कि भूकंप ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की योजना ने भारत और बांग्लादेश को चिंता में डाल दिया है। क्योंकि यह पूरा क्षेत्र भारत और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों में टकराव के कारण चीन के दक्षिण-पश्चिम हिस्से नेपाल और उत्तर-भारत में अकसर भूकंप आते रहते हैं। भूकंप की चेतावनी संबंधी प्रणालियां अनेक देशों में संचालित हैं लेकिन वह भूगर्भ में हो रही दानवी हलचलों की सटीक जानकारी समय पूर्व देने में लगभग असमर्थ हैं। क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी देने वाले अमेरिका, जापान, भारत, नेपाल, चीन और अन्य देशों में भूकंप आते ही रहते हैं, इसलिए यहां लाख टके का सवाल उठता है कि चांद और मंगल जैसे ग्रहों पर मानव बस्तियां बसाने का सपना और पाताल की गहराइयों को नाप लेने का दावा करने वाले वैज्ञानिक आखिर पृथ्वी के नीचे उत्पात मचा रही हलचलों की जानकारी प्राप्त करने में क्यों असफल हैं, जबकि वैज्ञानिक इस दिशा में लंबे समय से कार्यरत हैं। अमेरिका एवं भारत समेत अनेक देश मौसम व भूगर्भीय हलचल की जानकारी देने वाले उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित कर चुके हैं। दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में मानवीय हस्तक्षेप शामिल है। इसीलिए इस भूकंप को स्थानीय भूगर्भीय विविधता का कारण माना गया है। दरअसल प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन और फिर शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के लिए शैतानी निर्माण से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है।

कुछ अलग

एक महाकुंभी से मुलाकात

यह सुनकर वह हंसते हुए बोले, 'यह बात तुम्हारे जैसा कोई अधार्मिक व्यक्ति ही कर सकता है जिसे भगवान पर भरोसा न हो। यमुना का दूसरा नाम कालिन्दी है। पर राम जी की गंगा कभी मैली नहीं हो सकती। भारत तो जीता भी राम के नाम पर है और चलता भी उसी के नाम पर है। नहीं तो इतने बड़े देश को चलाना किसी आदमी के बस की बात तो नहीं। हां, मोदी जी जैसा युगपुरूष हो तो बात दूसरी है।' मैं उनसे सहमत होते हुए बोला, 'लगता है आप सही कह रहे हैं। ट्रैफिक जाम से परेशान इलाहाबाद दो महीनों तक हांफता रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुधार लाने की दुहाई देते रहे, पर होइहि सोइ जो राम रचि राखा। को करि तर्क बढ़ावै साखा। अस कहि लगे जपन हरिनामा। गईं सती जहं प्रभु सुखधामा। इस ट्रैफिक जाम के कारण एक भी पुलिस कर्मी निलंबित नहीं हुआ। फिर भी एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम वगैरह पर सिर्फ अपनी भड़ास निकालने या स्वान्तः सुखाय के लिए लोग लिख रहे हैं। जबकि सरकार समर्थक कह रहे हैं कि सरकार ने जो किया उतनी तो हमें उम्मीद भी नहीं थी। मुझे लगता था कि माघ महीना खत्म होते ही भीड़ थम जाएगी। छंट जाएगी। पर मैं गलत साबित हुआ। ऐसे में अगर सरकारी आंकड़ों के हिसाब से स्नानार्थियों का धर्म कांटा एक अरब का आंकड़ा छू जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।' वह मेरी बात पर किसी बच्चे की तरह प्रसन्न होते हुए बोले, 'तुम्हें पता नहीं कि तकरीबन डेढ़ सौ साल बाद आने वाले इस महाकुंभ ने पूरे विश्व में किस तरह भारत को गौरवान्वित होने का अवसर दिया है। यहां तक कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी राष्ट्रपति पद के लिए ली गई शपथ के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में भारत के इस महाकुंभ का जिक्र किया। उनका कहना था कि अगर उनके प्रिय मित्र मोदी ने उन्हें गंगा स्नान के लिए भारत आमंत्रित किया होता तो वह अपने स्पेशल प्लेन से प्रयागराज आते और भारत के उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्क को समाप्त कर देते। कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस उम्मीद में बैठे रहे कि मोदी उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए आमंत्रित करेंगे। पर मोदी तो मोदी हैं। वह हर किसी को घास नहीं डालते।' उनकी अखण्ड अंधभक्ति से प्रभावित होते हुए मैंने उनसे पूछा कि झुन्नू जी पुण्य कमाने का इतना बेहतरीन मौका होने के बावजूद कुंभ में ई-रिक्शा, ऑटो या अन्य वाहनों वाले या दुकानदार क्यों श्रद्धालुओं को लूटने में लगे थे। यह सुनकर वह कुछ झेंपे तो सही लेकिन अपने को संभालते हुए बोले, 'घोड़ा अगर घास से दोस्ती करेगा तो खाएगा क्या। भले सरकार कुछ भी दावा करे, पर तुम्हें तो देश की आर्थिकी की सही दशा और दिशा का पता है। अगला महाकुंभ डेढ़ सौ साल बाद आएगा। ऐसे में अगर गरीब लोग ज्यादा दाम वसूल कर कुछ एक्सट्रा कमा लें तो क्या नुकसान है। मेले में आने वाले तो पहले ही लुटने के लिए तैयार आते हैं। पांच रुपए वाला कमला पसंद का पाऊच अगर दस रुपए, दस का समोसा पच्चीस रुपए, बीस रुपए वाली पानी की बोतल पचास रुपए, गंगा जल की पचास रुपए की केन दो सौ रुपए में बिके तो कौनसा आसमान टूट पड़ा। आपदा में अवसर की वकालत तो प्रधानमंत्री भी करते हैं। इसे ही बहती गंगा में हाथ धोना कहते हैं। कोरोना के समय क्या तुमने नहीं देखा कि कुछ सरकारी मुलाजिमों ने किस तरह आपदा में अवसर ढूंढा था।' उनका तर्क सुनकर मुझे लगा कि अंधभक्ति के इस दौर में किसी भी अंधभक्त से जीतना आसान नहीं। चित्त भी उनकी होती है और पट भी। अंटा भी उन्हीं के बाप का है और टकसाल भी।

देश दुनिया से

साजिशों के साए में बेरोजगार युवा

आईपीएल जैसा बेहद महंगा खेल आयोजन कराकर भारत दुनिया को अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था का पैगाम नसर करता है। बेशक भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार कर चुका है। मगर हकीकत यह है कि प्रजातंत्र के भविष्य बेरोजगार युवा वर्ग के सितारे गर्दिश में हैं। बेरोजगारी देश में तशवीशनाक मसला बन चुकी है। बेरोजगारी के अजाब ने शिक्षित वर्ग के युवाओं का आत्मसम्मान व आत्मविश्वास छीन लिए हैं। चूंकि भारत में अक्सर सरकारी रोजगार करने वालों को ही इल्मदार समझा जाता है। सियासी रहनुमाओं को आलिम फाजिल माना जाता है। मुल्क के किसी भी निजाम में तब्दीली लाने की सलाहियत युवा वर्ग में ही है। इंतखाबी दौर में हुक्मरानों को अपनी सियासी बज्म की जीनत बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत युवा वर्ग की ही होती है। सियासी रहनुमाओं को सत्ता के फलक तक पहुंचाने में भी युवा वर्ग का अहम किरदार है। मगर इसे इत्तेफाक कहें या बेरोजगारी की इंतेहा, मसला यह है कि अभिशाप बन चुकी बेरोजगारी की वजह से युवा डिप्रेशन में हैं। नशाखोरी व डंकी रूट के मकडज़ाल में फंस चुके युवाओं के अभिभावक डिप्रेशन में हैं। विदेशों में नौकरी के हसीन ख्वाब दिखाकर युवाओं को फर्जी तरीके से विदेश भेजने का डंकी रूट व कबूतरबाजी जैसा करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार लंबे समय से चल रहा है। ट्रैवल एजेंटों के राडार पर भी युवा हैं। ट्रैवल एजेंटों द्वारा फर्जी तरीके से विदेश भेजे गए ज्यादातर युवा बैरूने मुल्कों की जेलों में कैद हैं। नशा तस्करी के इल्जाम में जेलों में बंद ज्यादातर युवा हैं। युवा छात्रों को डाक्टर, इंजीनियर, आर्मी ऑफिसर, पायलट, जज तथा प्रशासनिक अधिकारी बनाने का ख्वाब दिखाने वाले कोचिंग सेंटरों का देश में हजारों करोड़ रुपए का कारोबार चल रहा है। कोचिंग के नाम पर लाखों रुपए की फीस भरने के बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं में असफलता के बाद अवसाद व डिप्रेशन का शिकार होकर युवा छात्र आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा रहे हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग का साया भी युवा छात्रों का पीछा करता है। शिक्षा के नाम पर देश के हजारों छात्र प्रति वर्ष विदेशी शिक्षण संस्थानों का रुख करते हैं। करोड़ों रुपए की महंगी फीस से विदेशी शिक्षण संस्थानों की अर्थव्यवस्था को गुलजार करने वाले भारतीय छात्र विदेशों में नस्लीय हमलों का शिकार होते हैं। भारतीय मूल के छात्रों तथा विदेशों में काम करने वाले युवाओं की हत्याएं की जाती हैं। दहशतगर्दी को जीवित रखने के लिए आतंक के आकाओं को सबसे ज्यादा जरूरत युवा वर्ग की है। अलगाववाद व चरमपंथ की आग भडक़ाने के लिए भी युवाओं को ही मोहरा बनाया जाता है। हमसाया मुल्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत में अराजकता का माहौल पैदा करने के लिए 'हनी ट्रैप' जैसे मंसूबे के जरिए जासूसी के लिए भारतीय युवाओं को अपने जाल में फंसाती है। हनी ट्रैप एक ऐसी साजिश है जिसमें महिला जासूसों का इस्तेमाल करके देश की कई संवेदनशील जानकारियां हासिल की जाती हैं। हनी ट्रैप के एजेंटों के निशाने पर भी ज्यादातर बेरोजगार युवा हैं। हनी ट्रैप का जाल सोशल मीडिया के जरिए फैलाया जाता है। सोशल मीडिया का सबसे बड़ा शिकार भी युवा वर्ग ही है। कई विभागों के अहलकार व युवा अधिकारी तथा बेरोजगार युवा हनी ट्रैप का शिकार होकर सलाखों के पीछे हैं। समाज में संगीन वारदातों के बढ़ते ग्राफ का सबब भी बेरोजगारी है। अपहरण व कत्ल जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देने के लिए गैंगस्टरों को बेरोजगार युवा शूटरों की जरूरत रहती है। गैंगस्टर व शूटर बनने की कातिलाना ख्वाहिश में मौत से बेपरवाह होकर युवा अपना मुस्तकबिल बर्बाद कर रहे हैं। इंतखाबी दौर में युवाओं के बेहतर मुस्तकबिल के लिए कई वादे किए जाते हैं। लेकिन सियासत का किरदार कभी मुखलिस नहीं होता। इख्तिदार हासिल होने के बाद तर्ज-ए-सियासत का मिजाज बदल जाता है। आम लोगों को हुक्मरानों के दीदार दुर्लभ हो जाते हैं। बेरोजगारी, महंगाई व नशाखोरी जैसे संवेदनशील मसले सियासत के मरकजी मुद्दे बनने चाहिए, मगर जाति-मजहब की तर्जुमानी करने वाली सियासत आक्रांताओं के महिमामंडन व आरक्षण के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकल पा रही। किसान-मजदूर व बेरोजगार युवाओं की आजिजी पर चर्चा नहीं होती। गर्दिश-ए-तकदीर को कोस रहे बेरोजगार युवा महंगाई की मार झेलें, भ्रष्टाचार से

ग्रसित निजाम से निपटें, व्यवस्थाओं की मिन्नतें करें, अपनी डिग्रियां हाथों में पकड़ कर रोजगार कार्यालयों की तवाफ करें, चुनावी वादों पर भरोसा करें या मुकद्दर पर यकीन करें? रोजगार की जुस्तजू में बैरूने मुल्कों में मुहाजिर बनने को मजबूर बेरोजगारों के रंज-ओ-गम को महसूस करने के लिए सियासी नजर-ए-करम की निहायत जरूरत है। डंकी रूट, कबूतरबाजी, ड्रग्स माफिया, दहशतगर्दी, गैंगस्टरों व हनी ट्रैप जैसे फ्रॉड तथा चरमपंथी ताकतों का नेटवर्क बेरोजगार युवाओं की तलाश करता है। नशाखोरी, डंकी रूट व हनी ट्रैप जैसे षड्यंत्रों ने सैकड़ों बेरोजगार युवाओं को अपराधियों की फेहरिस्त में शामिल कर दिया है। साजिशों के साथ तमाम तोहमतें भी बेरोजगारों का ही पीछा करती हैं। आरोपियों को गुनाहगार के नजरिए से देखा जाता है। हमारे मुल्क का अदालती निजाम अंग्रेजों द्वारा बनाया गया है। अदालतों में आरोपियों को बेगुनाह साबित होने में मुद्दतें गुजर जाती हैं। ताजिरात-ए-हिंद के पैरोकार व कानूनी दावपेंच में माहिर आईन के मुनाजिरों से इंसाफ की आस में अभिभावकों की चश्म-ए-पलक की रौशनी छिन जाती है। न्याय की देवी के मंदिरों की चौखट पर तारीख पे तारीख मिलती है। जम्हूरियत की पंचायतों के सेशन हंगामों की भेंट चढ़ जाते हैं। सियासी निजाम से आश्वासन मिलते हैं। अतः राष्ट्र के बेशकीमती सरमाया युवा वेग की ऊर्जावान ताकत की पैरवी करनी होगी। समाज को अपराधमुक्त बनाने के लिए युवा वर्ग को रोजगार मुहैया कराकर स्वावलंबी बनाने के प्रयास होने चाहिए। नशाखोरी से हटाकर उन्हें खेल की ओर मोडऩा होगा।

आप का नजरिया

एक सदन सडक़ पर

बस सडक़ पर, ड्राइवर सडक़ पर और 40 स्कूली बच्चों से भरी बस हादसे की ओर निकल पड़ी, लेकिन ऊपरी शिमला के एक छात्र आदित्य मेहता ने ब्रेक लगाकर प्रदेश की हर सुर्खी बटोर ली। इस क्षमता, दिमागी स्फूर्ति, चैतन्य भाव, बहादुरी का अंदाज और कुछ कर दिखाने का जज्बा अंततः एक ऐसी अनुकरणीय कहानी लिख गया, जो किसी पाठ्यक्रम से संभव नहीं। उधर सदन में चारित्रिक खोट निकालने की प्रवृत्ति ने भाषा ईजाद कर ली, लेकिन सफर पर निकले हिमाचल को अंततः सडक़ पर ही पटक दिया जा रहा है। हम आर्थिक संसाधनों की खराब बस पर अनियंत्रित खर्च की कहानी में ब्रेक लगाना भूल गए। क्या इसी बस पर सवार जनता अनिश्चित-असुरक्षित सफर को किसी दिशा में ले जाने के लिए अपनी अपेक्षाएं बदल पाएगी। हम व्यवस्था को कोसते हैं, लेकिन इसी व्यवस्था को नोचते हैं। हमारे सोच और विकास का दायरा, घोषणाओं की चाटुकारिता में यह भूल गया कि राज्य के हर पहलू में हमें हकीकत को अंगीकार करके प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। इसी परिप्रेक्ष्य में देखें तो सियासत के दरवाजे इतने बढ़ गए कि हिमाचली अस्तित्व की बस अपनी ही हवाओं का शिकार हो गई। सदन में कई बार जो बोलता, सडक़ पर नहीं सुनता और जहां सडक़ बोल रही है, सदन की कार्यवाही नहीं सुन रही। बीबीएन के कुछ युवाओं ने मुंडन करवा लिया। मुंडवा दिए सिर के बाल ताकि खबर हो, लेकिन शंका यह कि खबर होगी नहीं। बीबीएन की सडक़ें खराब हैं। वाहनों की ही नहीं, यात्रियों की भी चूलें हिल जाती हैं, छोटे से सफर पर। कई मांग पत्र लिखे गए, दरख्वास्तें बनी होंगी, लेकिन सफर पर निकले महकमे और बजट से निकले अर्थ को फुर्सत नहीं कि कुछ सुना जाए। ऐसे में अगर व्यवस्था मुंडन से जागने लगे, तो हजामत में कृत्रिम गंजापन हमारी वकालत हो जाएगा। हम चाहते हैं हर कुछ, हमारे सिर की खातिर हो जाए, लेकिन नागरिक अपेक्षाओं के सिर-धड़ की बाजी अब मुंडन संस्कार के आक्रोश तक पहुंच गई। मुंडन तो हिमाचल को भी करवाना पड़ रहा है। विधानसभा का पूरा सत्र और सत्र के बाहर विपक्ष का गुस्सा सिर्फ इसी बात पर निकल गया कि राज्य के 'बाल' आखिर काटे किसने। ये कौनसी शक्तियां हैं जो पहाड़ों को समतल बना पा रही हैं और यह कौनसी सडक़ है, जहां से हर दिन एक साथ कई नई जेसीबी मशीनें अपने प्रतिज्ञा पत्र के साथ हिमाचल की हजामत करने आ रही हैं। आश्चर्य होता है कि सदन में मंत्री महोदय के पास आंकड़े होते हैं कि प्रदेश में कृषि और फलोत्पादन बढ़ गया या ग्रामीण आर्थिकी तरक्की कर गई, मगर बाहर सडक़ पर बाहरी प्रदेशों से उपभोक्ता वस्तुओं से लदे ट्रकों की कतार बिना ब्रेक के आ रही है। प्लेट पर रखी ब्रेड, तबे पर चपाती का आटा और कुकर में पक रही बासमती का झाड़ हमारे खेत से तो नहीं आया। हमारे खेत में तो रोज बंदर आता है, वह उगते हर दाने और मूली को उखाड़ हमीं से पूछता है, 'तुम किस खेत की मूली हो।' हमारा खेत अगर मूली के भी काबिल नहीं, तो आवारा पशुओं की बढ़ती तादाद के मायने क्या हैं। हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और प्रदेश के कई अन्य जिलों का किसान अब अपने खेत से नहीं, मुफ्त के राशन से अपना पेट भर पा रहा है, तो किस्सा किस सदन से सुनें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बदलती परिस्थितियों के कारण आप नई रणनीति चुनेंगे. आपकी छवि में निखार आएगा. भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. आप में से कुछ के जीवन में प्रेम प्रवेश कर सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अच्छी प्लानिंग और सोच–विचार के उपयोग से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं. आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. स्टूडेंट्स को सफलता मिल सकती है. धन लाभ के भी योग बन रहे हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल हो सकते हैं. आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज निजी मामलों में आपके विचारों को आसपास के लोगों का समर्थन मिलेगा. मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नई नौकरी या बिजनेस की रूपरेखा आज बन सकती है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप लगातार सिरदर्द और कुछ अन्य बीमारियों के कारण पीड़ित हो सकते हैं. आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. चूंकि आपको चोटों का खतरा है, इसलिए वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऑफिस में आज आप कई मामलों में सफल हो सकते हैं. करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा. आज बच्चे पार्क में खेलने जा सकते हैं. आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. जीवनसाथी के साथ कहीं हील स्टेशन पर घूमने की प्लांनिग कर सकते हैं. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच–समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी तथा घर–परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पठन–पाठन व लेखन के काम में मन लगेगा. काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है. पको आपके काम के लिए सराहा जाएगा, इससे आपको बहुत खुशी होगी. आपको कोई इनाम भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

इस समय आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं. आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. सप्ताह के मध्य भाग में बेकार की यात्राओं से बचें और घर परिवार का ख्याल रखें. स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बहुत धैर्य और नियमितता के साथ आपने जो मेहनत की थी, उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. साथ के लोगों का ध्यान आप पर रहेगा. ऑफिस में कोई नई चीज सीखने का मौका आपको मिल सकता है.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलेगा. कोर्ट–कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मीन राशि वालों की आय में वृद्धि होगी. सौंदर्य से संबंधित वस्तुओं पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी में ओजस्विता के चलते जैसी सफलता चाहें हासिल करें, आज व्यापारी हैं तो और अच्छा लाभ मिलेगा. किसी नई जगह पर भी जाने के योग हैं.

आज का पंचांग

दिनांक : 02 अप्रैल 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 11:52 तक
नक्षत्र : कृतिका प्रातः 08:50 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 02:49 तक
करण : बव दोपहर 01:10 तक
चन्द्र राशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : स्कन्द माता पूजनम् , कल्पादि तिथि, खरमास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नववर्ष में सीएम भजनलाल की कार्मिकों को सौगात

महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत वृद्धि को दी मंजूरी

अब मिलेगा 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता, 12 लाख 40 हजार कार्मिक एवं पेंशनर्स होंगे लाभान्वित

जयपुर,01 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष विक्रम संवत (2082) एवं नवीन वित्तीय वर्ष 2025-26 के अवसर पर राज्य कार्मिकों को महंगाई भत्ते में प्रतिशत वृद्धि की सौगात दी है। पेंशनर्स को भी महंगाई राहत में 2 प्रतिशत वृद्धि देय होगी। उल्लेखनीय है कि गत शुक्रवार को केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्रीय कार्मिकों के डीए में बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद पहले कार्यदिवस पर ही मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिना देरी राज्य में भी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के अनुरूप महंगाई भत्ता अथवा मंहगाई राहत में वृद्धि को मंजूरी प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को इस संबंध में वित्त विभाग के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। अब प्रदेश में सातवें वेतनमान के अंतर्गत राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को 1 2025 से 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता अथवा मंहगाई राहत देय होगी। इस निर्णय का लाभ लगभग 8 लाख कर्मचारियों एवं 4.40 लाख पेंशनर्स को मिलेगा। पंचायत समिति तथा जिला परिषद के कर्मचारियों को भी इस वृद्धि का लाभ मिलेगा।

कर्मचारियों को मई 2025 में देय 2025 के वेतन से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का नकद भुगतान किया जाएगा तथा दिनांक 01 जनवरी से 31 मार्च 2025 तक तीन माह की राशि संबंधित कर्मचारियों के सामान्य प्रावधायी निधि खाते में जमा की जाएगी। पेंशनरों को 01 जनवरी, 2025 से महंगाई राहत का नकद भुगतान किया कर्मचारियों और पेंशनरों के हित में लिए गए इस संवेदनशील निर्णय से राज्य सरकार पर लगभग 820 करोड़ रूपए का वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

शाही अंदाज में होगा लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ का गद्दी उत्सव

उदयपुर,01 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में बुधवार को मेवाड़ के पूर्व राज परिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की 'गद्दी उत्सव' का कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान बड़े स्तर पर होने वाले इस कार्यक्रम में कई वीआईपी हस्तियां हिस्सा लेंगी। उदयपुर के सिटी पैलेस में शाही अंदाज में आयोजित वाला यह कार्यक्रम करीब 12 घंटे तक चलेगा। इसमें विभिन्न रस्में निभाई जाएगी। इसके अलावा कई कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। बता दें कि बीते दिनों लक्ष्यराज के पिता श्रीजी हुजूर अरविंद सिंह मेवाड़ का 16 मार्च को निधन हो गया था।

इस दौरान लक्ष्यराज सिंह के गद्दी महोत्सव में बुधवार को 12 घंटे तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें सुबह 9.30 बजे गद्दी उत्सव शुरू होगा। इसमें दोपहर 1.30 बजे तक इसकी कई परंपरा निभाई जाएगी। यह कार्यक्रम उदयपुर के सिटी पैलेस में आयोजित होगा। दोपहर 3.15 बजे पूजन की परंपरा होगी। इसके बाद शाम 4.20 बजे मेवाड़ की परंपरा के अनुसार एकलिंगजी महादेव के दर्शन के लिए जाएंगे। शाम 7 बजे शहर स्थित हाथीपोल गेट पर पूजन कार्यक्रम होगा। रात 8.15 बजे भाईपा और सरदारों की रंग पलटाई दस्तूर का आयोजन होगा। इसके बाद रात 9 लोग जगदीश मंदिर के दर्शन के लिए जाएंगे।

बता दें कि लक्ष्यराज के पिता श्रीजी हुजूर अरविंद सिंह मेवाड़ का 16 मार्च को निधन हो गया था। इसके बाद अब लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की गद्दी उत्सव कार्यक्रम अब आयोजित हो रहा है। इधर, आयोजन के लिए सिटी पैलेस में तैयारियां कर ली गई हैं। इस समारोह में शामिल होने वाले लोगों के लिए ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है। इसके तहत पुरुषों के लिए सफेद कुर्ता-पायजामा और महिलाओं के लिए सफेद सूट या पारपरिक सफेद पोशाक निर्धारित की गई है।

खान विभाग के इतिहास में किसी एक वित्तीय वर्ष का

अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण का बनाया नया कीर्तिमान

जयपुर,01 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के खान विभाग ने वर्ष 2024-25 में 9202 करोड़ 50 लाख रु. का राजस्व अर्जित कर ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रमुख शासन सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आरंभिक के अनुसार खान विभाग ने 23.35 फीसदी की विकास दर के साथ गत वित्तीय वर्ष से 1742 करोड़ 02 लाख रुपए अधिक राजस्व संग्रहित किया है। उन्होंने बताया कि यह खान विभाग के इतिहास में किसी एक वित्तीय वर्ष का अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण है।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य के खान विभाग ने प्रबंधकीय दक्षता व समन्वित प्रयासों का परिचय देते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्व संग्रहण सहित माइनिंग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की है। राज्य में इसी वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक प्रधान व अप्रधान खनिज ब्लॉकों प्लाटों की नीलामी, नई खनिज नीति, नई एम-सेंड नीति के साथ ही राइजिंग राजस्थान के दौरान खनिज क्षेत्र में निवेश करार हुए हैं। व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के साथ ही सरलीकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में खान विभाग द्वारा 7460 करोड़ 48 लाख का राजस्व संग्रहित किया गया था।

रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जो स्वंय खान मंत्री भी है के नेतृत्व व मार्गदर्शन में खान विभाग योजनावद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान देष में पहले पायदान पर आ गया है वहीं राजस्व विकास दर में भी संभवतः राजस्थान देश में पहले स्थान पर आ गया है। उन्होंने बताया कि समन्वित प्रयास, नियमित मोनेटरिंग और राजस्व छीजत रोकने के कदम से राजस्व अर्जन में बढ़ोतरी हो सकी है। उन्होंने विभाग की उपलब्धि पर मुख्यालय से लेकर फील्ड स्तर तक के सभी और कार्मिकों को बधाई दी है।

राजस्थान हाउस में इटालियन नहीं, राजस्थानी स्थापत्य कला की दिखे झलक: दिया कुमारी

जयुपर,01 अप्रैल (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित प्रदेश की सड़क एवं विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए है कि दिल्ली में निर्माणाधीन राजस्थान हाउस में राजस्थानी स्थापत्य और कला की जीवन्त तस्वीर दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में वहां सुस्त काम हुआ और इटालियन सामग्री ज़्यादा दिखाई दे रही थी।इसमें राजस्थानी सामग्री का अधिकतम उपयोग होना चाहिए, क्योंकि यह इटली का राजस्थान का हाउस है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के नाम से देश की राजधानी में बनने वाले भवन में राजस्थान की सभी महत्वपूर्ण कलाओं, राजस्थान की निर्माण सामग्रियों का उपयोग करके एक ऐसा भवन बनाया जा रहा है, जो देश और विदेश से आने वाले लोगों में प्रदेश की की अमिट छाप छोड़े।

उपमुख्यमंत्री मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित प्रदेश की सड़क एवं विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने एनएचएआई की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए 200 फिट बाईपास सहित, जयपुर शहर की ट्रैफिक समस्या के समाधान हेतू कार्ययोजना बनाने एवं उसे लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में चल रही विभिन्न रिंग रोड़ परियोजनाओं, ब्लैक स्पाट्स का निराकरण, दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस वे, अमृतसर-जामनगर इकोनोमिक कोरीडोर आदि की भी उन्होंने बिन्दुवार समीक्षा की।

किसानों को बड़ी राहत

खरीफ-2024 में वितरित अल्पकालीन फसली ऋणों की भुगतान तिथि बढ़ाई

जयपुर,01 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए खरीफ-2024 में वितरित अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋणों की अदायगी तिथि आगे बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है। राज्य सरकार के इस निर्णय से 2.19 लाख से अधिक किसान लाभान्वित

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि इस सम्बन्ध में वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा पैक्स/लैम्प्स के माध्यम से खरीफ-2024 में ऋण प्राप्त करने वाले किसान अब 30 जून, 2025 अथवा ऋण लेने की दिनांक से 12 माह, भी पहले हो, ऋण राशि चुका सकेंगे। पूर्व में ऋण चुकाने की अवधि 31 मार्च, 2025 निर्धारित थी, जिसे आगे बढ़ाने की मांग की जा रही थी। राज्य सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए किसानों को बड़ा तोहफा दिया है।

पादरी बजिंदर सिंह को उम्रकैद की सजा

रेप केस में मोहाली कोर्ट ने सुनाया फैसला

चंडीगढ़,01 अप्रैल (एजेंसियां)। येशू-येशू वाले ईसाई धर्मगुरु पादरी बजिंदर सिंह को आज रेप केस में सजा सुनाई गई। मोहाली की जिला अदालत ने बजिंदर को उम्रकैद की सजा सुनाई है। 3 पहले मोहाली कोर्ट ने दोषी करार दिया था। जिसके बाद उसे पटियाला जेल भेज दिया गया था। बता दें कि यह मामला 2018 में जीरकपुर पुलिस थाने में एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि बजिंदर ने उसे विदेश ले जाने का वादा करके बहकाया और मोहाली के सेक्टर 63 स्थित अपने आवास पर उसके साथ बलात्कार किया

और उसका वीडियो भी बना लिया। उसने आरोप लगाया था कि आरोपी ने धमकी दी थी कि अगर वह उसकी मांगें नहीं मानेगी तो वह वीडियो सोशल पर पोस्ट कर देगा।

यह सजा ऐसे समय में दी गई है जब पादरी 28 फरवरी को दर्ज यौन उत्पीड़न के एक अन्य मामले में जांच का सामना कर रहा है। कपूरथला पुलिस ने 22 वर्षीय महिला की ओर से उसके खिलाफ लगाए गए के आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। सिंह ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया था। मोहाली पुलिस ने 25 मार्च को पादरी के खिलाफ मारपीट और अन्य आरोपों में मामला दर्ज किया था। इससे कुछ पहले सोशल मीडिया पर पादरी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह कथित तौर पर एक महिला से बहस कर रहा था और उसे थप्पड़ मार रहा था। वो इस दौरान महिला पर पहले किताब फैंकता है और फिर उसके पास जाकर मारपीट करता है।

हरियाणा में हाइवे पर चलना हुआ महंगा जाने जेब पर कितना पड़ेगा असर?

चंडीगढ़,01 अप्रैल (एजेंसियां)। 1 अप्रैल से हरियाणा के 12 जिलों में टोल दरों वृद्धि हुई है, इसलिए वाहन चालकों को कुल 24 टोल प्लाजा पर अधिक भुगतान करना होगा। टोल टैक्स 5 रुपए से बढ़कर 25 रुपए हो जाने से हाईवे और एक्सप्रेसवे पर यात्रा करना अब महंगा हो गया है। 1 अप्रैल से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण हर साल टोल कीमतों में समायोजन करता है। वाहन चालकों को किसी भी तरह की उलझन से बचाने के लिए इस साल टोल प्लाजा पर नई दरें लगाई गई हैं।

हरियाणा का सबसे महंगा टोल प्लाजा

वाहनों के लिए दोतरफ़ा टोल 560 रुपये है; एकतरफ़ा 375 रुपए है। इस सड़क पर मासिक पास का विकल्प नहीं है। हुमायूंपुर और हसनगढ़ प्लाजा (रोहतक) हरियाणा में सबसे कम खर्च वाला टोल प्लाजा है। वाहनों और जीपों के लिए एकतरफ़ा टोल 30 रुपए है; वाहनों और जीपों के लिए दोतरफ़ा टोल 45 रुपये है।

कितनी और किन जगहों पर टोल बढ़ा है?

- गदपुरी टोल प्लाजा (फरीदाबाद-पलवल हाईवे)
- टोल की दरें पांच रुपए से बढ़कर बीस रुपए गई हैं।
- महीने के पास की कीमत में 10 रुपये की वृद्धि हुई है।
- राष्ट्रीय राजमार्ग 152डी (नारनौल-अंबाला हाईवे)

खेड़की दौला टोल प्लाजा (गुरुग्राम) पर, यहाँ यात्रियों को केवल एकतरफ़ा टोल देना होगा।

टोल दरों में वृद्धि आम जनता को और भी अधिक वित्तीय तनाव महसूस होगा। खासकर उन लोगों के लिए जो राजमार्ग पर हर दिन यात्रा करते हैं, उनकी यात्राएँ और अधिक महंगी हो गई हैं। टोल प्रबंधन और सरकार दोनों के अनुसार, बुनियादी ढांचे और सड़क रखरखाव में सुधार के लिए यह वृद्धि आवश्यक है।सड़क यात्रा करने से पहले ड्राइवरों को संशोधित टोल दर सूची की जाँच करनी चाहिए।

5 जून तक सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य किया जाए पूरा : नायब सिंह

चंडीगढ़,01 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने प्रदेश की सभी सड़कों की मरम्मत का काम 15 जून तक पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी एक विशेष अभियान चलाकर इस सम्बन्ध में टेंडर आदि की सभी प्रक्रियाएं 15 दिनों के अंदर पूरी करना सुनिश्चित करें ताकि आगामी मानसून से पहले सभी सड़कों की का कार्य अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री आज यहाँ हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद थे।

क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि खराब सड़कों को चिह्नित कर 15 दिन के भीतर मरम्मत कार्य शुरू करवाना सुनिश्चित किया जाये ताकि आमजन को राहत प्रदान की जा सके। इसके अतिरिक्त, पांच ज़िलों में जिला परिषद् को स्थानांतरित की गई सभी सड़कों की रिपेयर और मरम्मत भी तय समय में पूरी करवाई जाये। साथ ही, मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध में कोई कोताही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधान सभा बजट सत्र के घोषणा करते हुए कहा था कि आगामी 6 महीने में हरियाणा प्रदेश की सभी सड़कों का नवीनीकरण किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश में एक भी सड़क टूटी हुई नहीं मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य में सड़कों के चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा राज्य विपणन बोर्ड द्वारा मेन्टेन की जा रही सड़कों को 12 फुट से 18 फुट करने की दिशा में भी कार्य किया जाना चाहिए। सड़कों पर बढ़ते हुए यातायात को देखते हुए यह अत्यंत जरूरी है। साथ ही, प्रदेश की सभी मंडियों के अंदर की सड़कों की मरम्मत और रखरखाव कार्य भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि मंडी में फसल लेकर आने वाले किसानों को कोई दिक्कत न हो। बैठक में बताया गया है हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा मेन्टेन की जा रही 4313 सड़कों में से 465 सड़कें 18 फुट की हैं। 34 अन्य सड़कों के चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त, 118 किलोमीटर की 35 सड़कें के चौड़ीकरण के लिए टेंडर प्रक्रियाधीन है।

मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करे कि सभी घोषणाएं तय समय सीमा में पूरी हो। इसके लिए सभी सम्बंधित विभाग बेहतर तालमेल कार्य करें जिससे विकास कार्यों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराया जा सके। मुख्यमंत्री ने बजट में की गई घोषणाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सम्बंधित विभाग योजना बनाकर तय समय सीमा में तेज गति से कार्य करते हुए शत प्रतिशत योजनाओं को धरातल उतारना सुनिश्चित करें ताकि जनता को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने पिंजौर में स्थापित सेब मंडी, गुरुग्राम में स्थापित की जाने वाली फूल मंडी, गन्नौर में स्थापित की जा रही इंडिया इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्किट, अटल किसान मज़दूर कैंटीन सहित अन्य परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा भी दिए।

हरियाणा के लोगों को लगने वाला है जोर का झटका, महंगी होगी बिजली!

चंडीगढ़,01 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा बिजली विनियामक आयोग की मांग को हरियाणा सरकार में बिजली विभाग के मंत्री अनिल विज मंजूरी दे देते हैं, तो बिजली दरों में 3 साल बाद यह बढ़ोतरी होगी। इससे सरकार फ्यूल सरचार्ज एडजस्टमेंट को एक साल के लिए बढ़ा चुकी है। सरकार ने 3 वर्ष पहले बिजली की दरों में लगभग 25 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बढ़ोतरी की गई थी। अब सरकार बिजली विभाग की बिजली दरों में बढ़ोतरी की मांग को मंजूरी दे देती है तो इससे दक्षिणी और उत्तरी हरियाणा बिजली निगम से जुड़े तकरीबन 81 लाख बिजली उपभोक्ताओं को झटका लगेगा। बिजली निगम हरियाणा प्रदेश में 4,520 करोड़ का घाटा पूरा करने हेतु बिजली दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। हरियाणा प्रदेश में बिजली की नई दरें हर साल 1 अप्रैल से की जाती है। राज्य में पिछले 3 वर्षों से बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। हरियाणा बिजली विनियामक आयोग ने अंतिम बार वर्ष 2022-23 में बिजली दरों में बढ़ोतरी की थी।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

अखिलेश यादव पर बरसे योगी आदित्यनाथ

कसाइयों को जहन्नुम भेजा तो सपा परेशान

गो-तस्करों और कसाइयों से सपा का गहरा नाता

बरेली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बरेली में 933 करोड़ रुपए की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश के लिए स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। साथ ही विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। साथ ही उन्होंने अत्याधुनिक जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस 2554 नई एंबुलेंस का फ्लैग ऑफ किया। इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों ने बरेली की पहचान को झुमका के साथ जोड़ा था, हमने बरेली को नाथ कॉरिडोर देकर नाथ नगरी को उसकी पौराणिक पहचान दिलाने का काम किया है। सीएम योगी ने गाय, गंगा और दंगों का जिक्र कर सपा मुखिया पर जमकर हमला बोला।

सीएम योगी ने कहा कि बरेली दंगा सिटी नहीं, अब यह स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। 2017 से पहले बरेली में 5-7 दंगे आम बात थी, लेकिन पिछले आठ साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। बरेली में अब दंगा नहीं, सब चंगा है। उन्होंने दंगाइयों को चेतावनी देते हुए कहा कि दंगा करने की हिम्मत करने वालों की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बरेली में अब निवेश का माहौल बन रहा है। डेयरी, मेडिकल और अन्य उद्योगों में निवेश हो रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा समाज की आधारशिला है। उन्होंने बरेली से पूरे प्रदेश में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। इस दौरान सीएम योगी ने बच्चों को स्टेशनरी, किताबों की किट व टॉफी इत्यादि का वितरण किया। उन्होंने कहा कि नया शैक्षिक सत्र शुरू हो रहा है।

उत्तर प्रदेश के लोगों से आह्वान करता हूं कि इस अभियान से जुड़ें और सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहे। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है। अगर कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है, तो यह समाज और राष्ट्र के लिए चुनौती बन जाता है।

सीएम योगी ने 2017 के पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय बेसिक शिक्षा परिषद की हालत खराब थी। स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, फर्नीचर और स्मार्ट क्लास जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं। एक करोड़ 34 लाख बच्चों का नामांकन था, लेकिन 60 प्रतिशत बच्चे स्कूल नहीं जाते थे। उन्होंने कहा कि आज ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 96 प्रतिशत स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, फ्लोरिंग, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था हो चुकी है। पिछले साल एक करोड़ 91 लाख बच्चों को डीबीटी के जरिए 1200 रुपए प्रति बच्चा उनके अभिभावकों के खाते में भेजे गए। बच्चों को दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते, मोजे और स्वेटर भी दिए जा रहे हैं, जिससे बच्चों में स्कूल जाने की उत्सुकता बढ़ी है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम श्री योजना के तहत 1500 विद्यालयों का कायाकल्प किया जा रहा है। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों को 8वीं से 12वीं तक गरीब कन्याओं की शिक्षा का केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बरेली के नवाबगंज में अटल आवासीय विद्यालय श्रमिकों के बच्चों के लिए उत्तम शिक्षा का केंद्र बनेगा। इसी तर्ज पर बेसिक शिक्षा परिषद ने भी हर जनपद में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय को प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। पहले चरण में 57 जनपदों में जहां पर अटल आवासीय विद्यालय नहीं खोले गए हैं, वहां पर यह मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय प्रारंभ होने जा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कहा कि पहले चरण में जनपद स्तर पर दूसरे चरण में तहसील स्तर, तीसरे चरण में विकासखंड स्तर पर और चौथे चरण में न्याय पंचायत स्तर पर कंपोजिट विद्यालय खोलेंगे। कहा कि प्री प्राइमरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी तक यानी नर्सरी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा बच्चों को एक ही कैंपस में मिल सके, खेलकूद की व्यवस्था हो, स्किल डेवलपमेंट की व्यवस्था हो, पूरे शिक्षक हों, शिक्षकों के लिए आवासीय व्यवस्था हो, इस कार्यक्रम को लेकर हम इस अभियान को लेकर बढ़ने जा रहे हैं।

सीएम योगी ने बरेली से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत की। संचारी रोग नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का सीएम योगी ने सम्मान किया। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस, बरेली मंडल में मलेरिया, आगरा में डेंगू, वाराणसी में कालाजार और झांसी में चिकनगुनिया जैसी बीमारियां चुनौती रही हैं। पिछले आठ वर्षों में डबल इंजन सरकार ने इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया है, जिसके चलते गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की मौतें रुक गई हैं। मलेरिया भी लगभग नियंत्रित हो चुका है, लेकिन इसे जड़ से खत्म करने के लिए जागरूकता और अभियान चलाए जा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि बरेली, बदायूं और पीलीभीत जैसे जिलों में मलेरिया और डेंगू को रोकने के लिए जलजमाव को खत्म करने, छिड़काव और लार्वा को नष्ट करने के उपाय किए जा रहे हैं। आशा वर्कर और एएनएम घर-घर जाकर स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान चलाएंगे। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेव-ाओं को मजबूत करने के लिए 2,554 नई अत्याधुनिक एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले 108 एंबुलेंस का रिस्पांस टाइम 17-19 मिनट था, जो अब सात मिनट तक आ गया है। इन नई एंबुलेंस से रिस्पांस टाइम और कम होगा।

सीएम योगी ने कहा कि 1947 से 2017 तक केवल प्रदेश में 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन पिछले आठ साल में 44 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज बने हैं। अब प्रदेश में 80 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज हैं, जिसमें 36 से ज्यादा निजी क्षेत्र में हैं। हर जिले में डायलिसिस, सीटी स्कैन और टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश देश में सबसे ज्यादा आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला राज्य बन गया है, जिसके तहत 10 करोड़ लोगों को हर साल पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 7700 से अधिक निराश्रित गोआश्रय स्थल खोले गए हैं, जहां 14 लाख गोवंश की देखभाल सरकार कर रही है। शेष गोवंश को अन्नदाता किसानों को सौंपा गया है। सीएम योगी ने कहा कि हर गोवंश के लिए किसानों को 1500 रुपए प्रति माह दिए जा रहे हैं। चार गोवंश रखने वाले किसान को 6000 रुपए मासिक अनुदान मिलता है। इससे गोमाता की सेवा का पुण्य भी मिलता है और आर्थिक लाभ भी।

दंगा किया तो गरीबों में बांट दी जाएगी दंगाइयों की संपत्ति

बरेली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ साल में बरेली समेत सूबे भर में कहीं भी दंगे नहीं हुये। यदि अब किसी ने दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी। योगी ने कहा, 2017 से पहले बरेली में हर साल पांच-सात दंगे आम बात थी। अब बरेली में दंगा नहीं, अब बरेली चंगा है।

काशी विद्वत परिषद ने तैयार की रूपरेखा

अब होगा एक त्यौहार एक पंचांग

त्यौहारों को लेकर दूर होगा तिथि भ्रम

वाराणसी, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश और देश में अक्सर त्यौहारों की तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। इस समस्या का समाधान खोजने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद काशी विद्वत परिषद ने पंचांग की रूपरेखा तैयार कर ली है। प्रदेश में जल्द ही एक तिथि एक त्यौहार का नियम लागू हो सकता है। काशी से प्रकाशित पंचांग के आधार पर ही प्रदेश में व्रत-त्योहारों पर अवकाश का निर्धारण किया जाएगा। काशी विद्वत परिषद के विद्वानों ने इसकी तैयारी कर ली है।

उम्मीद जताई जा रही है कि अगले नवसंवत्सर तक काशी विद्वत परिषद के द्वारा बनाई गई पंचांग प्रदेश के लोगों के बीच तक पहुंच जाएगा। अन्नपूर्णा मंदिर पंचांग का प्रकाशन पहली बार कराएगा।

काशी के पंचांगों के एकरूपता को लेकर लगातार तमाम प्रयास चल रहे है। इसी क्रम में पहली बार व्रत - पर्व की तिथियों को एक करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। विद्वानों के अनुसार 2026 में पूरे प्रदेश में एक तिथि और एक त्यौहार वाला पंचांग आ जाएगा। पर्व, तिथि, व्रत में होने वाला भेद समाप्त हो जाएगा। साथ में अवकाश को लेकर भ्रम की समस्या का भी निवारण हो जाएगा।

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि इस पंचांग को तैयार करने के लिए काशी के विद्वानों के साथ ही प्रदेश के अन्य पंचांग के विद्वानों की टीम बनाई गई है। कालगणना, पर्व, तिथि को लेकर मंथन के बाद पंचांग तैयार किया जाएगा। रूपरेखा को एक बार सभी विद्वान देखकर आपसी सहमति बना लेंगे। इसके बाद सात अप्रैल को मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा। सभी प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो चुकी है। बीएचयू के ज्योतिष विभाग के प्रो विनय पांडेय का कहना है कि पंचांगों की एकरूपता से समाज में तिथि पर्व को लेकर भ्रम की स्थिति दूर होगी। त्योहारों ने निर्धारण में केवल उदया तिथि का ही महत्व नहीं होता है। रामनवमी के व्रत के लिए मध्यान्वयापिनी, दीपावली पर प्रदोष व्यापिनी, शिवरात्रि और जन्माष्टमी पर अर्ध रात्रि का महत्व होता है।

बीएचयू में बनने वाले विश्वपंचांग, ऋषिकेश, महावीर, गणेश आपा, आदित्य और ठाकुर प्रसाद के पंचांग का अध्ययन भी शामिल है। इस पूरे पंचांग को तैयार करने में लगभग तीन वर्षों से कार्य चल रहा था। दीपावली, देवदीपावली, होली, होलिका दहन, अक्षय तृतीया, शरद पूर्णिमा, कार्तिक एकादशी, नवरात्र, रामनवमी, मकर संक्रांति जैसे महापर्वों पर होने वाला अंतर, भ्रम समाप्त हो जाएगा।

अनधिकृत ई रिक्शा और ऑटो के खिलाफ अभियान शुरू

पहले दिन 915 ई-रिक्शा जब्त 3035 का हुआ चालान

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। पूरे प्रदेश में मंगलवार से अनधिकृत ई-रिक्शा और ऑटो के खिलाफ अभियान शुरू किया गया। इस अभियान की सफलता के लिए परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने समस्त पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान को पत्र लिखा था। अभियान के पहले दिन मंगलवार को प्रदेश में 915 ई-रिक्शा सीज और 3035 का चालान किया गया।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर अभियान मंगलवार से प्रारंभ हुआ। इसके पहले दिन 915 ई-रिक्शा सीज और 3035 का चालान हुआ। उ

न्होंने बताया कि मंगलवार को मुख्यालय से इसकी मॉनिटरिंग हुई। 30 अप्रैल तक चलने वाले अभियान की नियमित मॉनिटरिंग भी होती रहेगी। इस अभियान में

मुख्यालय के साथ जनपद स्तर के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की गई है। अभियान के नोडल अधिकारी (अपर परिवहन आयुक्त प्रवर्तन) संजय सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम 5 बजे तक गाजियाबाद संभाग में 381, आगरा संभाग में 363, लखनऊ में 200, झांसी में 199, सह-ारनपुर में 171, मीरजापुर में 165, वाराणसी में 164 व प्रयागराज में 136 ई-रिक्शा पर कार्रवाई हुई।

बरेली में बनेगा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल: योगी

बरेली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल स्थापित करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों से कहा कि वह एक-एक टीबी मरीज को गोद लें। इससे जनजागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पुराने मुकदमे-वाद समस्या का कारण बनते हैं। इनकी वजह से नये अपराध जन्म लेते हैं। इसलिये पुराने मुकदमों का शीघ्र निस्तारण कराया जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरेली स्मार्ट सिटी है। अब मंडल और जिला स्तर के सभी कार्यालय एक ही छत के नीचे हों। इसका प्रस्ताव तैयार कर व्यवस्था कराए। अपराध और ट्रैफिक नियंत्रण के लिये मुख्यमंत्री ने इंटेलिजेंट ट्रैफिक

मैनेजमेंट सिस्टम को प्रभावी बनाने और ई-रिक्शा/टैक्सी का सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को विकास भवन सभागार में आयोजित मंडलीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने क्षेत्र की प्रगति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पीलीभीत में टाइगर रिजर्व में 25 किमी की फेंसिंग का कार्य पूरा हो गया है। 2022-24 तक मंडल में 12 आकांक्षात्मक विकास खंडों को भारत व राज्य सरकार द्वारा किसी न किसी मानक में पुरस्कृत किया गया है। बरेली में 18 खगोलीय विज्ञानशाला बनायी गयी हैं। शाहजहांपुर में'गर्ल्स कैन डू' कार्यक्रम चलाया जा रहा है। संचारी रोग नियंत्रण में बरेली और पीलीभीत ने अच्छा कार्य किया है। कानून व्यवस्था को लेकर आईजी डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि परिवार परामर्श केंद्र, ऑपरेशन कन्विक्शन, गैंगस्टर, एनडीपीएस, कबूतर बाजी (विदेश भेजे जाने के नाम पर ठगी), गोवध निवारण अधिनियम, ट्रैफिक मैनेजमेंट में रेंज पुलिस बेहतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि एक वर्ष के पुराने वाद कानून व्यवस्था के लिए संकट के कारण बनते हैं। अनावश्यक विवादों को जन्म देते हैं इसलिए लम्बित वादों का यथाशीघ्र निस्तारण करते हुए आम आदमी को न्याय प्रदान किया जाए।

महाकुंभ में उत्कृष्ट कार्य के लिए

यूपी अग्निशमन विभाग को गोवा में मिला सम्मान

लखनऊ/पणजी, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ का समापन एक माह पूर्व हो गया, लेकिन इसकी उपलब्धियों की गूंज अभी भी पूरे देश में सुनाई दे रही है। महाकुंभ के दौरान 45 दिनों के इस दिव्य आयोजन में प्रदेश के अग्निशमन विभाग ने भी महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई। पूरे आयोजन के दौरान आग की वजह से एक भी जनहानि नहीं हुई। प्रदेश के अग्निशमन विभाग के इस उत्कृष्ट कार्य को पूरे देश में न सिर्फ सराहा जा रहा है, बल्कि पुरस्कृत भी किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को गोवा में सीएम डॉ प्रमोद सावंत ने उत्तर प्रदेश के अग्निशमन विभाग की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए विभाग के अधिकारियों को सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज के संगम तट पर विश्व के सबसे बड़े मानवीय समागम, महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया था। 4000 हेक्टेयर में बसे और 25 सेक्टर में बंटे महाकुंभ नगर में लगभग प्रत्येक दिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर आ रहे थे। ऐसे में यूपी अग्मिशमन विभाग ने अपने अत्याधुनिक उपकरणों और मुस्तैदी से महाकुंभ जैसे महाआयोजन में बिना किसी जन हानि के अग्नि दुर्घटनाओं पर काबू पाया। साथ ही लगभग 16.5 करोड़ रूपये से अधिक की धन हानि को भी बचाया। महाकुंभ में लगभग 24 बड़ी अग्नि दुर्घटनाओं के साथ 185 अग्नि दुर्घटनाओं पर काबू पाया गया। जिसने सीएम योगी की सुरक्षित

महाकुंभ की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महाकुंभ में अग्निशमन के नोडल अधिकारी रहे प्रमोद शर्मा ने बताया कि गोवा के डायरेटोरेट ऑफ फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। डायरेक्टर नितिन वी रायकर ने उत्तर प्रदेश के अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को महाकुंभ में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करने हेतु गोवा आमंत्रित किया था, जहां मुख्यमंत्री आवास पर स्वयं मुख्यमंत्री ने प्रदेश अग्निशमन विभाग की एडीजी पद्मजा चौहान, उपनिदेशक फायर सर्विस महाकुंभ अमन शर्मा, नोडल ऑफिसर महाकुंभ प्रमोद शर्मा एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रयागराज कमिश्नरेट डॉ राजीव पांडे को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अग्निशमन विभाग के कार्यों की प्रशंसा की और महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने में विभाग की भूमिका को सराहा। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अग्निशमन अधिकारियों से महाकुंभ के लिए की गई तैयारियों और क्विक रिस्पांस के विषय में भी विस्तार से जानकारी ली।

महाकुंभ 2025 को सुरक्षित महाकुंभ बनाने में यूपी अग्नि शमन विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यूपी अग्नि शमन विभाग ने महाकुंभ के 45 दिनों के दिव्य, भव्य आयोजन में 185 अग्नि दुर्घटनाओं पर बिना किसी जन हानि के काबू पाया। 185 में से 24 अग्नि दुर्घटनाएं गंभीर स्थिति की थी, जिनमें काबू पाने में कुछ टेंट और तम्बू जल गये लेकिन किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। जबकि 86 के करीब छिटपुट अग्निजनित दुर्घटनाएं भी हुईं जिन पर आसानी से काबू पा लिया गया। महाकुंभ के दौरान सबसे बड़ी अग्नि दुर्घटना 19 जनवरी को मेले के सेक्टर-19 में सिलेंडर के फटने से हुई थी, लेकिन उसमें भी विभाग ने पूरी मुस्तैदी से सभी श्रद्धालुओं और कल्पवासियों को रेस्क्यू करते हुए कम से कम समय में काबू पा लिया था।

महाकुंभ में ड्यूटी करने वाले सुरक्षाकर्मियों को मिलेगा बोनस

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। महाकुंभ में ड्यूटी करने वाले सुरक्षाकर्मियों को जल्द 10 हजार रुपए बोनस दिया जाएगा। डीजीपी मुख्यालय में आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार ने एडीजी मुख्यालय को पत्र लिखकर इस बाबत आवश्यक व्यवस्था करने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के समापन पर सुरक्षाकर्मियों को 10 हजार रुपए बोनस देने की घोषणा की थी।

एडीजी, मुख्यालय को भेजे पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत महाकुंभ में ड्यूटी करने वाले सभी पुलिस, पीएसी, जीआरपी, यूपी 112, अभिसूचना, रेडियो, अग्निशमन, एंटी माइंस, अभियोजन, साइबर, एटीएस, एसटीएफ, होमगार्ड,

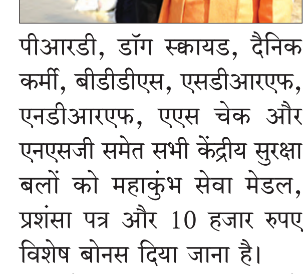

पीआरडी, डॉग स्क्वायड, दैनिक कर्मी, बीडीडीएस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, एएस चेक और एनएसजी समेत सभी केंद्रीय सुरक्षा बलों को महाकुंभ सेवा मेडल, प्रशंसा पत्र और 10 हजार रुपए विशेष बोनस दिया जाना है।

इसके लिए शासन से प्रशासनीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी होनी है, जिसके लिए तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जाए। सूत्रों के मुताबिक जल्द ही प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद राजधानी और सभी जिलों में इनका वितरण किया जाएगा।

विश्व मुक्केबाजी कप 2025 : लक्ष्य चाहर की हार के साथ भारत ने किया अभियान का आगाज

फोज डू इगुआकु,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

विश्व मुक्केबाजी कप 2025 में लक्ष्य चाहर का अभियान 80 किग्रा के शुरुआती मुकाबले में ब्राजील के वांडरले परेरा के सामने 0-5 से निराशाजनक हार के साथ शुरू हुआ।

मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को परेरा के रूप में एक कठिन प्रतिद्वंद्वी का सामना करना पड़ा, जो 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता और पेरिस ओलंपियन हैं। परेरा ने रिंग में चाहर को पछाड़ दिया, जिसमें एक जज को छोड़कर सभी ने उन्हें 30 अंक दिए। ब्राजील के इस खिलाड़ी ने 150 में से 149 का लगभग पूर्ण स्कोर हासिल किया, जबकि चाहर ने 135 अंक हासिल किए।

यह हार विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण शुरुआत है, जो कि 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल होने से पहले फरवरी में विश्व मुक्केबाजी को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से अनंतिम मान्यता मिलने के बाद पहला आयोजन है। यह नए शुरू किए गए भार वर्गों के तहत प्रतिस्पर्धा करने वाले भारतीय मुक्केबाजों के लिए पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता भी है।

छह दिवसीय टूर्नामेंट के दूसरे दिन तीन अन्य भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), निखिल दुबे (75 किग्रा), और जुगनू (85 किग्रा) रिंग में उतरेंगे। जदुमनी का सामना ग्रेट ब्रिटेन के एलिस ट्रोब्रिज से होगा, जो क्वार्टर फाइनल में एक मुश्किल मुकाबला होगा। निखिल का मुकाबला स्थानीय मुक्केबाज काऊ बेलिनी से होगा, जबकि जुगनू का मुकाबला फ्रांस के अब्दुलाये ट्रोरे से होगा। यह प्रतियोगिता भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है, क्योंकि यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मील के पत्थर के साथ संरेखित है, जो मुक्केबाजों को 2028 ओलंपिक से पहले अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान करती है।

न्यूज ब्रीफ

सीनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 में आयकर विभाग के खिलाड़ियों का जलवा

नई दिल्ली। गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में 26 से 29 मार्च तक आयोजित सीनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप में आयकर खेल और मनोरंजन क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में देशभर से 31 राज्यों के कराटे खिलाड़ी, एसएससीबी,आईटीबीपी और असम राइफल्स की टीमें शामिल हुईं। आयकर खेल और मनोरंजन क्लब ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि आयकर विभाग के खिलाड़ी अनिकेत गुप्ता ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत पदक जीते। यह विश्व कराटे महासंघ (डब्ल्यूकेएफ)और एशियाई कराटे महासंघ (एकेएफ) की ओर से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनका 42वां पदक है। खास बात यह है कि अनिकेत लगातार 18 वर्षों से पदक जीतते आ रहे हैं, जो उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। प्रतियोगिता में दीपिका धीमान ने भी शानदार प्रदर्शन किया और दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। यह डब्ल्यूकेएफ और एकेएफ द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनकी 30वीं पदक जीत है। दीपिका ने पिछले 15 वर्षों से लगातार पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अनिकेत और दीपिका दोनों को आगामी सीनियर एशियाई कराटे चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, जो मई 2025 में ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयोजन में तेलंगाना सरकार, तेलंगाना खेल प्राधिकरण, तेलंगाना खेल परिषद और राज्य कराटे संघ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर ने आईटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में जगह बनाई

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर ने अपने करियर की बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार आईटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में जगह बना ली है। वह अब दुनिया में 47वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। इस बीच, स्नेहित सुरवज्जुला ने पहली बार शीर्ष 100 में जगह बनाते हुए 89वां स्थान हासिल किया है। एक मार्मिक मोड़ में, शरत कमल, जिन्होंने प्रतिस्पर्धी टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की थी, ने विश्व नंबर 80 पर अपने शानदार करियर का समापन किया। अपने अंतिम मैच में कमल पर सुरवज्जुला की जीत ने अनुभवी के करियर का प्रतीकात्मक अंत कर दिया। चेन्नई में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर में भारत का अभियान रविवार को समाप्त हो गया, जब ठक्कर को पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के विश्व नंबर 54 थिबॉल्ट पोरेट से 3–1 से हार का सामना करना पड़ा। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष के रूप में इतिहास रचने वाले ठक्कर ने जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में एक उच्च–ऊर्जा मैच में कड़ी टक्कर दी। जोशीले प्रयास के बावजूद ठक्कर को अंततः 20 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी ने मात दी, जिसने 12–10, 11–9, 7–11 और 11–7 के स्कोर के साथ जीत हासिल की।

रोमानिया के जियानु ने तिरिआक ओपन में दर्ज की पहली जीत

बुकारेस्ट। रोमानिया के टेनिस खिलाड़ी फिलिप क्रिस्टियन जियानु ने तिरिआक ओपन के पहले दौर में अमेरिकी निशेश बसवारेड्डी को 6–3, 6–4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। 23 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी, जो एटीपी रैंकिंग में 241वें स्थान पर हैं, ने 108वीं रैंकिंग वाले बसवारेड्डी को 93 मिनट में पराजित किया। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ी ने अधिक विनर (22–13) लगाए, लेकिन उन्होंने ज्यादा अनफोर्स्ड एरर (16–9) भी किए, जिसका फायदा जियानु को मिला। इस जीत के साथ जियानु को 10,460 यूरो (11,317 अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि और 25 एटीपी अंक मिले। अब वे प्री–क्वार्टर फाइनल में वैलेंटिन वाशेरोट या दामिर जुहुमर में से किसी एक से भिड़ेंगे। वहीं, एक अन्य रोमानियाई खिलाड़ी, लुका प्रेडा, पहले दौर में वाशेरोट से 6–2, 6–3 से हारकर बाहर हो गए। उन्हें 3,200 यूरो (3,462 अमेरिकी डॉलर) और 7 एटीपी अंक प्राप्त हुए। तिरिआक ओपन, जो एक एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूर्नामेंट है, 31 मार्च से 6 अप्रैल तक बुकारेस्ट के नेशनल टेनिस सेंटर में खेला जा रहा है।

पंजाब ने लखनऊ को आठ विकेट से पीटा

प्रभसिमरन सिंह के बाद श्रेयस अय्यर का अर्धशतक

लखनऊ,01 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। पंजाब ने लखनऊ सुपर जायंट्स के घरेलू मैदान भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम में जाकर 8 विकेट से मुकाकता जीता। टॉस हारने के बाद पहले खेलते हुए लखनऊ की टीम ने 7 विकेट पर 171 रन बनाए। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब ने जवाब में मैच को 17वें ओवर में ही अपने नाम कर लिया। अय्यर ने छक्का मारकर मैच फिनिश किया।

निकोलस पूरन और आयुष बडोनी की उपयोगी पारियों से लखनऊ सुपर ने खराब शुरुआत से उबरते हुए 171 रन बनाए। पूरन ने 44 जबकि बडोनी ने 41 रन की पारी खेली। बडोनी ने डेथ ओवरों में अब्दुल समद (27) के साथ छठे विकेट के लिए सिर्फ 21 गेंद में 47 रन जोड़कर टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 43 रन देकर तीन विकेट चटकाए। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और अर्शदीप सिंह ने पहले ही ओवर में मिचेल मार्श (0) को मार्को यानसेन के हाथों कैच करा दिया। सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम (28) ने अर्शदीप के अगले ओवर में तीन चौके मारे लेकिन वह इस दौरान भाग्यशाली भी रहे जब इस तेज गेंदबाज ने उनका कैच टपका दिया।मारक्रम ने लॉकी फर्ग्युसन (26 रन पर एक विकेट) की लगातार गेंदों पर भी चौका और छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 18 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का मारा। कप्तान ऋषभ पंत (02) एक बार फिर नाकाम रहे और ग्लेन मैक्सवेल (22 रन पर एक विकेट) की गेंद पर शॉर्ट फाइन लेग पर युजवेंद्र चहल को कैच दे बैठे जिससे पांचवें ओवर में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 35 रन हो गया।सुपर जायंट्स ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 39 रन बनाए। पूरन और बडोनी ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। पूरन ने मैक्सवेल पर लगातार दो चौके मारे जबकि बडोनी ने मार्को यानसेन (28 रन पर एक विकेट) की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। पूरन ने 10वें ओवर में चहल को निशाना बनाते हुए उनके ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा और फिर मार्कस स्टोइनिस की लगातार गेंदों पर भी छक्का और चौका जड़ा।पूरन हालांकि चहल की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑफ पर मैक्सवेल को कैच दे बैठे जिससे बडोनी के साथ उनकी 54 रन की साझेदारी का अंत हुआ। उन्होंने 30 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और दो छक्के मारे। बडोनी ने फर्ग्युसन पर छक्के के साथ 13वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। डेविड मिलर (19) ने भी मैक्सवेल पर लगातार दो चौकों के साथ तेवर दिखाए लेकिन यानसेन की गेंद पर विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह को कैच दे बैठे।अब्दुल समद (27) ने आते ही चहल पर छक्का जड़ा और फिर अर्शदीप की लगातार गेंदों पर छक्के और दो चौकों के साथ 18वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। अर्शदीप ने अंतिम ओवर में बडोनी और समद दोनों को आउट किया। बडोनी ने 33 गेंद का सामना करते हुए एक चौका और तीन छक्के मारे।

हर मैच से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है : रमनदीप सिंह

मुंबई,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

डिफेंडिंग चैंपियंस कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए टाटा आईपीएल 2025 के मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। केकेआर के लिए रमनदीप सिंह की 12 गेंदों पर 22 रन की ताबड़तोड़ पारी, अंगकृष रघुवंशी के 16 गेंदों पर 26 रन और आंद्रे रसल के दो विकेट प्रमुख आकर्षण रहे, लेकिन इसके बावजूद मुंबई इंडियन्स ने 117 रनों का लक्ष्य आराम से हासिल कर लिया।

हार के बावजूद केकेआर के ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, किसी भी टीम का पतन हो सकता है, चाहे स्थिति कैसी भी हो। जाहिर तौर पर यह निचले क्रम को मौके देता है, लेकिन आज रात हम दुर्भाग्यशाली रहे।

हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि आगामी टूर्नामेंट में हम ऐसी स्थिति में खुद को न पाएं। रमनदीप ने टीम की आक्रामक बल्लेबाजी के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए कहा कि वे इस प्रदर्शन से सीख सकते हैं। उन्होंने कहा, हम टीम के हर खिलाड़ी को उनके प्राकृतिक तरीके से खेलने के लिए समर्थन करते हैं। कभी–कभी यह काम नहीं करता, लेकिन यह जरूरी है कि हम अपने खिलाड़ियों को समर्थन दें, ताकि वे अपने 100 प्रतिशत दे सकें और आक्रामक अंदाज में खेल सकें।

उन्होंने आगे कहा, हम समझते हैं कि साझेदारियां बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अगर अंगकृष और रिंकू का आक्रामक खेल सफल हो जाता, तो हम उनकी सराहना करते। कभी–कभी आपका दिन नहीं होता, लेकिन हर खेल से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच की स्थितियों पर रमनदीप ने कहा कि टॉस का बड़ा प्रभाव था। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियन्स के लिए टॉस जीतना अच्छा था। उन्हें कुछ फायदा था, क्योंकि दूसरी पारी में भी नई गेंद से गेंदबाजों को थोड़ी सी मूवमेंट मिल रही थी और स्पिनरों को भी कुछ टर्न मिल रहा था। हालांकि, हम इसे बहाना नहीं बना सकते। हमें हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

रमनदीप ने अंत में कहा, आज की विकेट ऐसी थी कि पहले सेट होने की जरूरत थी, फिर जाकर छक्के मारने का सोचना था। सामान्यतः ऐसा नहीं होता, लेकिन आज कुछ अलग था।

कोलकाता नाइट राइडर्स 3 अप्रैल को ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वापसी करने के लिए तैयार है।

जैस्मिन पाओलिनी ने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद नाता तोड़ा

इटली की टेनिस स्टार जैस्मिन पाओलिनी ने अपने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद अलग होने की घोषणा की है। 29 वर्षीय पाओलिनी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर यह जानकारी साझा की। 10 अद्भुत सालों के बाद, मैं रेंजो फुरलान को उनके योगदान के लिए तहे दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं। उन्होंने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी, पाओलिनी ने लिखा। फुरलान के मार्गदर्शन में पाओलिनी ने शानदार प्रगति की। 2024 में वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन की उपविजेता रहीं, पेरिस ओलंपिक में डबल्स स्वर्ण पदक जीता और इटली को बिली जीन किंग कप जीतने में मदद की। इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह दुनिया की नंबर चार खिलाड़ी बनीं। फुरलान को उनके बेहतरीन कोचिंग योगदान के लिए डब्ल्यूटीए कोच ऑफ द ईयर का सम्मान भी मिला। पाओलिनी ने फुरलान के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, रेंजो मेरे लिए सिर्फ एक कोच ही नहीं, बल्कि मेरे व्यक्तित्व के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्ति रहे हैं। उनसे मिली सीख हमेशा मेरे साथ रहेगी।

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान स्टोक्स फिटनेस के कारण शुरुआती काउंटी मैचों से बाहर

लंदन,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मुकाबलों में खेलने की संभावना बेहद कम है। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की। स्टोक्स इस समय हैमस्ट्रिंग की सर्जरी के बाद फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

33 वर्षीय स्टोक्स को पिछले साल दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट लगी थी। यह पांच महीनों में दूसरी बार था जब उन्हें यह समस्या हुई, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी।

इंग्लैंड को मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसके बाद भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की अहम सीरीज होगी। साल के अंत में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में एशेज के लिए भी उतरना है।

डरहम की टीम मई में जिम्बाब्वे टेस्ट से पहले छह काउंटी चैंपियनशिप मैच खेलेगी, लेकिन स्टोक्स के इन मुकाबलों में खेलने की संभावना नहीं है।

डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि टीम को सिर्फ स्टोक्स ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स (पैर की चोट) और मार्क वुड (घुटने की चोट) की भी कमी खलेगी। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स, कार्स और वुड का हमारे लिए खेलना फिलहाल मुश्किल लग रहा है। उनकी प्राथमिकता इंग्लैंड के लिए पूरी तरह से फिट होना है। स्टोक्स ने सर्जरी के अगले ही दिन वेट लिफ्टिंग शुरू कर दी थी, जो उनकी दृढ़ता को दर्शाता है। वह टीम के लिए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं। ब्रायडन कार्स ने पाकिस्तान के खिलाफ अक्टूबर 2024 में टेस्ट डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.85 की औसत से 27 विकेट झटके थे। कोच कैंपबेल ने कहा कि इंग्लैंड उनके टैलेंट को लेकर गंभीर है, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर सावधानी बरती जा रही है। कैंपबेल ने कहा, कार्स इस समय इंग्लैंड के लिए बेहद अहम खिलाड़ी हैं। उनके अंदर टेस्ट क्रिकेट के लिए गजब की क्षमता है, लेकिन पैर की चोट से वह जूझ रहे हैं।

सीए ने 2025-26 के लिए केंद्रीय अनुबंधों का किया ऐलान, सैम कॉन्स्टस को पहली बार मिला मौका

मेलबर्न,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को 2025–26 सीजन के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी की। इस बार 23 खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध मिला,जिसमें युवा सलामी बल्लेबाज सैम कॉन्स्टस को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। यह फैसला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल और एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

महज 19 साल की उम्र में सैम कॉन्स्टस ने शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। उन्होंने मेलबर्न बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, जहां उन्होंने 65 गेंदों में 60 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके और दो छक्के शामिल थे।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बैली ने कहा, सैम में हमें एक होनहार खिलाड़ी दिखता है, जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर सुधार करेगा।

बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन को भी इस साल अनुबंधित सूची में जगह दी गई है। 28 वर्षीय कुहनेमैन ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 16 विकेट लेकर 'सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का पुरस्कार जीता। हालांकि, संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन को लेकर उन पर सवाल उठे थे, लेकिन ब्रिस्बेन के नेशनल क्रिकेट सेंटर में परीक्षण के बाद उन्हें क्लीन चिट दे दी गई।

बैली ने मैथ्यू ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था और हमें लगता है कि वह अगले 18 महीनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हरफनमौला खिलाड़ी ब्यू वेबस्टर, जिन्होंने इस साल भारत के खिलाफ सिडनी टेस्ट में डेब्यू किया था, को भी अनुबंध सूची में बरकरार रखा गया है। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की। बैली ने ब्यू ने टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन खेल दिखाया और बल्ले–बॉल दोनों से टीम को संतुलन दिया। उनका योगदान मैदान पर भी अहम रहा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के 2025–26 सीजन के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी ज़ेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कॉन्स्टस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर, एडम ज़म्पा।

क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी, शाई होप बने टी20 कप्तान

नई दिल्ली। क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। ब्रैथवेट ने चार साल तक टीम का नेतृत्व किया। वहीं, शाई होप को वेस्टइंडीज टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी। 32 वर्षीय ब्रैथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। दूसरी ओर, शाई होप, जो पहले से ही वनडे टीम के कप्तान हैं, अब रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम का नेतृत्व करेंगे। पॉवेल मई 2023 से टी20 टीम की कप्तानी कर रहे थे। सीडब्ल्यूआई के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने बोर्ड के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर जारी एक बयान में कहा, टीम के विकास और 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए शाई होप को कप्तान नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। ब्रैथवेट के नेतृत्व में ऐतिहासिक जीत ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने कई ऐतिहासिक जीत दर्ज कीं। पिछले साल, उनकी अगुवाई में टीम ने ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 27 वर्षों में पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। इसी साल पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में एक ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सीरीज़ बराबर करने का कारनामा किया, जो 34 वर्षों में पहली बार हुआ था। उनकी कप्तानी में 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ में जीत मिली, जबकि 2021 में कोविड–19 महामारी के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 2–0 से टेस्ट सीरीज़ जीती थी। कप्तानी छोड़ने का कारण सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा, ब्रैथवेट चाहते थे कि उनकी विदाई से पहले टीम को बदलाव का पर्याप्त समय मिले।

अमेरिकी फर्म की रिपोर्ट में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट की आशंका, फिलहाल ऑल टाइम हाई पर पहुंचा हुआ है सोना

नई दिल्ली,01 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की अनिश्चितता, ट्रेड वॉर शुरू होने का डर और वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंका की वजह से देश और दुनिया में सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंच कर कारोबार कर रहा है। आने वाले दिनों में इस चमकीली धातु में और तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। इसी बीच फाइनेंशियल सर्विस देने वाली एक अमेरिकी फर्म ने अपने एक एनालिसिस में आने वाले सालों में सोने के भाव में जोरदार गिरावट आने की भविष्यवाणी करके सबको चौंका दिया है। दावा किया जा रहा है कि आने वाले सालों में सोने की कीमत में 35 से 38 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 3,148.89 डॉलर प्रति औंस के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोना अभी तक के सर्वोच्च स्तर 92,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच कर कारोबार कर रहा है। माना जा रहा है कि जब तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उठा पटक शांत नहीं होगी, तब तक सोने के भाव में इसी तरह तेजी का रुख बना रहेगा। बाजार की अनिश्चितता के कारण निवेशक फिलहाल सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने में पैसा लगाना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसी वजह से ये चमकीली धातु लगातार मजबूती के नए-नए रिकॉर्ड बना रही है।

ऐसे समय में अमेरिका में फाइनेंशियल सर्विस देने वाली फर्म मॉर्निंगस्टार इंक की एक रिपोर्ट में आने वाले दिनों में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट आने की भविष्यवाणी करके सबको चौंका दिया है। इस अमेरिकी फर्म का कहना है कि सोने की कीमत गिर कर 1,780 डॉलर से लेकर 1,820 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने की कीमत में आई जोरदार तेजी के कारण दुनिया भर में इसकी माइनिंग में भी तेजी आ गई है। चीन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और पेरू जैसे कई स्वर्ण उत्पादक देशों ने पिछले 1 साल की अवधि में सोने के उत्पादन में 40 से 52 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

कामर्शियल गैस सिलेंडर 44.50 रुपए तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। नए वित्त वर्ष के महीने की पहली तारीख कुछ लोगों के लिए राहत लेकर आई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 44.50 रुपये तक की कटौती घोषित की है । नई दरें लागू हो गयी हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 44.50 रुपये तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 41 रुपये घटकर 1762 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई। पहले ये 1803 रुपये में मिल रहा था। वहीं कोलकाता में इसका दाम 44.50 रुपये घटकर 1868.50 रुपये में मिल रहा है, जो पहले 1913 रुपये मे मिल रहा था। इसी तरह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कॉमर्शियल गैस की कीमत 1755.50 रुपये प्रति सिलेंडर से 42 घटकर रुपये 1713.50 रुपये हो गया है। इसके अलावा चेन्नई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1921.50 का मिल रहा है। हालांकि, तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि यानि 1 अप्रैल से शुरू हो रहे वित्तीय वर्ष से 12 लाख रुपये तक की कमाई पर इनकम टैक्स नहीं देना होगा। इसके अलावा मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, हुंडई इंडिया और होंडा की गाड़ियों के दाम बढ़ जाएंगे।

इंडसंड बैंक में सरकारी बैंकों का निवेश सीडी बाजार का सहारा लिया, नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा

नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर में एक नया मुद्दा उभरा है जब इंडसइंड बैंक ने अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में

गड़बडियां पाने के इस्तीफे के बाद सीडी बाजार का सहारा लिया। इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसइंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरादार प्रतिशत दरों के साथ। इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसइंड के सीडी पर जिन दरों की पेशकश की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, खासकर उनको उधारी की लागत को कम करने में मदद मिली। हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गड़बड़ियों ने लोगों को चौंकाया, जिससे उसके नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा है। इससे वह धन जुटाने के लिए उसकी सीडी को सबस्क्राइब करने वाले इन्वेस्टर्स भी परेशान हो रहे हैं। बैंकिंग सेक्टर में इस असमंजस का मामला गहराता जा रहा है, क्योंकि इंडसइंड बैंक के इस चिंताजनक परिस्थिति ने सरकारी बैंकों को चुनौती दी है। अब देखना होगा कि कैसे इन संघर्षों का हल निकलता है और बैंकिंग सेक्टर का कैसा प्रभाव होता है ।

पीएफ ऑटो-क्लेम लिमिट बढ़कर हुई 5 लाख

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7.5 करोड़ सदस्यों के लिए एक बड़ी

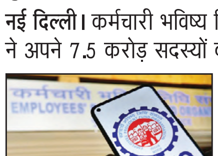

खुशखबरी दी है, जिसमें पीएफ निकासी की ऑटो सेटलमेंट लिमिट को 5 लाख रुपए तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी। नए बदलाव के तहत ईपीएफओ के सदस्य अब शादी, शिक्षा और घर खरीदने के लिए भी पीएफ ऑटो-क्लेम की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा पहले केवल बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए ही उपलब्ध थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा के अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 113वीं बैठक में लिया गया था जो 28 मार्च को श्रीनगर में हुई थी। सीबीटी से मंजूरी मिलने के बाद, यह सुविधा जल्द ही शुरू हो जाएगी और कर्मचारी आसानी से अपना पीएफ निकाल सकेंगे। इसके साथ ही अब 95 फीसदी क्लेम ऑटो-प्रोसेस होंगे और कर्मचारियों को पीएफ का पैसा तुरंत मिलेगा। ईपीएफओ के अनुसार, इस कदम से कागजी कार्यवाही कम होगी और भविष्य निधि निकालने की प्रक्रिया भी तेज होगी। इस नए बदलाव के साथ, सदस्य यूपीआई और एटीएम के माध्यम से मई या जून के अंत तक तत्काल पीएफ निकाल सकेंगे। श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता डावरा ने बताया कि सदस्य सीधे यूपीआई प्लेटफॉर्म पर अपना पीएफ बैलेंस भी देख सकेंगे और बिना किसी देरी के अपने पसंदीदा बैंक खातों में फंड ट्रांसफर कर सकेंगे। यह नए बदलाव कर्मचारियों के लिए जरूरत के समय अपने पैसे तक पहुंचने में मदद करेगा ।

शेयर बाजार में कोहराम से निवेशकों के डूबे 3.44 लाख करोड़ से अधिक

मुंबई, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप के बुधवार से पारस्परिक टैरिफ लागू करने की धमकी से हुई भारी चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में मचे कोहराम से निवेशकों के 3.44 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1390.41 अंक अर्थात 1.80 प्रतिशत का गोता लगाकर दो सप्ताह के निचले स्तर 76,024.51 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 353.65 अंक यानी 1.50 प्रतिशत की गिरावट लेकर 23165.70 अंक पर बंद हुआ।

इससे 28 मार्च को 4,12,87,646.50 करोड़ रुपये पर रहा बाजार पूंजीकरण नये वित्त वर्ष के पहले दिन मंगलवार को 344058.44 करोड़ रुपये कम होकर 4,09,43,588.06 करोड़ रुपये पर आ गया। यानी निवेशकों के महज एक दिन में 344058.44 करोड़ रुपये डूब गए।

भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, अब रिसिप्रोकल टैरिफ की बारी : अमेरिका

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, और कनाडा अमेरिकी मक्खन और चीज पर लगभग 300 फीसदी शुल्क वसूलता है। इससे अमेरिकी उत्पादों का इन बाजारों में आयात करना लगभग असंभव हो जाता है और बीते कई दशकों में इससे कई अमेरिकी व्यवसाय बंद हुए हैं और लोगों की नौकरियां चली गई हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित रिसिप्रोकल टैरिफ नीति के लागू होने में सिर्फ एक दिन बाकी है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क अमेरिकी उत्पादों को उन देशों में निर्यात करना लगभग असंभव बना देते हैं। ट्रंप ने भारत और अन्य देशों द्वारा अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले ऊंचे टैरिफ की बार-बार आलोचना की है। डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से लागू कर सकता है एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी कैरोलिन लेविट ने कहा कि दुर्भाग्य से इन देशों ने बहुत लंबे समय से हमारे देश का शोषण किया है और मुझे लगता है कि उन्होंने अमेरिकी कामगारों के प्रति अपनी उपेक्षा को बहुत साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आप अनुचित व्यापार प्रथाओं को देखें यूरोपियन यूनियन अमेरिकी डेयरी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाता है, जापान अमेरिकी चावल पर 700 फीसदी तक का शुल्क लेता है। डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी लागू करने की योजना बनाई है, जिसे वह अमेरिका के लिए मुक्ति दिवस बता रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल से रिसिप्रोकल टैरिफ पॉलिसी बिना किसी अपवाद के सभी देशों पर लागू होंगे।

आरबीआई के पास 2000 रुपए के 98 प्रतिशत नोट जमा

मुंबई, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि अब तक 2000 रुपये के 98 प्रतिशत नोट उसके पास वापस आ चुके हैं।आरबीआई ने मंगलवार को बताया कि दो हजार रुपये के नोट को वापस लेने की घोषणा 19 मई 2023 को की गई थी। उस समय 2000 रुपये के कुल 3.56 लाख करोड़ रुपये मूल्य के के नोट तंत्र में थे, जो 31 मार्च 2025 तक घटकर 6366 करोड़ रह गया है।केंद्रीय बैंक ने बताया कि बैंक शाखाओं में 2000 रुपये के नोट जमा करने या बदलने की सुविधा 7 अक्टूबर 2023 तक थी।

ब्रॉडबैंड यूजर्स टेलीकॉम कंपनियों की सेवाओं से नाराज ऑपरेटर बदलने की फिराक में

नई दिल्ली,01 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इंटरनेट कनेक्शन में आ रही परेशानियों के कारण ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेने वाले 62 फ़ीसदी यूजर्स अपने टेलीकॉम ऑपरेटरों से नाराज हैं। वह ऑपरेटर बदलना चाहते हैं।

ब्रॉडबैंड कनेक्शन में फाइबर और डिजिटल सब्सक्राइबर दोनों शामिल है।इंटरनेट कनेक्शन में बार-बार रुकावट आने और कम स्पीड मिलने की शिकायत लगभग सभी उपभोक्ता कर रहे हैं।

सोशल मीडिया कम्युनिटी प्लेटफार्म पर किए गए एक सर्वे की रिपोर्ट में,उजागर हुआ है।66 फीसदी उपभोक्ता अपने सर्विस प्रोवाइडर को बदलना चाहते हैं। सर्विस प्रोवाइडर, उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद भी शिकायतों का निवारण नहीं करते हैं। 36 फ़ीसदी उपभोक्ताओं को शिकायत थी। हर महीने उन्हें इसी तरीके की शिकायतों से गुजरना पड़ता है।

एआई विस्तार के लिए ओपनएआई 40 अरब डॉलर जुटाएगा

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) सेक्टर की प्रमुख कंपनी ओपनएआई ने घोषणा की कि वह 300 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 40 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाने पर विचार कर रही है। इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक ग्रुप करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फंडिंग का उद्देश्य एआई रिसर्च को आगे बढ़ाना, कंप्यूटेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और कंपनी के टूल्स को और और बेहतर बनाना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस राउंड में कुल निवेश का 75 प्रतिशत हिस्सा सॉफ्टबैंक की ओर से आएगा। फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक ग्रुप करेगा बाकी की राशि माइक्रोसाफ्ट, कोटक मैनेजमेंट, एल्टिमेटर कैपिटल और थ्राइव कैपिटल जैसे निवेशकों द्वारा दी जाएगी। ओपनएआई ने कहा है कि वह हर हफ्ते चेटजेपीटी का इस्तेमाल करने वाले 50 करोड़ यूजर्स के लिए और भी पावरपूल टूल्स उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है। हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर को लेकर निवेशकों का उत्साह तेजी से बढ़ा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सैनिकों का हक...

दिल्ली हाईकोर्ट की पीठ ने कहा, राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के अपने उद्घाटन भाषण के दौरान कहे गए प्रेरक शब्द आज भी देशभक्ति और अपने देश के प्रति प्रेम के सभी अर्थों का शानदार सारांश प्रस्तुत करते हैं। यह मत पूछो कि तुम्हारा देश तुम्हारे लिए क्या कर सकता है। यह पूछो कि तुम अपने देश के लिए क्या कर सकते हो। कुछ लोग हैं जो इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाते हैं और अपने देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान करने को तैयार रहते हैं। जब हम चिमनी के पास बैठकर अपनी गर्म कैपेचीनो की चुस्की ले रहे होते हैं, तो वे सीमा पर बर्फीली हवाओं का सामना करते हुए, एक पल की सूचना पर अपने जीवन का बलिदान देने को तैयार रहते हैं। क्या राष्ट्र और हम इसके नागरिक, मातृभूमि के इन सच्चे सपूतों को जो कुछ भी दे सकते हैं, वह कभी भी बहुत अधिक हो सकता है?

विकलांगता पेंशन का पहला मामला पूर्व सूबेदार गवास अनिल माडसो का था। 1985 में ही वे सैन्य सेवा में आए। 2015 में डायबिटीज मेलिटस टाइप-2 से पीड़ित होने के कारण सेवा से हटा दिए गए। रिलीज मेडिकल बोर्ड (आरएमबी) ने उनकी विकलांगता को 20 प्रतिशत स्थायी माना, लेकिन विकलांगता पेंशन देने से इन्कार कर दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार की इस सोच पर सवाल उठाते हुए कहा 34 साल की सेवा के बाद किसी भी बीमारी को गैर-सैन्य कारण बताना, सैनिकों के बलिदान का सरासर अपमान है।दूसरा मामला अमीन चंद का था, जिन्होंने 2005 में सेना की नौकरी ज्वाइन की और 2020 में सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन सेवा के दौरान उन्हें परिधीय धमनी संकुचन रोग हो गया। उन्हें 20 प्रतिशत विकलांग होने के बावजूद विभाग ने विकलांगता पेंशन से वंचित कर दिया। सशस्त्र बल प्राधिकरण ने उनके पक्ष में फैसला दिया लेकिन केंद्र सरकार ने पेंशन देने से मना कर दिया और उसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, देश के सैनिक जब तक युद्ध में होते हैं तब तक वे हमारे नायक होते हैं, लेकिन जब वे सेवा से बाहर होते हैं, तो उन्हें उनका हक देने से इन्कार करना सरासर अन्याय है।केंद्र सरकार लगातार यही कर रही है। सैनिकों की विकलांगता पेंशन देने को लेकर केंद्र का अमानवीय रवैया सैनिकों को काफी हतोत्साहित कर रहा है। विकलांगता पेंशन देने के नाम पर रिलीज मेडिकल बोर्ड को आगे कर टाल मटोल किया जाता है और विकलांगता को 20 फीसदी से नीचे दिखाने की आपराधिक कोशिशें की जाती हैं। केंद्र सरकार ने अग्निवीर योजना लाकर सैनिकों का पूरा पेंशन हड़प लिया और उसे सांसदों को दे दिया। उसी तरह विकलांगता पेंशन भी नेताओं की अय्याशियों में खर्च होगी। सरकार में स्थायी नौकरियां हटा कर आउटसोर्सिंग पर दे दिया। सेना की छावनियां रियल इस्टेट सिंडिकेट्स को दे दीं। आर्मी वेटनरी कोर खत्म कर लाखों एकड़ जमीनें और बेशकीमती गायें बेच डालीं। राष्ट्रवाद का नारा, सैनिकों को कितने दिन शहादत के लिए प्रेरित करेगा? यह अहम प्रश्न सामने है।

संसद में...

उधर, केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) ने वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन की अपील की है। संगठन के इस कदम का केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने स्वागत किया। केसीबीसी ने कहा है कि विधेयक किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है। इस समर्थन पर किरेन रिजिजू ने कहा, मैं केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) द्वारा केरल के सभी सांसदों से मंत्री और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन करने के अनुरोध का स्वागत करता हूं। राजनीति में शामिल लोगों का यह कर्तव्य है कि वे हमारे लोगों की समस्याओं और चुनौतियों का ध्यान रखें और उनका समाधान करें।

रिजिजू ने कहा, उदाहरण के लिए केरल के मुनंबम में सैकड़ों परिवार पीड़ित हैं और अपनी संपत्तियों और घरों की सुरक्षा के लिए समाधान की तलाश कर रहे हैं। यह अधिनियम किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है। यह कुछ लोगों के दिमाग में जहर घोलने के लिए फैलाया जा रहा दुष्प्रचार है। पीएम नरेंद्र मोदी और भारत सरकार हर भारतीय नागरिक के अधिकारों की रक्षा करने का प्रयास करती है और ऐसा करना जारी रखेगी। मुझे पूरी उम्मीद है कि केरल के सभी सांसद सभी लोगों के हित में इस विधेयक का समर्थन करेंगे और तुच्छ तुष्टिकरण की राजनीति के लिए लोगों के हितों की बलि नहीं चढ़ाएंगे। केसीबीसी के कदम का केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी स्वागत किया। उन्होंने कहा, केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) द्वारा उठाया गया यह एक स्वागत योग्य कदम है।

वक्फ कानून में संशोधन को मुस्लिमों का एक बड़ा तबका भी समर्थन दे रहा है। अजमेर दरगाह के प्रमुख ने कहा है कि नए संशोधन से वक्फ में पारदर्शिता आएगी। मुस्लिमों के अलावा इसे ईसाइयों के एक संगठन का भी समर्थन मिला है। ईसाई संगठन ने केरल के सांसदों को इस संबंध में पत्र लिखा है। ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के चेयरमैन और अजमेर दरगाह के प्रमुख सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने मोदी सरकार के कदम को सही ठहराया है। सोमवार 31 मार्च को ईद के मौके पर उन्होंने वक्फ बिल में संशोधन के कई फायदे गिनाए। उन्होंने कहा, विरोध-समर्थन लोकतंत्र का हिस्सा है। जहां तक मेरा मानना है कि वक्फ में बदलाव की जरूरत है। वक्फ कानून से मस्जिदें छिन जाएंगी, कब्रिस्तान छिन जाएंगे, यह कहना सरासर गलत है। सरकार को कोई जल्दबाजी नहीं है। सरकार तसल्ली से इस बिल को लाई थी और सरकार ने ही इसे जेपीसी में भी दिया था। जेपीसी ने सबको सुना है। और इसको अब पेश किया जाएगा। मुझे पूरा यकीन है कि ये बिल आने के बाद वक्फ मामले में पारदर्शिता आएगी। इससे वक्फ संपत्तियों का किराया बढ़ेगा, जो कौम के काम आएगा। नसीरुद्दीन चिश्ती ने कहा, वक्फ को लेकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। वक्फ के मामले में सरकार कोई दखल नहीं दे रही बल्कि उसके प्रबंधन को और सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी का सौगात-ए-मोदी को लेकर धन्यवाद किया।

दूसरी तरफ केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल ने भी केरल के सांसदों से अनुरोध किया है कि जब यह बिल चर्चा के लिए संसद में पेश किया जाए तो वे इसके पक्ष में वोट करें। इसको लेकर केसीबीसी ने 29 मार्च को बाकायदा एक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की। इसमें केसीबीसी के अध्यक्ष कार्डिनल क्लेमिस कथोलिका बावा, उपाध्यक्ष बिशप पॉली कन्नूक्कटन और महासचिव बिशप एलेक्स वडक्कुमथला ने केरल के सांसदों से वक्फ संशोधन अधिनियम का समर्थन करने का आग्रह किया है। इस प्रेस विज्ञप्ति में मुनंबन जमीन पर वक्फ को लेकर चल रहे बवाल का भी जिक्र किया गया है। गौरलतब है कि केरल वक्फ बोर्ड ने एर्नाकुलम जिले के मुनंबम में लगभग 404 एकड़ भूमि पर दावा किया हुआ है। इस जमीन पर रहने वाले अधिकांश लोग ईसाई और हिंदू हैं। इस पर विवाद लगातार जारी है।

सनद रहे, जेपीसी ने इस बिल में 14 धाराओं और क्लॉज में कुल 25 संशोधन किए हैं। संशोधित बिल को19 फरवरी को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई। वक्फ अधिनियम 1995 के तहत वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन किया जाता है, लेकिन भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अतिक्रमण की शिकायतें लगातार आती रही हैं। नए संशोधन बिल में इन समस्याओं को दूर करने के लिए डिजिटलीकरण, सख्त ऑडिट, पारदर्शिता बढ़ाने और अवैध कब्जे वाली संपत्तियों को वापस लेने के कानूनी प्रावधान शामिल किए गए हैं।

जज यशवंत...

साल 2011 में सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। साल 2014 में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। जस्टिस कौर ने साल 2016 में कोर्ट में अपना बयान रिकॉर्ड कराया। मुख्य आरोपियों में से एक पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता संजीव बंसल ने कोर्ट में इस केस को बंद करने का आवेदन दिया। बंसल ने कहा कि वह सिर्फ कूरियर ब्वॉय थे और होटल व्यवसायी रवींद्र सिंह का पैसा जज निर्मल यादव तक पहुंचाने गए थे। बाद में दिसंबर 2016 में मोहाली में बंसल की मौत हो गई। इसके बाद जनवरी 2017 में उनके खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी गई। इसमें कुल 84 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हरियाणा के पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता संजीव बंसल के क्लर्क ने यह पैसा भेजा था।

साल 2010 में जस्टिस निर्मल यादव को उत्तराखंड हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। वह उत्तराखंड हाईकोर्ट से ही रिटायर हो गईं। अब वह मामला भी समाप्त हो गया। यानि, भ्रष्टाचार में लिप्त जज बेदाग हो गईं। साफ है कि भ्रष्टाचार में लिप्त कोई भी जज हो, उसे न्यायपालिका बेदाग ही रखेगी। चाहे वह जज निर्मल यादव हों या जज यशवंत वर्मा। सवाल उठ रहा है कि वर्मा के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हुई? किसी भी भ्रष्टाचारी जज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का एकाधिकार सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास ही क्यों केंद्रित है? किसी भी जज के खिलाफ शिकायत भारत के मुख्य न्यायाधीश, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या राष्ट्रपति को दी जा सकती है। अगर शिकायत हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या राष्ट्रपति को भी जाती है तो वह शिकायत भारत के मुख्य न्यायाधीश के पास ही भेज दी जाती है। वे चाहे उसे स्वीकार करें या खारिज कर दें। वी. रामास्वामी बनाम भारत संघ (1991) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्ट जजों के बचाव का ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। इस फैसले के बाद जजों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज करने का निर्णय भारत के मुख्य न्यायाधीश के हाथों में दे दिया गया।

इसी अधिकार के तहत सुप्रीम कोर्ट ने वह याचिका खारिज कर दी जिसमें जज यशवंत वर्मा पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर मामले की इन-हाउस जांच जारी है। यह जांच भी उसी तरह जारी रहेगी जैसे जज निर्मल यादव मामले में जारी थी और 17 साल बाद खारिज कर दी गई। जज यशवंत वर्मा प्रकरण के बारे में भी देश को ऐसी ही आशंका है।

पूर्व नरेश ...

साथ-साथ बहुदलीय संसदीय लोकतंत्र प्रणाली की मान्यता है। इसके साथ ही इसमें नेपाल को 'हिंदू राष्ट्र' बताया गया है, जो कि लोकतंत्र में धर्मनिरपेक्ष कर दिया गया है।नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की सुरक्षा में भारी कटौती कर दी है और उनका पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पूर्व राजा पर 7.93 लाख नेपाली रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। नेपाल के लोगों का आरोप है कि नेपाल को राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ वित्तीय अस्थिरता में भी झोंक दिया गया है। बेरोजगारी और गरीबी लगातार बढ़ रही है और नेपाल की सारी पार्टियां भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उनका ध्यान जनता के कल्याण में लगने के बजाय जनता को लूटने-खसोटने में है।

इसको देखते हुए देश में राजशाही और हिंदू राष्ट्र की बहाली की मांग उठाई जा रही है। नेपाल में राजशाही का समर्थन करने वाले कई राजनीतिक दल भी हैं। इन सबने मिलकर संयुक्त जन आंदोलन समिति बनाई है। इनका कहना है कि 1991 के संविधान को नेपाल में बहाल की जाए। समिति का कहना है कि इस संविधान में राजशाही के साथ-साथ बहुदलीय संसदीय लोकतंत्र प्रणाली की मान्यता है। इसके साथ ही इसमें नेपाल को हिंदू राष्ट्र बताया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

दाहिमा समाज द्वारा चैत्र नवरात्रि महोत्सव प्रारम्भ

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। दाहिमा समाज (रजि.) द्वारा दाहिमा युवा मंच एवं दाहिमा महिला मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में चैत्र नवरात्रि महोत्सव 2025' का आयोजन रविवार दि. 30 मार्च से रविवार दि. 6 अप्रैल तक चूडी बाजार स्थित दाहिमा मन्दिर में किया जा रहा है। उक्त जानकारी यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति मंत्री सत्यप्रकाश डोबा द्वारा दी गई।

संवत् 2082 चैत्र प्रतिपदा उगादी पर्व के अवसर पर मध्याह्न 12:15 बजे चूडी बाजार स्थित दाहिमा मंदिर में अध्यक्ष सुरेश गाँधी दम्पत्ति एवं कार्यक्रम मुख्य यजमान रामकुमार खेमचन्द करेशिया परिवार द्वारा घट स्थापना की गई तत्पश्चात दुर्गा सप्तसति पाठ किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम आचार्य भवानी शंकर केरिया के आचार्यत्व मे सम्पन्न हुए। नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिवस दाहिमा महिला मण्डल द्वारा सायं 5:01 बजे ज्ञानबाग कॉलोनी स्थित शंकरलाल सुरेन्द्र आचार्य डोबा के निवास स्थान से गणगौर शोभा यात्रा बाजे-गाजे के साथ प्रारम्भ होकर चूडी बाजार स्थित दाहिमा मंदिर पहुँची। तत्पश्चात महिलाओं द्वारा ईसरजी, गौराजी की पूजा-अर्चना की गई। रात्रि 7:31 बजे से अरुण दाधीच द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। दाहिमा समाज द्वारा राजस्थानी परम्परानुसार मुख्य भजन गायक अरुण दाधीच एवं पार्टी का साफा एवं पुष्पहार द्वारा सम्मान किया गया। नवरात्रि महोत्सव अन्तर्गत नित्य प्रातः 9:01 बजे दुग्धाभिषेक, सायं 6:31 बजे कुंकुम अर्चना, रात्रि 8:31 बजे भजन-संकीर्तन एवं रात्रि 10:31 शयन आरती की जायेगी।

इस अवसर पर अध्यक्ष सुरेश गाँधी, उपाध्यक्ष रमेश गाँधी, मुख्य यजमान रामकुमार खेमचन्द करेशिया, मंत्री सत्यप्रकाश डोबा, सुरेश खटोड़, नन्दकिशोर काकड़ा, श्यामसुन्दर तिवारी (एलआईसी), पवन जोपट, मधुसूदन गोटेचा, मनीष सूँठवाल, जगदीश करेशिया, राधेश्याम गोठड़ीवाल, रमाकान्त जोशी, महेश व्यास, राजेश दाहिमा (बोरायडा), मुरलीमनोहर तिवारी, संजयकुमार तिवारी, सागर जोपट, नवनीत खटोड़, गणेश जोपट, राजेन्द्र बोरायडा, श्यामसुन्दर तिवाड़ी, बाबुलाल खटोड़, भंवरलाल रिणवा, वेणुगोपाल व्यास, सुभाष करेशिया, राजगोपाल बोरायडा, कैलाशपति तिवारी, शरद खटोड़, राधेश्याम डोबा, सागर गाँधी, विशाल व्यास, मनीष गाँधी, गोपाल काकडा, अनिल रतावा, सुनील रतावा, अभिलाष गाँधी, लक्ष्मीनिवास भेडा, गोपाल डोबा, गोपाल खटोड, रुपेश काकडा, कुन्दन सूँठवाल, संदीप जोपट व्यास, तरुण बोरायडा, हरीश दाहिमा के अतिरिक्त दाहिमा युवा मंच एवं दाहिमा महिला मण्डल के अध्यक्ष किरण डोबा, मंत्री सारिका तिवाडी, सूर्या डोबा, हंसा तिवारी, श्रीकांता जोपट, चंदा काकडा, रिणा डोबा, नीतू डोबा, प्रज्ञा डोबा, मीनाक्षी जोपट, शीतल रतावा, संतोष बोरायडा, प्रेरणा बोरायडा, सुष्मिता डोबा, अर्चना गांधी, किरण गांधी, सुचित्रा जोपट, पूनम खटोड, मोनिका खटोड, दुर्गा तिवारी, स्नेहा तिवारी, रेखा तिवारी, वर्षा पल्लोड, सीमा खटोड, प्रिया शर्मा, बबीता रतावा, जयश्री तिवाड़ी, अंजना बोरायडा, साक्षी बोरायडा, पूजा बोरायडा, मंजू जोपट, प्रेमा रिण्वा, खुशी चिपडा, सरिता बिसवा, पारू डोबा, रंजना डोबा, बबीता रतावा, अरुणा काकडा, अंजू रिण्वा एवं समस्त महिलाओं एवं अन्य उपस्थित थे।

नवरात्रि महोत्सव के संयोजक श्यासुन्दर तिवाड़ी (एलआईसी), गणेश जोपट, पवन जोपट एवं महेश व्यास ने सभी समाज बन्धुओं से नवरात्रि महोत्सव अन्तर्गत आयोजित समस्त कार्यक्रमों में सपरिवार पधारकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

तेलंगाना मंत्रिमंडल का विस्तार कल संभव

सीएम ने चुनाव आयोग से मांगी मंजूरी

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुवार दि. 3 अप्रैल को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं, जो चुनाव आयोग (ईसी) की मंजूरी पर निर्भर करेगा। चूंकि 23 अप्रैल को होने वाले स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों के कारण हैदराबाद में आदर्श आचार संहिता लागू है, इसलिए राज्य सरकार राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह के लिए चुनाव आयोग से अनुमति मांग रही है।

रविवार को मुख्यमंत्री ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से बंद कमरे में मुलाकात की, जहां उन्होंने कथित तौर पर मंत्रिमंडल विस्तार की योजनाओं पर चर्चा की। उम्मीद है कि राज्यपाल 3 अप्रैल को शपथ दिलाएंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कैबिनेट में चार नए मंत्री शामिल किए जाएंगे, जबकि दो पद खाली रह सकते हैं। हालांकि, ऐसी भी अटकलें हैं कि सभी छह खाली पदों को भरा जा सकता है।

पार्टी ने नए मंत्री पदों के लिए किसी नाम का खुलासा नहीं किया है। कैबिनेट पदों के लिए विधायकों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते कांग्रेस नेतृत्व ने अंतिम चयन के बारे में सख्त गोपनीयता बनाए रखी है।

माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल हैदराबाद का जागरण 5 को

जागरण हेतु भूमि पूजन सम्पन्न

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार, 5 अप्रैल 2025 को नुमाइश मैदान में होने वाले माँ वैष्णो देवी के विशाल जागरण हेतु भूमि पूजन विधि-विधान के साथ किया गया।

आज यहाँ नुमाइश मैदान में कार्यक्रम स्थल पर पंडाल का निर्माण करने हेतु भूमि पूजन पंडित संजय शर्मा के आचार्यत्व में पंडितों द्वारा किया गया। इसमें रामकिशन अग्रवाल, राकेश नरसिंगपुरिया सहित अन्य ने पूजन विधान को पूर्ण करवाया। मंडल द्वारा बताया कि हर वर्ष की तरह माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल द्वारा माँ भगवती का विशाल जागरण 5 अप्रैल को नुमाइश मैदान में रात 8.21 से आयोजित किया जाएगा। अवसर पर माता का भव्य दरबार, छप्पन भोग, अखंड ज्योत, माता का खजाना एवं लंगर प्रसाद, तारारानी की कथा, आरती का

आयोजन किय जाएगा। अवसर पर गायक अहमदाबाद की गीता राबरी, प्रयागराज की जूली सिंह, नगर के मुरारी दाहिमा भजनों की प्रस्तुति देंगे। मंडल ने सभी भक्तों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। जागरण में अतिथि के रूप में पधारने हेतु गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह जी, महेश बैंक डायरेक्टर गोविंद राठी, महेश बैंक के चेयरमैन श्री रमेश कुमार बंग, तथा वाईस चेयरमैन श्री लक्ष्मीनारायण राठी एवं अन्य को निमंत्रण पत्र देते हुए मंडल के राकेश नालपुरिया एवं कमल जाजू।अवसर पर रामकिशन अग्रवाल, ए. के. अग्रवाल, राकेश नरसिंगपुरिया, संजय अग्रवाल (राजस्थानी), अंजनी कुमार सारावगी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राकेश जालान, सूर्यक्रमल गुप्ता, धीरज कुमार अग्रवाल, प्रवीण नावंदर, हरिओम गर्ग, कमल आकाश जाजू, प्रदीप अग्रवाल, दिनेश टिबरेवाल, श्यामलाल गोयनका, राजेन्द्र अग्रवाल, त्रिलोक अग्रवाल, जोगीराम अग्रवाल, बिक्की सराफ, महेश कुमार अग्रवाल, मदन सिंह सांखला, रवि मित्तल, विकास अग्रवाल, ललित अग्रवाल, पुनीत गुप्ता, विकास कुमार, सज्जन कुमार सराफ, रमेश कुमार अग्रवाल, संदीप गोयल, वरुण कौशिक, नारायण चौधरी, नरेशअग्रवाल, आनंद अग्रवाल, शंकर पोद्दार, प्रमोद कुमार रूंगटा, नरेश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, रामफल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, महेश कुमार ताजपुरिया, विठ्ठल अटल, नरेश गर्ग, सुनील कुमार अग्रवाल, संजय अग्रवाल, महेन्द्र अग्रवाल, विकास हिसारिया, गणेश अग्रवाल, सुशील कुमार अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, संदीप मित्तल, अशोक बंसल, नितिन अग्रवाल, एस. के. अग्रवाल, गोपाल त्यागी, दीपक अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, श्रवण कुमार अग्रवाल, अशोक मित्तल, आनंद बंग, किशन कुमार अग्रवाल,आशीष दोचानिया, अमित सरावगी, संदीप कुमार मारड़िया, अनूप कुमार, मुकेश कुमार अग्रवाल, राजू अग्रवाल, जितेन्द्र कुमार बैद, संतोष गुप्ता, राकेश अग्रवाल, अशोक मिडा, अश्विन अवस्थी, हर्ष अग्रवाल, रजनीशकांत अग्रवाल, विकास सराफ, मोहित कुमार अग्रवाल, अनिरुद्ध गुप्ता, सुनील

कुमार दुग्गड़, राजेन्द्र कुमार दरक, विभोर कुमार तुलस्यान, रूपेश अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, विशंभर अग्रवाल, कमल कुमार नाहटा, पवन अग्रवाल, राकेश कुंडलिया, संदेश अग्रवाल, मनीष तालुका, अचल गुप्ता, अनिल सुरेखा, जगदीश सारड़ा, पवन गुरु व अन्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को स्व. श्रीमती भगीरथबाई गोयल की पुण्यतिथि पर मुन्नालाल सूरजभान गोयल परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल,रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, कीर्ति गोयल, गोपाल गोयल, ई. जगन, महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता, संजय गोयल, मायारामजी अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, भगतराम गोयल, राजेश योगा सरजी, रोहित अग्रवाल, अशोक गुप्ता एस.जे, समीर गोयल, एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

निजामाबाद में शिशु के अपहरण और हत्या के आरोप में 2 लोग गिरफ्तार

निजामाबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक शिशु का अपहरण कर उसकी हत्या करने के आरोप में सोमवार, 31 मार्च को दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।आरोपी की पहचान 52 वर्षीय बोसले माला बाई और उसके बेटे 33 वर्षीय गोपाल ब्रूसली के रूप में हुई है, दोनों महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं और निजामाबाद में भिक्षा मांगकर अपना जीवन यापन करते थे।रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों की अपनी रिश्तेदार कमला बाई के साथ लंबे समय से दुश्मनी थी, उन्हें संदेह था कि वह अपने बच्चों, जिनमें एक शिशु भी शामिल है, का इस्तेमाल करके अधिक कमाई करती है।

नि:शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर 7 को

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रूप, हैदराबाद एवं आरजे इंसप्यारेशंन हैंदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आगामी सोमवार दि. 7 अप्रैल को नामपल्ली स्थित पोट्टी श्रीरामलू तेलुगू विश्वविद्यलाय के पीएसटीयू मुख्य सभागार मेंनिशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर तथा गरीब विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए चेक वितरित कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया गया कि निःशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर दोपहर 2.00 से 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। तत्पश्चात जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित किये जाएंगे। आगे जानकारी देते हुए बताया गया कि चेक वितरण कार्यक्रम में तेलगांना के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, तेलगांना के महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अनसूया दानाश्री, आंध्र प्रदेश एवं तेलगांना के आयकर आयुक्त जीवनलाल लावडिया तथा फिल्म अभिनेत्री सुमन तलवार मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। कार्यक्रम में डा सुचित्रा रेड्डी (पेद्दी राकेश रेड्डी फाउंडेशन) ,श्रीमति वनश्री गोयंका, सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, उमा कार्तिक एवं महेश अग्रवाल सम्मानीय अतिथि के रूप में भाग लेंगे। निःशुल्क चिकित्सा जाँच शिविर में नगरद्वय के प्रसिद्ध डाक्टर अपनी सेवाएँ देंगे।विद्यार्थियों की सहायतार्थ चेक वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लेने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा को आमंत्रित करते हुए राधे राधे ग्रूप हैदराबाद, सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सतीश कुमार गुप्ता एवं आरजे इंस्पायरेशन के चेयरपर्सन उमा कार्तिक तथा संस्था के सदस्य।

एरिका किचनवेयर का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद/ प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रयागराज (उ.प्र.)स्थित कस्तूरबा गांधी लूकस स्कूल के सामने एरिका किचनवेयर होटल वेयर एंड गिफ्टिंग सॉल्यूशन का उद्धाटन कैबिनेट औद्योगिक विकास निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल नंदी के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर रवि प्रकाश, मयूरा, शैफरोन डायरेक्टर सनतनगर विमल गुप्ता,वैशवी गुप्ता,श्रषभ प्रकाश,कियशं व अन्य।

श्री नंदी ने इस अवसर पर एरिका शोरूम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि प्रयागराज में उद्यमी वैशवी गुप्ता, ऋषभ प्रकाश द्वारा यह ऐसा पहला शोरूम है जहां किचन होटल तथा गिफ्ट के आइटम विकास एवं अर्थव्यवस्था नगर की प्रकृति एवं जनता की समृद्धि व शहर की उन्नति एवं टूरिज्म हब के लिए खोला गया है ।

कार्यक्रम में रामजीलाल रवि प्रकाश, मयूर गुप्ता, वैशवी गुप्ता, ऋषभ प्रकाश कियाशं प्रकाश, हैदराबाद से सैफरन के निदेशक विमल गुप्ता, विनीत गुप्ता, भाग्यश्री व अन्य उपस्थित थे। माथुर दक्षिणांचल अध्यक्ष सपना गुप्ता ने एरिका नया शो रूम पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उस्मानिया विश्वविद्यालय ने कार्यक्रमों और अतिथियों पर प्रतिबंध लगाए

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परिसर में विरोध प्रदर्शन पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध के बाद, उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) ने कार्यशालाओं, सम्मेलनों और अतिथि व्याख्यान जैसे कार्यक्रमों के आयोजन पर नए प्रतिबंध लगाए हैं।विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार द्वारा जारी परिपत्र में कार्यक्रम के पोस्टर प्रकाशित करने के लिए पूर्वानुमति अनिवार्य कर दी गई है तथा विभागों को आमंत्रित अतिथियों और विशेषज्ञों का विवरण उपलब्ध कराना आवश्यक कर दिया गया है।विश्वविद्यालय ने इस कदम को उचित ठहराते हुए कहा कि आमंत्रित अतिथियों की अनुमति के बिना पोस्टर प्रकाशित किए जा रहे थे, जिससे शर्मनाक स्थिति पैदा हो रही थी, क्योंकि कई अधिकारी सरकारी बैठकों में व्यस्त थे।सर्कुलर में उद्घाटन या समापन सत्र के लिए 45 मिनट की सीमा तय की गई है और मंच पर बहुत अधिक मेहमानों को आमंत्रित करने से मना किया गया है। इसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि कार्यक्रमों में औपचारिक पहलुओं की तुलना में विषय-वस्तु को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।अतिरिक्त दिशा-निर्देशों में केवल जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के माध्यम से प्रेस नोट जारी करना और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ को एक प्रति प्रस्तुत करना शामिल है। विभागों को प्रत्येक कार्यक्रम का एक पृष्ठीय परिणाम रिपोर्ट और जियो-टैग्ड फोटोग्राफ के साथ दस्तावेजीकरण भी करना होगा। इस निर्णय की संकाय सदस्यों के बीच आलोचना हुई है, जो इसे अत्यधिक प्रतिबंधात्मक मानते हैं।उस्मानिया विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के सदस्यों ने निराशा व्यक्त करते हुए इन उपायों को निरंकुश बताया।उन्होंने तर्क दिया कि प्रत्येक कार्यक्रम के लिए अनुमति की आवश्यकता से संकाय सदस्य कार्यक्रम आयोजित करने से हतोत्साहित होंगे, जिससे अंततः हितधारकों को नुकसान होगा।उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले कैंपस में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अब हमें कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भी अनुमति की आवश्यकता है। यह अनुचित है। संकाय सदस्यों को पहले से ही अनुमति के लिए अधिकारियों से मिलने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है।

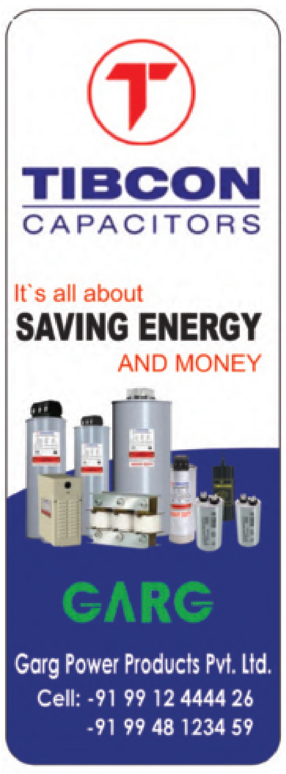

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 22°

शेयर मार्केट

बीएसई : 76,024.51
-1390.41 -1.80% ↓
एनएसई :23,165.70
-353.65 (-1.50%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 93,690/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,01,883/-
(प्रति किलोग्राम)

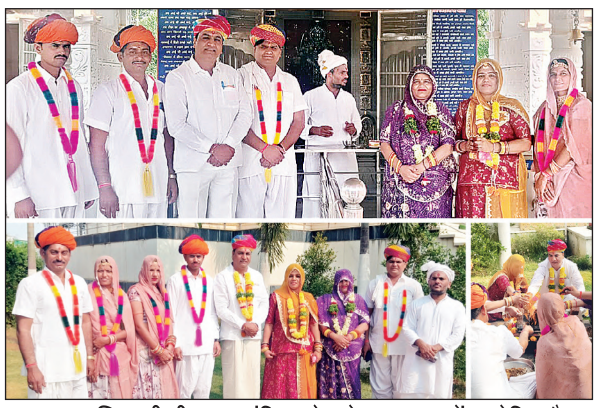

शमशाबाद स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव के तहत रविवार को हवन का आयोजन किया गया। शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुति दी। अवसर पर उपस्थित जगदीश काग, रतनलाल बर्फा, जोराराम बर्फा,उदाराम बर्फा, सुशीला देवी, सन्तोष देवी,मोहनी देवी, देवी बर्फाव अन्य।

राजस्थान से पधारे प्रभु महाराज विश्वकर्माजी ने राजस्थान के नवदुर्गा आश्रम, बैरा - कुड़ी, ग्राम झूंठा, जि. पाली, राजस्थान में आगामी 15 मई से 21 मई को आयोजित होने वाली भागवत कथा व रामदेव बाबा एवं देवनारायण भगवान की प्राण प्रतिष्ठा हेतु आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत को निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर भँवरलाल अलोदिया, धन्नाराम गुगवाण, रामकिशोर भड़लीवाल, सुरेशकुमार घोड़ावड़ उपस्थित थे।

प्रेमलता व्यास के निवास पर आयोजित गणगौर कार्यक्रम में उपस्थित प्रेमलता व्यास, ज्योति व्यास, प्रियंका पांडिया, मोनिका नगला, शोभा उपाध्याय, वर्षा उपाध्याय, राधा सुनीता उपाध्याय एवं अन्य।

उगादी एवं नवरात्र के शुभ अवसर पर गांधी भवन में टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ को शॉल द्वारा सम्मान करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के सिंह।

तिरुमलगिरि, दुर्गा विहार में गणगौर पूजा करते हुए कमला राठौड़, पूजा राठौड़, वर्षा राठौड़ और नुपूर राठौड़।

राजीव युवा विकासम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 14 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने राजीव युवा विकासम के तहत सब्सिडी वाले ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 5 अप्रैल से बढ़ाकर 14 अप्रैल कर दी है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने 31 मार्च, सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों के साथ समीक्षा के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिए।इस योजना के तहत, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के शिक्षित युवाओं को चार श्रेणियों के तहत ऋण के साथ स्वरोजगार शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी।

अप्रैल से जून तक तेलंगाना में सामान्य से अधिक तापमान और लू का सामना करना पड़ सकता है : आईएमडी

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, तेलंगाना में अप्रैल से जून तक सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है, तथा लू के दिनों में भी वृद्धि होगी।आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि तेलंगाना समेत मध्य और पूर्वी भारत में सामान्य से ज़्यादा गर्मी वाले दिन देखने को मिलेंगे। अन्य राज्यों में सामान्य से ज़्यादा गर्मी वाले दिन देखने को मिल सकते हैं, जिनमें राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक और तमिलनाडु के उत्तरी हिस्से शामिल हैं।

इस अवधि के दौरान राज्य में आमतौर पर चार से सात दिन लू चलती है, लेकिन इस वर्ष यह संख्या काफी अधिक होने की उम्मीद है। आईएमडी की रिपोर्ट बताती है कि तेलंगाना में अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों सामान्य से ऊपर रहेंगे। अप्रैल में विशेष रूप से गर्मी पड़ने की उम्मीद है, जिसमें तापमान सामान्य से अधिक रहेगा।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग में वृद्धि हो सकती है, तथा अधिकतम बिजली खपत में अनुमानतः 9-10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।अधिकारियों ने लोगों को अत्यधिक गर्मी के प्रति सावधानी बरतने तथा आगामी महीनों में गर्म एवं शुष्क मौसम की स्थिति के लिए तैयार रहने की सलाह दी है।

तेलंगाना में अगले पांच दिन बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने का अनुमान

तेलंगाना में अगले पांच दिन में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और तेज हवाओं के साथ तूफान आने का अनुमान है। यह जानकारी मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को दी।

यहां जारी दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया कि अगले सात दिनों में तेलंगाना के अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना में मौसम शुष्क रहा। रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को तेलंगाना के आदिलाबाद में सबसे अधिक 41.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

अग्रवाल समाज की घांसी बाजार झूला शाखा की महिला समिति द्वारा श्री राणी सती दादी मन्दिर में एक दिवससीय सामुहिक गणगौर पुजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 175 सुहागिनौ ने ईसर व गणगौर का पूजन किया गया। सभी आगंतुक महिलाओं कौ सुहाग के प्रतीक उपहार स्वरूप दिये गये। इस अवसर पर समिति की मुख्य संयौजिका शरमिला अग्रवाल सहित सहसंयौजिका मीना अग्रवाल,पूजा संघी मीनू अग्रवाल सारिका अग्रवाल व हेमा अग्रवाल भी उपस्थित थी. कार्यक्रम के समापन कैअवसर पर शाखाध्यक्ष गौविंराम पचेरिया उपाध्यक्ष यौगेन्द्र कटारुक परामर्रश दाता अनिल धरसुवाला आए।

अग्र महिला मंच तेलंगाना के सदस्यों ने गणगौर पूजन वंदना अग्रवाल के निवास पर किया । पूजन के अवसर पर ईसर गौर के मधुर गीत, पानी पिलाने के गीत, आरते के गीत गाकर गणगौर को विदा किया गया। इस अवसर पर दीपा गर्ग, अंजू गोयल, वंदना अग्रवाल, सृष्टि गर्ग, कृतिका अग्रवाल, आयिषिका अग्रवाल, शिवानी गोयल, युविका अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, सपना अग्रवाल, मधु गोयल, दिव्या अग्रवाल, व माईशा गोयल ने गणगौर की पूजा की ।

श्री सिखवाल बाह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्री राम दरबार पंचायतीबाड़ा में भगवान श्री विष्णु जी का प्रथम अवतार मत्स्य अवतार एवं गणगौर महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाज बंधु व गणगौर महोत्सव मनाती हुईं महिलाएं।

पुरानापुल स्थित शीतला माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में वरिष्ठ राजनायिक रमेश सिंह लोध द्वारा आयोजित अन्नप्रसादी में भाग लेते हुए श्री परशुराम सेवा मंडल अध्यक्ष नवरतन इंदौरिया, भाजपा नेता बालाजी हिवरे, अमर सिंह लोध एवं अन्य।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, HANUMANTHU Father of Service No. 15795753N Hav POTTEPOGU KASAIAH, R/o.H.No.10-66, Mundlapadu, Venkatapuram, KristamSettiPalle, Prakasam Dist, Andhra Pradesh-523357 have changed my name and DOB from HANUMANTHU, DOB:01-07-1961 to POTTEPOGU HANUMANTHU, DOB:01-01-1951 vide affidavit dt:01-04-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, P MARIAMMA Mother of Service No. 15795753N Hav POTTEPOGU KASAIAH, R/o.H.No.10-66, Mundlapadu, Venkatapuram, KristamSettiPalle, PrakasamDist, Andhra Pradesh-523357 have changed my name and DOB from P MARIAMMA, DOB:01-07-1968 to MARIAMMA POTTEPOGU, DOB:01-01-1966 vide affidavit dt:01-04-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Ananda Latha, wife of No 15815977X Hav Clk (SD) Guruvaiah Gudime resident of Pamurupalli, Komarole, Prakasham, AP-523373 have changed my name from ANANDA LATHA to GUDIME ANANDA LATHA vide Affidavit No 41AA 024528 date 25 Mar 2025.

CHANGE OF NAME

I SERVICE NUMBER JC773121W SUBEDAR SUBALAL SINGH, UNIT EME RECORDS, R/O VILL BADRIGARH, PO-PURAN, PS -SHAHAR TELPA, DIST- ARWAL, STATE -BIHAR, PIN-804419 HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME FROM VARSHA YADAV TO VARSHA KUMARI DOB 11-05-2010 VIDE EXECUTIVE MAGISTRATE DIST ARWAL AFFIDAVIT NO 5889/25 dated 05 Mar 2025

एक इंच भी यूओएच का नहीं है : 400 एकड़ कांचा गच्चीबावली भूमि पर तेलंगाना के मंत्री

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि कांचा गच्चीबावली, सर्वे नंबर 25 में 400 एकड़ भूमि का स्वामित्व अधिकार पूरी तरह से राज्य सरकार के पास है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस सरकार ने इन अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में सफलतापूर्वक कानूनी लड़ाई लड़ी, तथा कहा कि इस भूमि का एक इंच भी हैदराबाद विश्वविद्यालय का नहीं है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस भूमि से संबंधित कोई भी विवाद न्यायालय की अवमानना के अंतर्गत आएगा।

रेड्डी ने इस क्षेत्र में सरकार की परियोजनाओं का विरोध करने वाले राजनीतिक नेताओं की आल-ोचना करते हुए दावा किया कि वे कुछ रियल एस्टेट हितों के लाभ के लिए छात्रों को गुमराह करते हैं और सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाते हैं।

उन्होंने ये टिप्पणियां हैदराबाद विश्वविद्यालय से जुड़े भूमि विवाद पर आयोजित एक संवाददाता

सम्मेलन के दौरान कीं।

मंत्री ने भूमि आवंटन का इतिहास विस्तार से बताते हुए कहा कि 13 जनवरी 2003 को तत्कालीन सरकार ने यह भूमि आईएमजी एकेडमीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित की थी।

उन्होंने कहा, हालांकि, कंपनी द्वारा अपनी परियोजना शुरू करने में विफल रहने के कारण, 21 नवंबर 2006 को आवंटन रद्द कर दिया गया और इसे आंध्र प्रदेश युवा उन्नति, पर्यटन और सांस्कृतिक विभाग को सौंप दिया गया।

रेड्डी ने बताया कि 2006 में आईएमजी अकादमियों ने इस निर्णय को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की थी।

उन्होंने कहा, विभिन्न प्रशासनों के दौरान- जिनमें रोशैया, किरण कुमार रेड्डी और केसीआर के नेतृत्व वाले प्रशासन भी शामिल हैं- सरकार ने अपना रुख बनाए रखा कि यह ज़मीन उनकी है। उच्च न्यायालय ने 7 मार्च, 2024 को सरकार के पक्ष में फ़ैसला सुनाया। आईएमजी अकादमियों ने बाद में इस फ़ैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली; उनकी याचिका 3 मई, 2024 को खारिज कर दी गई।

19 जून 2024 को टीजीआईआईसी ने इस जमीन पर आईटी और अन्य प्रोजेक्ट डेवलपमेंट के लिए प्रस्ताव पेश किए थे। इसके बाद 24 जून को राजस्व विभाग ने जमीन पर अधिकार टीजीआईआईसी को हस्तांतरित करने के आदेश जारी किए।

रेड्डी ने बताया कि राजस्व अधिकारियों ने सीमाओं की पुष्टि के लिए 1 जुलाई को सर्वेक्षण किया और पाया कि भूमि वन सीमा के अंतर्गत नहीं है।मंत्री ने आगे बताया कि 19 जुलाई को विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ किए गए सर्वेक्षण के दौरान यह पुष्टि हुई कि टीजीआईआईसी द्वारा विकसित किए जा रहे 400 एकड़ क्षेत्र में कोई झील या अन्य जल निकाय नहीं हैं।

उन्होंने कहा, क्षेत्र में हरित स्थानों और प्राकृतिक चट्टान संरचनाओं को संरक्षित करने के लिए योजनाएं चल रही हैं।

इस भूमि हस्तांतरण को लेकर चल रहे विवादों के मद्देनजर, सोमवार 31 मार्च को मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा 400 एकड़ से संबंधित दस्तावेज जारी किए गए।

इन दस्तावेजों से पता चलता है कि सर्वेक्षण संख्या 25 में पहले आवंटित 534.28 एकड़ भूमि तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार को हस्तांतरित कर दी गई थी, जिसने बाद में गोपनपल्ली में 397.16 एकड़ भूमि मुआवजे के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय को वापस आवंटित कर दी थी।

दस्तावेजों में तत्कालीन रजिस्ट्रार वाई नरसिम्हा राव के हस्ताक्षर भी शामिल थे।

हैदराबाद विवि भूमि विवाद

क्या गांधी परिवार इसे बचाने के लिए हस्तक्षेप करेगा ?

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बहुत कम लोग जानते हैं कि हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू), जो बाद में हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) बन गया, की स्थापना का गांधी परिवार के साथ बहुत गहरा संबंध है।1969 में पृथक तेलंगाना राज्य के लिए हुए आंदोलन के दौरान लकडीकापुल के निकट द्वारका लॉज के सामने गोली मारकर मारे गए तेलंगाना के शहीदों की तस्वीर ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को इतना द्रवित कर दिया था कि वह न केवल तुरंत हैदराबाद पहुंचीं, बल्कि लोगों को यह आश्वासन भी देती रहीं कि वह उनके लिए मौजूद हैं।उन्होंने दोनों क्षेत्रों के नेताओं से बातचीत की और आठ सूत्री फॉर्मूला बनाया। उनमें से एक बिंदु यह था कि संसद के एक अधिनियम (1974 का अधिनियम संख्या 39) के माध्यम से हैदराबाद विश्वविद्यालय की स्थापना कैसे हुई। यह शुरू में भारत की कोकिला सरोजिनी नायडू के एबिड्स स्थित निवास गोल्डन थ्रेशोल्ड से संचालित होता था, जिसे उन्होंने शिक्षा के उद्देश्य के लिए समर्पित किया था।

इंदिरा गांधी ने ही हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर का उद्घाटन किया था और उनके बेटे और अगले प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह में भाग लिया था। चाहे रोहित वेमुला का आंदोलन हो या विश्वविद्यालय में उनका कभी-कभार आना-जाना, यहां तक कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी परिवार के साथ अपने रिश्ते को बनाए रखा।हैदराबाद विश्वविद्यालय की स्थापना 1974 में सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान की 5,000 एकड़ भूमि पर की गई थी, जिनके समय में तत्कालीन हैदराबाद राज्य को 1948 में ऑपरेशन पोलो नामक सैन्य कार्रवाई के माध्यम से भारतीय संघ में मिला लिया गया था।प्रोफेसर गुरबख्श सिंह, जो पहले कुलपति थे, ने देश और दुनिया भर के विषय विशेषज्ञों को एक साथ लाकर विश्वविद्यालय का निर्माण किया, जिसका उद्देश्य हैदराबाद विश्वविद्यालय को नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों जैसा महान बनाना था।गुरबख्श सिंह ने विश्वविद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण करने के कई प्रयासों का विरोध किया। यहां तक कि जब 1980 में मैरी चेन्ना रेड्डी ने विश्वविद्यालय को नागार्जुन सागर में स्थानांतरित करने का प्रयास किया, तो सिंह ने इस मुद्दे को दिल्ली और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक पहुंचाया, जिन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि उसे यूओएच के मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है, मधुसूदन यादव, एक सेवानिवृत्त परिसर कर्मचारी और तेलंगाना के कट्टर कार्यकर्ता, जिन्होंने अपने जीवन के 30 से अधिक वर्ष गोल्डन थ्रेशोल्ड से शुरू करके बिताए, याद करते हैं।गुरबख्श सिंह ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने उन दिनों विश्वविद्यालय परिसर के चारों ओर एक मजबूत दीवार बनवाई थी, ताकि उस समय भी विश्वविद्यालय की भूमि को अतिक्रमण से बचाया जा सके।गोल्डन थ्रेशोल्ड इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि महात्मा गांधी अक्सर इस स्थान पर आते थे और उन्होंने यहां एक वृक्ष भी लगाया था।बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र संकाय के डॉ. मोहम्मद अब्बास के अनुसार, महात्मा गांधी के पोते दार्शनिक डॉ. रामचंद्र गांधी ने हैदराबाद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद से सिर्फ एक दिन में इस्तीफा दे दिया था, जब गोल्डन थ्रेशोल्ड पर महात्मा गांधी द्वारा लगाए गए पेड़ को नुकसान पहुंचाया गया था।मधुसूदन यादव ने बताया कि हैदराबाद विश्वविद्यालय की 1,500 एकड़ जमीन जीएमसी बालयोगी स्टेडियम के निर्माण के लिए दी गई थी, जब एन चंद्रबाबू नायडू संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री थे। इसके अलावा, 200 एकड़ जमीन पूर्व एपी मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी ने तेलंगाना गैर-राजपत्रित अधिकारियों (टीएनजीओ) को दी थी, और बस डिपो सहित विभिन्न अन्य बुनियादी ढांचे के लिए सैकड़ों एकड़ जमीन भी आवंटित की गई थी।उनका दावा है कि वर्तमान में हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास लगभग 2,000 एकड़ जमीन बची है। राजस्व विभाग द्वारा दावा किया जा रहा 400 एकड़ जमीन उस 2,000 एकड़ में आती है या नहीं, यह एक चिंताजनक सवाल है।यादव सवाल करते हैं, कुलपति इस आंदोलन का नेतृत्व आगे आकर क्यों नहीं कर रहे हैं? साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, जो विश्वविद्यालय की कुलाधिपति हैं, संवैधानिक रूप से उनके अधीन विश्वविद्यालय में हो रही वनों की कटाई पर तेलंगाना के मुख्य सचिव को नोटिस जारी करेंगी।

भूमि विवाद: क्यों नहीं बच पाएगी 400 एकड़ जमीन?

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) की 400 एकड़ जमीन पर नियंत्रण करने और उसे नीलाम करने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ छात्र भले ही विरोध जता रहे हों, लेकिन एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण तकनीकी वजह से तेलंगाना सरकार को अपनी मर्जी से जमीन पर कब्जा करने का मौका मिल सकता है। सच तो यह है कि यूओएच जिस जमीन पर काम करता है, वह आज भी राज्य की है। यह बात तब से लागू होती आ रही है, जब से इसकी स्थापना हुई है, क्योंकि जमीन कभी भी औपचारिक रूप से विश्वविद्यालय को हस्तांतरित नहीं की गई।

हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बावजूद प्रशासन ज्यादा कुछ नहीं कर सकता क्योंकि 400 एकड़ जमीन दो दशक पहले कानूनी तौर पर राज्य सरकार को दी गई थी। एक अधिकारी ने बताया, यह बहुत स्पष्ट है कि अदालत ने जमीन राज्य को दे दी है। करीब 20 साल पहले 2003-04 के आसपास, यूअ-ोएच की करीब 600 एकड़ जमीन गचीबोवली स्टेडियम और इसके अलावा आसपास की अन्य चीजों के निर्माण के लिए ली गई थी।

तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) के अनुसार, 400 एकड़ भूमि आईएमजी अकादमी भारत लिमिटेड को 2003 में पूर्ववर्ती संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा विकास के लिए दी गई थी। राज्य ने अंततः इसे वापस मांग लिया क्योंकि इसका उपयोग नहीं किया जा रहा था और इस मुद्दे पर अदालत में चला गया था। टीजीआईआईसी ने यह भी कहा कि इस 400 एकड़ भूमि के बदले में, राज्य ने हैदराबाद विश्वविद्यालय को 397 एकड़ भूमि दी थी, जिसकी तारीख 3 फरवरी, 2004 थी। टीजीआईआईसी ने कहा कि कानूनी तौर पर हैदराबाद विश्वविद्यालय का इस 400 एकड़ पर कोई दावा नहीं है क्योंकि उसे इसके बदले में 397 एकड़ जमीन कहीं और दी गई थी। इसके अलावा, मामले का तथ्य यह है कि जिस जमीन पर परिसर बना हुआ है, वह भी अभी भी विश्वविद्यालय की नहीं है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, हम तेलंगाना सरकार से भी बात करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम कम से कम जैव विविधता को संरक्षित कर सकें। जेसीबी या पुलिस को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी। हम चाहते हैं कि राज्य सरकार इस पर पुनर्विचार करे क्योंकि पर्यावरण संबंधी मुद्दों का ध्यान रखा जाना चाहिए। हम उनसे यह भी कहना चाहते हैं कि वे जमीन हमें सौंप दें। प्रशासन ने जमीन को विश्वविद्यालय के नाम पर करने के लिए कई पत्र लिखे हैं, लेकिन ऐसा नहीं किया गया है।

एक दिन पहले 31 मार्च को हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर से परेशान करने वाले दृश्य सामने आए थे, जिसमें पुलिस को 100 से अधिक छात्रों को हिरासत में लेते हुए देखा जा सकता था, जो 400 एकड़ भूमि को साफ करने के लिए लाए गए जेसीबी के खिलाफ विरोध कर रहे थे। इसके अलावा, हालांकि वहां जैव विविधता, जानवर और प्राचीन चट्टान संरचनाएं हैं, लेकिन भूमि को वन क्षेत्र के रूप में नामित नहीं किया गया है। यही वह आधार भी है जिस पर टीजीआईआईसी का कहना है कि 400 एकड़ जमीन को कभी भी वन भूमि के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया। निगम ने यह भी कहा कि राज्य वन विभाग उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर रहा है जिसमें कहा गया है कि यह वन भूमि नहीं है।

यह ध्यान देने योग्य है कि तेलंगाना के उप मंत्री भट्टी विक्रमार्क और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू दोनों ही यूओएच से हैं। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई ज्ञापन मिलता है तो वे यूओएच की जमीन को विश्वविद्यालय के नाम पर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर देंगे। भट्टी ने यह भी कहा कि वे विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ दर्ज किए गए मामलों को वापस लेने पर विचार कर रहे हैं।

कांचा गच्चीबावली के जंगल को नष्ट करने से पारिस्थितिकी संकट उत्पन्न हो सकता है : रिपोर्ट

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक शोध रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि यदि तेलंगाना सरकार हैदराबाद विश्वविद्यालय के भीतर 400 एकड़ के कांचा गचीबोवली जंगल को साफ करने की दिशा में आगे बढ़ती है, तो इससे आसपास के क्षेत्रों, जैव विविधता, वनस्पतियों और जीवों पर खतरनाक प्रभाव पड़ेगा।शोधकर्ता अरुण वासीरेड्डी द्वारा तैयार कांचा गच्चीबावली वन पर पारिस्थितिकी विरासत रिपोर्ट के अनुसार, यदि अपरिहार्य स्थिति उत्पन्न होती है, तो गच्चीबावली और आसपास के क्षेत्रों में तापमान 1 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में कांचा गच्चीबावली वन 233 पक्षी प्रजातियों का घर है, जो केबीआर राष्ट्रीय उद्यान की विविधता (150) की तुलना में दोगुनी है।रिपोर्ट में कहा गया है, ज़्यादातर राष्ट्रीय उद्यानों और आरक्षित वनों के विपरीत, यहाँ के जानवर बिना किसी हस्तक्षेप के आत्मनिर्भर हैं।

इस हरित क्षेत्र को बनाए रखने में कोई खर्च नहीं आता, लेकिन इसका सबसे छोटा संस्करण बनाने में भी हज़ारों करोड़ रुपए खर्च होते हैं।रिपोर्ट में कहा गया है, यह जंगल घास के मैदानों में पाए जाने वाले पक्षियों जैसे भारतीय हूपो, ओरिएंटल स्काईलार्क, ग्रास येलो और डार्ट्स जैसी तितलियों का घर है। यह हैदराबाद में भारतीय रोलर (तेलंगाना का राज्य पक्षी) का आखिरी घर भी है।

पक्षी प्रजातियों के साथ-साथ, इस जंगल में म्यूरिसिया हैदराबादेंसिस भी पाया जाता है, जो 2010 में खोजी गई एक अनोखी मकड़ी है और दुनिया में कहीं नहीं पाई जाती है।कांचा गच्चीबावली वन का संरक्षण, हैदराबाद को सहारा देने वाली झील और पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।वृक्ष विविधता के संदर्भ में, इस जंगल में 72 से अधिक प्रजातियाँ हैं और यह एकमात्र ऐसा जंगल है जो मार्किंग नट (सेमेकार्पस एनाकार्डियम) को आश्रय देता है, जिसे स्थानीय रूप से चाकली जीडी या वाशरमैन नट के रूप में जाना जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है, यह पेड़ दशकों से धोबी समुदाय के लिए एक आवश्यक संसाधन रहा है। उनके विनाश से न केवल जैव विविधता को नुकसान होगा बल्कि क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी मिट जाएगा।

डीसीए तेलंगाना ने मार्च में 3 लाख से अधिक मूल्य की 65 दवाइयां जब्त की

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मार्च में तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने दवाओं से जुड़े विभिन्न अपराधों से संबंधित 65 जब्ती की। छापेमारी के दौरान डीसीए ने 3.03 लाख रुपये का स्टॉक जब्त किया और तेलंगाना में घूम रही कई घटिया दवाओं का पता लगाया। एक ऑपरेशन में, डीसीए ने 'मोंटेक-एलसी' टैबलेट के नकली वर्जन से जुड़े ड्रग रैकेट का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया, जिसके बारे में झूठा दावा किया गया था कि यह सन फार्मा लैबोरेटरीज द्वारा निर्मित है। सिकंदराबाद में श्री निर्मला फार्मा में 18 मार्च को की गई छापेमारी में 'मोंटेक-एलसी' टैबलेट के नकली बैच को जब्त किया गया, जिस पर निर्माता का नाम और एक्सपायर बैच का विवरण गलत तरीके से लिखा गया था।नकली दवाओं के अलावा, डीसीए ने दवाओं के भ्रामक विज्ञापनों को भी निशाना बनाया, जो औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन करते थे। कई छापों में, मधुमेह, तपेदिक, रक्तचाप और यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों के इलाज के लिए निराधार दावे करने वाली 50 दवाएं जब्त की गईं। ये विज्ञापन झूठे और हानिकारक स्वास्थ्य दावे करके जनता को गुमराह करने वाले पाए गए।

इस तरह की अवैध विज्ञापन प्रथाएं नियामक मानकों का उल्लंघन करती हैं और मरीजों को अप्रभावी या असुरक्षित दवाओं के उपयोग के लिए गुमराह कर सकती हैं।

हैदराबाद के सुल्तान बाजार में श्री नंदिनी फार्मा पर 5 मार्च को छापेमारी के दौरान, डीसीए ने पाया कि कमरे के तापमान पर टेटनस के टीके और ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन रखे हुए थे। इन इंजेक्शनों को 2 डिग्री सेल्सियस से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच के तापमान पर रेफ्रिजरेटर में संग्रहित किया जाना चाहिए, लेकिन इन्हें अन्य सामान्य दवाओं के साथ नियमित अलमारियों पर अनुचित तरीके से संग्रहीत किया गया था।

इस तरह के अनुचित भंडारण से इन जीव-नरक्षक दवाओं की क्षमता खत्म हो सकती है, जिससे वे अप्रभावी हो सकती हैं और रोगियों के लिए संभावित रूप से खतरनाक हो सकती हैं।हाल ही में एक कार्रवाई में, डीसीए ने तेलंगाना में की गई छापेमारी के दौरान दो दवाएँ जब्त कीं, जिन्हें गलत तरीके से निर्मित किया गया था और न्यूट्रास्युटिकल्स के रूप में बेचा गया था। 6 मार्च को, अधिकारियों ने पेड्डापल्ली जिले के रामागुंडम में मेडोस-एटी कैप्सूल जब्त किए, जिसमें मिथाइलकोबालामिन, अल्फा लिपोइक एसिड, फोलिक एसिड, विटामिन बी1 और बी6 शामिल थे। यह उत्पाद अहमदाबाद, गुजरात से यश न्यूट्रास्युटिकल्स और इंदौर, मध्य प्रदेश से रोनपोल लाइफ साइंस ब्रांड नाम से बेचा जा रहा था।इसी तरह, 26 मार्च को मेडचल-मलकाजगिरी जिले के कुशाईगुडा में छापेमारी के दौरान कैलग्रो-डी3 टैबलेट जब्त की गई, जिसमें कैल्शियम और विटामिन डी3 था। इन टैबलेट का निर्माण मेडचल-मलकाजगिरी जिले में स्थित ट्विन्स फार्मा द्वारा किया गया था और आर्केड लाइफसाइंसेज द्वारा विपणन किया गया था। दोनों उत्पादों को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत 'ड्रग्स' के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बावजूद न्यूट्रास्युटिकल्स के रूप में गलत तरीके से विपणन किया गया था।

इसके अलावा, डी.सी.ए. ने बिना लाइसेंस के चल रही मेडिकल दुकानों और क्लीनिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। मार्च में दो ऐसे प्रतिष्ठानों पर छापे मारे गए, जहां 1.23 लाख रुपये की दवाइयां जब्त की गईं।

बिना लाइसेंस वाले ये डीलर अवैध रूप से दवाओं का भंडारण और बिक्री कर रहे थे, जो कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत दंडनीय है, तथा इसके लिए पांच वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है।अन्य डीसीए छापों में, अनधिकृत चिकित्सकों या झोलाछाप डॉक्टरों को पकड़ा गया, जो बिना किसी आवश्यक योग्यता के चिकित्सा क्लीनिक चला रहे थे। ये लोग अवैध रूप से चिकित्सा का अभ्यास करते पाए गए और शक्तिशाली एंटीबायोटिक्स और स्टेरॉयड सहित कई तरह की दवाओं का भंडारण करते पाए गए।

लक्ष्मी पार्वती तेलंगाना उच्च न्यायालय में बसवतारकम ट्रस्ट की लड़ाई हार गईं

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव की विधवा नंदमुरी लक्ष्मी पार्वती को एक बड़ा कानूनी झटका देते हुए, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने हैदराबाद में बसवतारकम मेडिकल ट्रस्ट का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया है।

न्यायमूर्ति जी राधा रानी द्वारा दिए गए न्यायालय के फैसले में एनटीआर द्वारा 1995 में कथित रूप से लिखी गई एक पूरक वसीयत के आधार पर उनके दावों को खारिज कर दिया गया, जिसके बारे में उनका तर्क था कि उसमें उन्हें ट्रस्ट का प्रबंध ट्रस्टी बताया गया है।वर्तमान में, ट्रस्ट का प्रबंधन एनटीआर के बेटे, अभिनेता-राजनेता नंदमुरी बालकृष्ण द्वारा किया जाता है।अदालत ने लक्ष्मी पार्वती की दलील में कई प्रक्रियागत त्रुटियों की पहचान की, विशेष रूप से वसीयत को प्रमाणित करने वाले गवाहों की अनुपलब्धता या मृत्यु को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करने में उनकी विफलता।

मृत्यु प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने या उनकी गवाही के लिए सम्मन मांगने के बजाय, उन्होंने केवल यह दावा किया कि वे उपलब्ध नहीं हैं, यह रुख अदालत को अपर्याप्त लगा।

न्यायमूर्ति रानी ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के तहत वसीयत को साबित करने के लिए कानूनी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना आवश्यक है, जिसका लक्ष्मी पार्वती ने पालन नहीं किया।एक गवाह के बेटे की गवाही को प्रतिस्थापित करने का उनका प्रयास कानूनी

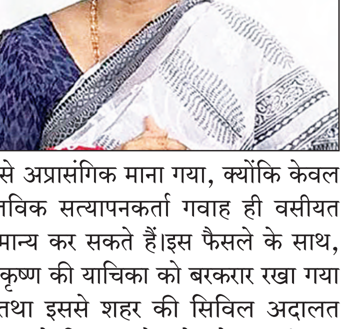

रूप से अप्रासंगिक माना गया, क्योंकि केवल वास्तविक सत्यापनकर्ता गवाह ही वसीयत को मान्य कर सकते हैं।इस फैसले के साथ, बालकृष्ण की याचिका को बरकरार रखा गया है, तथा इससे शहर की सिविल अदालत द्वारा पहले दिए गए फैसले को प्रभावी रूप से पलट दिया गया है, जिसमें लक्ष्मी पार्वती का पक्ष लिया गया था।इस परिणाम से न केवल बालकृष्ण का बसवतारकम मेडिकल ट्रस्ट पर नियंत्रण मजबूत हो गया है, बल्कि लक्ष्मी पार्वती के लिए भी यह स्थिति चुनौतीपूर्ण हो गई है, क्योंकि अब उन्हें 1995 की वसीयत की वैधता स्थापित करने के लिए वैकल्पिक कानूनी रास्ते तलाशने होंगे।

यदि वह भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अनुसार ऐसा करने में विफल रहती है, तो वसीयत को अंततः अवैध घोषित किया जा सकता है।बसवतारकम मेडिकल ट्रस्ट बसवतारकम इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट का संचालन करता है, जिसकी स्थापना एनटीआर ने अपनी पहली पत्नी की याद में की थी।

उनकी मृत्यु के बाद, एनटीआर ने 1994 में लक्ष्मी पार्वती से विवाह किया - इस विवाह को उनकी पहली शादी से हुए बच्चों के विरोध का सामना करना पड़ा। जनवरी 1996 में एनटीआर के निधन के बाद, बालकृष्ण ने ट्रस्ट का प्रबंधन किया है।

लक्ष्मी पार्वती ने सबसे पहले 2009 में हैदराबाद शहर की सिविल कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें दावा किया गया था कि एनटीआर ने 18 नवंबर, 1995 को एक पूरक वसीयत तैयार की थी, जिसमें उन्हें प्रबंध ट्रस्टी के रूप में नामित किया गया था। उन्होंने भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1920 की धारा 74 के तहत एक आदेश की मांग की, ताकि उनके अधिकार को औपचारिक रूप से मान्यता दी जा सके और मौजूदा ट्रस्ट सदस्यों के हस्तक्षेप को रोका जा सके।

इस विवाद में मुख्य मुद्दा पूरक वसीयत की वैधता है। कथित तौर पर इस दस्तावेज़ को दो व्यक्तियों - जे वेंकट सुब्बैया और वाई तिरुपति राव - ने देखा था, जिनकी अब मृत्यु हो चुकी है।जबकि एनटीआर के बेटों ने लक्ष्मी पार्वती के दावों का विरोध किया और वसीयत की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया, उन्होंने मूल गवाहों में से एक के बेटे जेवी प्रसाद राव की गवाही के माध्यम से इसे मान्य करने का प्रयास किया।हालाँकि, बालकृष्ण और बसवतारकम मेडिकल ट्रस्ट ने 2019 में उच्च न्यायालय में इस कदम का विरोध किया, यह तर्क देते हुए कि प्रसाद राव वैध गवाही नहीं दे सकते क्योंकि वह स्वयं सत्यापनकर्ता गवाह नहीं थे।

हैदराबाद विवि में छात्रों का अनिश्चितकालीन विरोध

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ ने कक्षाओं का बहिष्कार करने और अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने राज्य सरकार के लिए विश्वविद्यालय के 400 एकड़ भूमि पर भूमि की सफाई का काम शुरू कराया है और उन्होंने पुलिसकर्मियों और मशीनरी को विश्वविद्यालय परिसर से हटाने की मांग की है।

छात्र संघ के उपाध्यक्ष आकाश ने कहा कि छात्रों और शिक्षकों से अपील की गई है कि वे इस विरोध में शामिल हों और कक्षाओं का बहिष्कार करें। हैदराबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ और अन्य छात्र संगठनों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों के साथ धोखा किया है, क्योंकि उसने राज्य सरकार के लिए विश्वविद्यालय के पास स्थित कंचा गच्चीबावली क्षेत्र में 400 एकड़ भूमि पर भूमि सफाई के कार्य को अनुमति दी है। उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पुलिस के क्रूर दमन की भी निंदा की।

विरोध कर रहे छात्रों ने यह सुनिश्चित करने की मांग की है कि यह भूमि विश्वविद्यालय के नाम पर आधिकारिक रूप से पंजीकृत की जाएगी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा इस मुद्दे पर आयोजित कार्यकारी समिति की बैठक की मिनट्स को सार्वजनिक करने और भूमि से संबंधित दस्तावेजों में अधिक पारदर्शिता की मांग की। तेलंगाना सरकार के 400 एकड़ भूमि पर आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य विकास कार्यों को लेकर छात्रों के विरोध के बाद सरकार ने दावा किया है कि यह भूमि राज्य सरकार की

है, न कि विश्वविद्यालय की। इसके जवाब में, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने सोमवार को बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि विवादित भूमि की सीमा पहले ही तय की जा चुकी है, जो राज्य सरकार के दावे से विरोधाभासी है। राज्य सरकार ने एक विस्तृत नोट में यह आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक नेताओं और रियल्टी समूहों द्वारा छात्रों को भ्रमित किया जा रहा है। छात्र समूहों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें कहा गया है कि भूमि पर विकास कार्य पर्यावरण संरक्षण के लिए हानिकारक हो सकता है। छात्र संघ ने रविवार को विरोध प्रदर्शन किया था, जब उन्हें पुलिस और मशीनरी को विश्वविद्यालय के पास भूमि पर तैनात देखा गया था, जिसके बाद 50 से अधिक छात्रों को गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया था।

पुलिस के अनुसार, जब 30 मार्च को भूमि पर विकास कार्य शुरू किया गया छात्र संघ एवं अन्य लोग साइट पर इकट्ठा हुए थे और उन्होंने काम को बलपूर्वक रोकने की कोशिश की। उन्होंने अधिकारियों और कामकाजी कर्मचारियों पर लाठियों और पत्थरों से हमला किया, जिसके कारण दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन कहा कि उसने अदालत में भूमि पर अपने स्वामित्व का प्रमाण प्रस्तुत किया है और यह कि विश्वविद्यालय (जो एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है) के पास इस विवादित भूमि पर कोई अधिकार नहीं है। तेलंगाना सरकार ने यह भी कहा कि यदि भूमि के स्वामित्व पर कोई विवाद पैदा होता है तो यह अदालत के आदेश का उल्लंघन होगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि भूमि को वनों की भूमि के रूप में दर्ज नहीं किया गया है। तेलंगाना सरकार ने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार की सहमति से जुलाई 2024 में भूमि की सीमा निर्धारण के लिए सर्वेक्षण किया गया था। यह सर्वेक्षण विश्वविद्यालय अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया था, और उसी दिन सीमा निर्धारित की गई थी।

भाजपा नेताओं ने केंद्रीय मंत्री से गच्चीबावली भूमि की बिक्री रोकने का आग्रह किया

हैदराबाद/नई दिल्ली, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांचा गच्चीबावली भूमि का विवादास्पद मुद्दा अब दिल्ली पहुंच गया है और भाजपा के राज्य नेतृत्व ने इस भूमि की कथित बिक्री को रोकने के लिए कदम उठाया है।भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष किशन रेड्डी के नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय, कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, एटाला राजेंद्र, धर्मपुरी अरविंद और नागेश सहित भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की और उनसे हस्तक्षेप करने की मांग की, मंगलवार को यहां पार्टी के एक बयान में कहा गया। सांसदों ने इन भूमियों के पारिस्थितिक महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें लगभग 700 औषधीय पौधों की प्रजातियां और 220 पक्षियों की प्रजातियां हैं, जो उन्हें हैदराबाद के पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इन भूमियों को रियल एस्टेट परियोजनाओं में बदलने से प्राकृतिक विरासत का नुकसान होगा, जबकि निजी संस्थाओं के लिए भारी वित्तीय लाभ होगा।भाजपा नेताओं ने यह भी बताया कि हैदराबाद विवि के छात्र और हैदराबाद के नागरिक सरकार के भूमि के पुनर्प्रयोजन के फैसले का कड़ा विरोध कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री से इन पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करने और उनके व्यावसायिक दोहन को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

भूमि विवाद: केटीआर ने रेवंत से पूछा आप सरकार हैं या बुलडोजर कंपनी?

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने मंगलवार, 1 अप्रैल को कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से सवाल किया। सरकार की मूसी पुनरुद्धार परियोजना पर कटाक्ष करते हुए तेलंगाना के पूर्व मंत्री ने कहा, पहले तो आपने पर्यावरण संरक्षण के नाम पर कई गरीब लोगों के घरों को बुलडोजर से गिरा दिया! इसके बाद, आप विकास के नाम पर आदिवासी बस्तियों पर हमला करने लगे। आपने कहा था कि बंजर जमीन पर छिपकलियाँ भी अंडे नहीं देंगी। एक्स पर एक पोस्ट में केटीआर ने सीएम रेवंत की आलोचना करते हुए कहा, अब आप जानवरों के घरों पर हमला कर रहे हैं और सामूहिक हत्या कर रहे हैं। उन्होंने आगे पूछा कि सरकार कांचा गाचीबोवली भूमि पर दावा क्यों कर रही है और विकास के नाम पर इसे उचित क्यों ठहरा रही है।

सिरसिला विधायक ने रेवंत से पूछा कि क्या वह निर्वाचित प्रतिनिधि हैं या रियल एस्टेट एजेंट। उन्होंने कहा कि विनाश तेलंगाना सरकार का एकमात्र आदर्श वाक्य है और मुख्यमंत्री से पूछा कि वह अदालतों से क्यों डरते हैं।केटीआर द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में हिरणों का एक झुंड गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि बुलडोजर काम करना जारी रख रहा है।

हैदराबाद विवि में विरोध प्रदर्शन के बीच बीआरएस नेताओं के आवासों पर भारी पुलिस तैनात

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूअ-ोएच) के छात्रों ने कांचा गच्चीबौली की 400 एकड़ जमीन की नीलामी का मंगलवार, 1 अप्रैल को विरोध किया। भारत राष्ट्र समिति (बीअ-ारएस) नेताओं के आवासों पर भारी सुरक्षा तैनात की गई थी।

कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ हरियाली को हटाने के खिलाफ छात्रों के आंदोलन को बीआरएस द्वारा समर्थन दिए जाने के कुछ ही घंटों बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बीआरएस ने स्पष्ट किया है कि वह तेलंगाना सरकार को इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने से रोकने के लिए छात्रों के विरोध प्रदर्शन में सीधे तौर पर हिस्सा नहीं लेगी। इस बीच, बीआरएस के छात्र नेताओं ने कांचा गच्चीबावली में हरियाली को हटाने का विरोध करते हुए केबीआर पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने छात्रों के साथ एकजुटता दिखाई और कांग्रेस सरकार के ज़मीन बेचने के फ़ैसले के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई। बड़े पैमाने पर वनों की कटाई का विरोध करने वाले पर्यावरण कार्यकर्ता और सुबह की सैर करने वाले भी उनके साथ शामिल हुए। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर और हरीश राव के अलावा पार्टी के अन्य नेताओं के आवास पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

विधायक आवास पर पुलिस तैनात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं को हैदराबाद विश्वविद्यालय में जाने से रोकने के लिए विधायक आवासों पर भी पुलिस तैनात की गई थी। भाजपा ने महेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में यूओएच का दौरा करने की योजना बनाई थी।कुछ भाजपा नेताओं को विधायक क्वार्टर में हिरासत में लिया गया, जबकि पायल शंकर और धनपाल सूर्यनारायण सहित अन्य को भाजपा कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया। अपने बयान में शंकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार हैदराबाद विश्वविद्यालय की जमीन बेचने की कोशिश कर रही है।

यूओएच के छात्रों के खिलाफ मामले वापस लेने पर विचार किया जा रहा है : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के छात्रों और पर्यावरणविदों द्वारा उठाई गई सभी चिंताओं का समाधान किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा यूओएच की 400 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि सरकार ने कांचा गच्चीबावली की 400 एकड़ भूमि को धोखेबाजों के हाथों से केवल युवाओं के लिए धन और रोजगार पैदा करने के लिए वापस लिया है।

400 एकड़ भूमि की नीलामी के मुद्दे पर यूओएच के पूर्व छात्रों और पर्यावरणविदों के साथ विचार-विमर्श के बाद मंगलवार, 1 अप्रैल को हैदराबाद में मीडिया को संबोधित करते हुए विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना सरकार पारिस्थितिक असंतुलन को बिगाड़ने नहीं जा रही है, और यूओएच परिसर के अंदर चट्टान संरचनाओं और झीलों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएगी।

उन्होंने आश्वासन दिया कि जेल में बंद हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ मामले वापस लेने के लिए प्रतिनिधिमंडल द्वारा दिए गए ज्ञापन पर तेलंगाना सरकार विचार कर रही है।जनवरी 2004 से राजस्व विभाग और यूओएच के बीच 400 एकड़ भूमि के आदान-प्रदान के राजस्व दस्तावेज दिखाते हुए उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती राज्य सरकारों ने 400 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए कदम उठाए थे, जिसे तत्कालीन आंध्र प्रदेश (एपी) के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने आईएमजी भारत के बिली राव को आवंटित किया था। भूमि के इस आवंटन को नायडू के उत्तराधिकारी और पूर्व एपी मुख्यमंत्री डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी ने 2006 में चुनौती दी थी।तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सवाल उठाया कि जब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार सत्ता में थी, तो उसी 27 एकड़ ज़मीन पर ऊंची इमारतें कैसे बनाई गईं। उन्होंने आश्चर्य जताया कि बीआरएस नेताओं को जब ये इमारतें बनाई जा रही थीं, तब जैव विविधता और वन्यजीवों की याद क्यों नहीं आई। 2022 में इसी विश्वविद्यालय में कुलपति अपनी ज़मीन पर बन रही सड़क के ख़िलाफ़ उच्च न्यायालय चले गए। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से आदेश दिया था कि सिर्फ़ 400 एकड़ ही नहीं, बल्कि पूरे परिसर में एक भी एकड़ ज़मीन याचिकाकर्ता की नहीं है, पोंगुलेटी ने बताया। पोंगुलेटी ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने यह पता लगाने के निर्देश दिए हैं कि 1,500 एकड़ या 1,550 एकड़ भूमि यूओएच की है, तथा उस भूमि का सीमांकन और संरक्षण करने के लिए कदम उठाए जाएं।

रेड्डी ने भाजपा और बीआरएस को चुनौती दी कि वे यह साबित करें कि क्या उस भूमि पर एक भी जानवर को चोट पहुंचाई गई है, जिसे आईटी कंपनियों की स्थापना सहित कई उद्देश्यों के लिए उस क्षेत्र के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए साफ किया जा रहा है।

तिरुमला: छह अप्रैल को श्रीवारी मंदिर में श्री राम नवमी अस्थानम

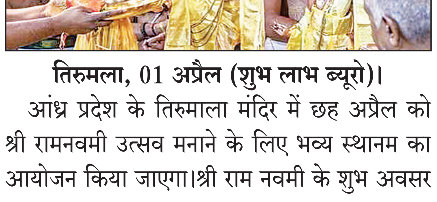

तिरुमला, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में छह अप्रैल को श्री रामनवमी उत्सव मनाने के लिए भव्य स्थानम का आयोजन किया जाएगा।श्री राम नवमी के शुभ अवसर पर, रविवार को सुबह नौ से ग्यारह बजे के बीच रंगनायकुला मंडपम में श्री राम के उत्सव देवताओं, श्री सीता देवी और श्री लक्ष्मण स्वामी के लिए स्नेपना तिरुमंजनम किया जाएगा। शाम 06.30 से रात आठ बजे तक हनुमंत वाहन सेवा होगी। इसके बाद बंगारू वकीली में रात्रि 9 बजे से 10 बजे के बीच श्री रामनवमी स्थानम मनाया जाएगा। 7 अप्रैल को रात्रि 8 बजे से 9 बजे के बीच श्री राम पट्टाभिषेक स्थानम मनाया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.